@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 157 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ऐसी कल्पना नहीं की थी, जहां जज कानून बनाएंगे: उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया आदेश पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि भारत में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे। उपराष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के

उस आदेश का जिक्र किया, जिसमें राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय की गई है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने को कहा जा रहा है। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक हालिया फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें इसे लेकर बेहद संवेदनशील होने की जरूरत है। हमने इस दिन की कल्पना नहीं की थी, जहां राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने के लिए कहा जाएगा और अगर वे फैसला नहीं लेंगे तो कानून बन जाएगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब जज विधायी चीजों पर फैसला करेंगे। वे ही कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही भी नहीं होगी क्योंकि इस देश का कानून उन पर लागू ही नहीं होता। धनखड़ ने हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अपने जीवन में मैंने ऐसे दिन की कल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति देश का सबसे सर्वोच्च पद है। राष्ट्रपति संविधान की सुरक्षा की शपथ लेते हैं। जबकि सांसद, मंत्री, उपराष्ट्रपति और जजों को संविधान का पालन करना होता है। हम ऐसी स्थिति नहीं चाहते, जहां राष्ट्रपति को निर्देश दिए जाएं।

वक्फ कानून पर सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का समय: सुप्रीम कोर्ट

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ से केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक उपयोगकर्ता की ओर से वक्फ या दस्तावेजों की ओर से वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है, तो उन संपत्तियों को 5 मई को अगली सुनवाई तक गैर-अधिसूचित नहीं किया जा सकता। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली तारीख 5 मई तय की।सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। सरकार को लाखों-लाखों प्रतिनिधि मिले, गांव-गांव वक्फ में शामिल किए गए। इतनी सारी जमीनों पर वक्फ का दावा किया जाता है। इसे कानून का हिस्सा माना जाता है। अंतरिम रोक की राय पर मेहता ने कहा कि कानून पर रोक लगाना एक कठोर कदम होगा। उन्होंने अदालत के सामने कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि इस दौरान बोर्ड या काउंसिल की कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिस पर इस तरह से विचार किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया, अदालत ने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। वह नहीं चाहता कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो। कोर्ट ने कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित है, तो हमे यह सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव न हो। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के इस बयान को रिकॉर्ड में लिया कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब देगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई की तारीख तक, वक्फ, जिसमें पहले से

पंजीकृत या अधिसूचना के माध्यम से घोषित वक्फ-बाय-यूजर शामिल है, को न तो डीनोटिफाई किया जाएगा और न ही कलेक्टर इसे लेकर कोई फैसला लेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब दाखिल करे। तब तक यथास्थिति बनी रहेगी। दूसरी ओर पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर कई याचिकाओं पर विचार करना असंभव है। पीठ ने स्पष्ट किया कि वह केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जबकि वकीलों से कहा कि वे आपस में तय करें कि कौन बहस करेगा। बीते दिन कानून के कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों पर अंतरिम आदेश के जरिए रोक लगाने का प्रस्ताव रखा था। शीर्ष कोर्ट ने अदालतों की ओर से वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर अधिसूचित करने, वक्फ में पदेन सदस्यों को छोड़कर अन्य गैर मुस्लिम सदस्य को शामिल करने और कलेक्टरों की जांच के दौरान संपत्ति को गैर वक्फ किए जाने के प्रावधानों पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा था। अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। हालांकि, कानून के लागू होने पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई थी। शीर्ष कोर्ट ने इस मुद्दे पर हो रही हिंसा पर चिंता जताई थी।

शिक्षक चिंता न करें, जल्द समस्या का समाधान होगा: ममता बनर्जी

कौमी संवाददाता

कोलकाता, 17 अप्रैल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कल हिंसा-प्रभावित मुर्शिदाबाद का दौरा करेंगी। इसकी जानकारी देते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम ममता ने कहा कि, राज्य सरकार हिंसा पीड़ितों का घर बनवाएगी। उन्होंने कहा कि- मुर्शिदाबाद में फैली हिंसा की जांच के लिए एसआईटी का भी गठन कर दिया गया है। सीएम ने आगे बताया कि, फिलहाल स्थानीय प्रशासन वहां (मुर्शिदाबाद) के लोगों का विश्वास हासिल करने की कोशिश कर रहा है। वहीं इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दावा है कि गृह मंत्रालय विदेशों से बंगाल में अवैध रूप से घुसने करने वालों का ब्योरा साझा नहीं कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि, इस मामले में बीएसएफ की जवाबदेही होनी चाहिए क्योंकि उसका अधिकार क्षेत्र सीमा से 50 किलोमीटर तक बढ़ा दिया गया है। एसएससी भर्ती पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पश्चिम

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, हमें दिसंबर तक का समय मिला है। यह मामला एक साल के भीतर सुलझ जाएगा। वहीं उन्होंने आगे शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि उनका शिक्षकों से अनुरोध है कि वे चिंता न करें, समस्या का समाधान हो जाएगा। बेदाग बर्खास्त शिक्षकों का कार्यकाल बढ़ाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीएम ममता बनर्जी ने खुशी भी जताई है। बता दें कि, पश्चिम बंगाल को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन बर्खास्त स्कूल शिक्षकों की सेवाएं बढ़ा दी हैं, जिनकी नियुक्ति सीबीआई की तरफ से जांच की गई भर्ती प्रक्रिया में बेदाग पाई गई थी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने राज्य सरकार की इस दलील पर गौर किया कि कई स्कूलों में शैक्षणिक कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है और नई भर्ती में समय लगेगा। हालांकि, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उसकी राहत राज्य की तरफ से संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में नियुक्त समूह सी और समूह डी कर्मचारियों तक नहीं फैली है। पीठ ने राज्य सरकार को 31 मई या उससे पहले भर्ती प्रक्रिया शुरू करने और इस साल 31 दिसंबर तक इसे पूरा करने का निर्देश दिया है। अदालत ने राज्य सरकार और उसके पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग को 31 मई या उससे पहले भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के बारे में सूचित करने के लिए अनुपालन हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इससे पहले 3 अप्रैल को, शीर्ष अदालत ने राज्य की तरफ से संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार दिया और पूरी चयन प्रक्रिया को दूषित बताया था। कोर्ट ने नियुक्तियों को रद्द करने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल, 2024 के फैसले को बरकरार रखा और कहा कि दागी उम्मीदवारों को उनके वेतन/प्राप्त भुगतान वापस करने चाहिए।

सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन को देख नक्सलियों की रूह कांप जाती है: अमित शाह

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, गुरुवार को मध्य प्रदेश के नीमच में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस की परेड में उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के जवानों ने हमेशा देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। देश में जब भी कहीं अशांति होती है और वहां सीआरपीएफ जवान उपस्थित होते हैं तो मुझे यह भरोसा होता है कि सीआरपीएफ मौजूद है तो विजय सुनिश्चित है। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन को आता देख दुर्दांत नक्सलियों की रूह काँप जाती है। सीआरपीएफ ने विगत 5 साल में नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में 400 से अधिक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए हैं। इसी कारण 10 साल में नक्सली हिंसा में 70 प्रतिशत से अधिक कमी आई है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने सीआरपीएफ के 2264 कर्मियों द्वारा देश की सुरक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उन्हें कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि दी। जब भी देश की आजादी की शताब्दी का स्वर्ण ग्रंथ लिखा जाएगा, उस वक्त सबसे पहले देश के अमर

शहीदों की वीरता की गाथा स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाएगी। 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दूसरी बार सरकार बनने के बाद यह निर्णय लिया गया था कि सभी सुरक्षाबलों का स्थापना दिवस देश के अलग अलग हिस्सों में मनाया जाएगा। उसी निर्णय के तहत सीआरपीएफ की यह वार्षिक परेड नीमच में आयोजित की गई है। कोबरा बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ के अन्य जवानों ने नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में बहुत बड़ा योगदान दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा और इस लक्ष्य को सीआरपीएफ के ही दम पर तय किया गया है। धारा 370 हटाने के बाद कश्मीर में शांति बनाए रखनी हो या हर चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराना हो, हर जगह सीआरपीएफ के जवानों ने सच्चे मन से अपने कर्तव्य का निर्वहन किया है। धारा 370 हटने के बाद कश्मीर में विधानसभा के चुनाव हुए और उस वक्त लोगों को कई प्रकार की आशंकाएं थीं, लेकिन हमारे सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षाबलों ने सुरक्षा सुनिश्चित की। न तो एक भी बूथ के लूटे जाने की खबर आई और न ही एक भी गोली कहीं चलानी पड़ी। सीआरपीएफ ने 5 साल में नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में जो 400 से अधिक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए हैं, उसी कारण 10 साल में नक्सली हिंसा में 70 प्रतिशत से अधिक कमी आई है।

मैं खुद जाकर मुर्शिदाबाद की हकीकत देखूंगा: राज्यपाल बोस

कोलकाता, 17 अप्रैल। वक्फ अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा, मैं खुद मैदान में जाकर वहां की हकीकत देखूंगा। मैं मामले को निष्पक्ष तरीके से देखूंगा। स्थिति पर काबू पा लिया गया है। हमें भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए और कदम उठाने चाहिए। मैं निश्चित रूप से मुर्शिदाबाद का दौरा करूंगा। राज्यपाल ने आगे कहा कि- क्षेत्र के लोगों ने वहां बीएसएफ कैंप बनाने का अनुरोध किया है। इस दौरान राज्यपाल घोषाणा की कि, राजभवन राज्य और केंद्र सरकार के साथ मिलकर पीड़ितों के लिए हर संभव प्रयास करेगा। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार गुरुवार को मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगों के कारण बेघर हुए लोगों के एक समूह को राजभवन ले गए, जहां उन्होंने राज्यपाल सीवी आनंद बोस को अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने राज्यपाल से उनकी सुरक्षा, नौकरी और वित्तीय मुआवजे के लिए स्थायी केंद्रीय बल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। इस दौरान पीड़ितों, जो कथित तौर पर हमला किए जाने और अपने घरों से निकाले जाने के बाद राहत शिविर में रह रहे हैं, ने राज्यपाल को बताया कि कैसे उनके सामान लूट लिए गए और घरों, दुकानों और संपत्तियों में आग लगा दी गई, जिससे उन्हें केंद्रीय बलों की मदद से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और आगे की हिंसा को रोकने के लिए क्षेत्र में एक स्थायी बीएसएफ शिविर स्थापित करने की मांग की। उन्होंने राज्यपाल से उन्हें सरकारी नौकरी दिलाने में मदद करने के अलावा मौद्रिक मुआवजा सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया ताकि वे अपना जीवन फिर से शुरू कर सकें।

ईडी के फेर में फंसे राहुल-सोनिया और रॉबर्ट वाड्रा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आरोपपत्र में इन पर एसोसिएट्स जर्नल लिमिटेड (एजेएल) के अंतर्गत आने वाली 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति को हड़पने का आरोप है। सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से भी ईडी जमीन के लेनदेन से जुड़े मामले में पूछताछ कर रही है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब गांधी परिवार के सदस्यों पर कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ी हो। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी पर कुल मिलाकर 20 से ज्यादा केस दर्ज हैं, जिन पर कार्रवाई अलग-अलग चरण में जारी है। आखिर गांधी परिवार के सदस्यों पर कितने मामले दर्ज हैं? उन्हें किन-किन मामलों में आरोपी बनाया गया है? इसके अलावा राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी पर अलग-अलग कितने केस हुए हैं? इन मामलों की मौजूदा स्थिति क्या है? आइये जानते हैं... कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 2024 को लोकसभा चुनाव में दिए गए चुनावी हलफनामे के मुताबिक, उन पर कुल 18 मामले दर्ज हैं। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भी दो अन्य मामलों में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई हैं। यानी उनके ऊपर चल रहे मामलों की संख्या 20 के ऊपर पहुंच गई है। राहुल पर जिन मामलों में केस दर्ज हुए हैं, उनमें पॉक्सो एक्स से लेकर मानहानि तक की धाराओं में मामले हैं। आइये विस्तार से जानें उन पर दर्ज मामलों के बारे में... राहुल गांधी पर मानहानि के मामलों में कर्नाटक से लेकर उत्तर प्रदेश तक मामले दर्ज हैं। इनमें से एक मामले में वे दोषी भी करार दिए जा चुके हैं। वहीं, बाकी 14 मामले कोर्ट में अलग-अलग दौर में हैं। इनमें कुछ प्रमुख केस हैं... आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने 2014 में राहुल के एक भाषण के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। राहुल गांधी ने भाषण में महात्मा गांधी की हत्या का आरोप आरएसएस पर लगाया था, जिसके बाद कुंटे ने भिवंडी मजिस्ट्रेट की अदालत में शिकायत की थी। राहुल ने 2015 में दिल्ली में आरएसएस पर आरोप लगाते हुए कहा था कि जब वे असम में एक मंदिर के दौरे पर जा रहे थे तो संघ कार्यकर्ताओं ने उन्हें मंदिर में घुसने से रोक दिया। इस मामले में संघ कार्यकर्ता अंजन बोरा ने राहुल पर गुवाहाटी में मानहानि की शिकायत की थी। पत्रकार गौरी लंकेश

की हत्या को भाजपा-आरएसएस की विचारधारा से जोड़ने वाली टिप्पणी के लिए राहुल के खिलाफ 2017 में मुंबई में मानहानि का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में पहले सोनिया गांधी और सीताराम येचुरी भी आरोपी थे। हालांकि, सोनिया को बाद में राहत दे दी गई। वहीं, सीताराम येचुरी का निधन हो गया है। राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप है। राहुल ने कहा था कि शाह ने अहमदाबाद के जिला कोऑपरेटिव बैंक के साथ मिलकर नोटबंदी के दौरान 745 करोड़ के बंद हो चुके नोटों को गलत तरह से बदल लिया था। मामले में बैंक और उसके चेयरमैन ने राहुल पर अहमदाबाद की अदालत में केस किया था। 2018 में राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर राहुल गांधी ने घोटाले का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री पर हमला बोला था। उन्होंने इस दौरान पीएम मोदी की ओर इशारा करते हुए कमांडर-इन-थीफ टिप्पणी की थी। इस मामले में राहुल के खिलाफ भाजपा से महाराष्ट्र प्रदेश समिति के सदस्य महेश श्रीश्रीमाल ने मुंबई में राहुल के खिलाफ मानहानि का केस किया था। राहुल पर आरोप है कि कर्नाटक चुनाव के दौरान बंगलूरू में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा था कि भाजपा जो कि ईमानदारी व स्वच्छता की राजनीति करती है, उसका राष्ट्रीय अध्यक्ष एक हत्या अभियुक्त है। इसके बाद राहुल के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में केस दर्ज हुआ था।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है संवाद: सीएम योगी

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 17 अप्रैल। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अमर उजाला के इस वैचारिक संवाद कार्यक्रम में कला, मनोरंजन, शिक्षा, राजनीति, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी देश की जानी मानी शख्सियत, विचारक और विशेषज्ञ शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की। सीएम योगी ने संवाद कार्यक्रम को लेकर अमर उजाला को बधाई दी। ग्राफिक्स के जरिए पढ़िए सीएम योगी का पूरा संबोधन... मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, लोकतंत्र के एक सशक्त स्तंभ के रूप में शानदार 77 वर्षों की इस यात्रा के लिए अमर उजाला परिवार को मैं हृदय से बधाई देता हूं। लोकतंत्र की सशक्त आवाज है संवाद, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है संवाद। कठिन से कठिन समस्या का समाधान का सशक्त माध्यम है संवाद। जहां संवाद बाधित होता है वहीं से संघर्ष के रास्ते प्रारंभ होते हैं। भारत का लोकतंत्र इतना सश्क्त है इसने अपने सभी स्तंभों के लिए लक्ष्मण रेखाएं भी तय की हैं, विधायकों को क्या करना है, कार्यपालिका की सीमाएं क्या हैं और न्याय पालिका की रचनात्मक भूमिका कैसे आगे बढ़ सकती है। वहीं, मीडिया भी किस रूप में अपनी जीवंत उपस्थिति के माध्यम से एक आम नागरिक को अपने साथ जोड़ सकती है। ये चारों स्तंभ अपनी लक्ष्मण रेखाओं का पालन करते हुए जब भी कार्य करेंगे तो ये मानकर चलिए वो लोकतंत्र को और भी पुष्ट करेगी। लोकतंत्र उतना ही आगे फलेगा-फूलेगा और अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की आवाज को उतना ही मजबूती के साथ हर स्तर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सीएम ने कहा, शासन की सभी प्रणालियों में लोकतंत्र को सबसे अच्छा इसलिए भी माना गया है। क्योंकि हर व्यक्ति को बिना भेदभाव के एक समान अधिकार के साथ, समान मूल्यों के साथ जीने की पूरी स्वतंत्रता होती है। अगर हमें कही स्वतंत्रता मिली है अधिकार मिले हैं, तो उस अधिकार के संरक्षण के लिए अवश्यक है कि हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन उसी इमानदारी के साथ करें। सदैव से चला है कर्तव्य और अधिकारों के बीच में सदैव से एक द्वंद रहा है। कौन भारी है। कौन ज्यादा सश्क्त है। याद रखना कोई भी अधिकार तभी सुरक्षित है, जब तक वो अपने कर्तव्यों का इमानदारी से निर्वहन कर रहा है। अगर वो अपने कर्तव्यों से तनिक भी भटका तो उसके सामने स्वंय एक संकट उसके अस्तित्व का आ खड़ा होता है। सीएम ने कहा, संवाद का ये कार्यमक्रम अमर उजाला परिवार ने आज यहां प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित

किया है। लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी एक पौराणिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से ही है। अपने साथ एक विरासत लेकर चला है। एक लंबी परंपरा है। आज के लखनऊ को, जो उत्तर प्रदेश का केंद्र बिंदु है। पूरे उत्तर प्रदेश के लिए जो भी नीतियां बनती हैं, उसका केंद्रबिंदु है, स्वभाविक रूप से इस संवाद का यह कार्यक्रम लखनऊ के माध्यम से 25 करोड़ जनमानस तक न केवल पहुंचेगा, बल्कि उन 25 करोड़ लोगों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व भी संवाद के माध्यम से इस मंच पर प्रभावी ढंग से इन दो दिनों के अंदर होता दिखाई देगा। सीएम योगी ने कहा, आज के इस संवाद कार्यक्रम पर मैं कहूंगा कि अमर उजाला एक शानदार यात्रा के साथ आगे बढ़ा हैं। 77 वर्षों की इस यात्रा को आगे कैसे लेकर चलना है, 1948 से लेकर 2025 तक यह 77 वर्ष की यात्रा आज आपकी पूरी हो रही है। स्वभाविक रूप से आपने भी प्रधानमंत्री जी के संकल्प के साथ अपने आप को जोड़ा हुआ है। 2047 में यह देश अपना शताब्दी महोत्सव मना रहा होगा। 1947 का भारत कैसा होगा और 2048 में मीडिया की भूमिका क्या होगी। यह बात अमर उजाला के पाठकों को बतानी होगी कि कैसे 100 वर्षों के इस सफर में उन्होंने अपनी विकास यात्रा को कैसे अंजाम दिया। समग्र विकास में नौजवानों के लिए, अन्नदाता किसानों के लिए, श्रमिकों के लिए और समाज के अलग-अलग तबकों के लिए किस भूमिका के साथ हमने अपने कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया।

मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण बेल्जियम के संपर्क में है भारत: रणधीर जायसवाल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। भगोड़े मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमारे प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। हम उसके प्रत्यर्पण पर बेल्जियम पक्ष के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बता दें कि, 13,500 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में भारतीय जांच एजेंसियों को मेहुल चोकसी की तलाश है। इस दौरान 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर पूछे गए सवाल पर विदेश मंत्रालय ने कहा, पाकिस्तान लाख कोशिश कर ले, लेकिन वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में उसकी प्रतिष्ठा कम नहीं होगी। राणा का प्रत्यर्पण पाकिस्तान को याद दिलाता है कि उसे मुंबई हमलों के अन्य अपराधियों को भी न्याय के कटघरे में लाना होगा, जिन्हें वह अभी भी बचा रहा है। वहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा पर रणधीर जायसवाल ने कहा, अपनी यात्रा के दौरान वे प्रधानमंत्री से मिलेंगे और भारत और अमेरिका के बीच सभी द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी टैरिफ पर उन्होंने कहा, हम अमेरिकी पक्ष से बातचीत कर रहे हैं ताकि द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया जा सके। इस दौरान विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी को रूस से मिल निमंत्रण पर कहा, प्रधानमंत्री को रूसी राष्ट्रपति से निमंत्रण मिला है और जैसा कि मैंने आपको बताया, विजय दिवस समारोह में हमारी भागीदारी की घोषणा की जाएगी। इस दौरान कैलाश मानसरोवर यात्रा पर विदेश मंत्रालय ने कहा, हम जल्द ही कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जनता के लिए एक नोटिस जारी करेंगे। यात्रा जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना है। वहीं भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवाओं पर रणधीर जायसवाल ने कहा, सैद्धांतिक रूप से, दोनों देश इस बात पर सहमत हो गए हैं कि उड़ान संचालन फिर से शुरू होगा। दोनों पक्षों की तकनीकी टीमें उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए तकनीकी व्यवस्थाओं पर विचार कर रही हैं।

अफ्रीकी राज्य में 'बापू' की प्रतिमा का अनावरण, यहां 100 से ज्यादा साल तक भारतीयों पर था प्रतिबंध

एजेंसी

स्टाकहोम । दक्षिण अफ्रीकी राज्य के एंग्लो-बोअर युद्ध संग्रहालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की बड़ी प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह एक ऐसा राज्य है जहां पर रंगभेद कानून के चलते 100 साल से ज्यादा समय तक भारतीयों पर प्रतिबंध था। पद्म भूषण पुरस्कार विजेता राम वांगी सुतार द्वारा बनाई गई कांस्य प्रतिमा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने संग्रहालय को दान की थी। प्रतिमा का अनावरण 11 अप्रैल को भारतीय उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने 1899-1902 के एंग्लो-बोअर युद्ध में भारतीयों की भागीदारी की अब तक की अनकही कहानी पर एक वृत्तचित्र और एक किताब के साथ किया। 1994 में जब नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक राष्ट्रपति चुने गए थे तो पहला ऑरेंज फ्री स्टेट भारतीयों को रंगभेद कानून द्वारा प्रतिबंधित करता था। ब्लूमफोंटेन में बने युद्ध संग्रहालय में दक्षिण अफ्रीकी एंग्लो-बोअर युद्ध की याद बनाया गया है। इस युद्ध में सभी नस्लों के दक्षिण अफ्रीकी शामिल थे। इनमें श्वेत, अफ्रीकी, रंगीन और भारतीय शामिल थे। ब्लूमफोंटेन में युद्ध संग्रहालय के निदेशक टोकी प्रीटोरियस ने कहा कि संग्रहालय ने इस प्रकाशन के माध्यम से दक्षिण अफ्रीकी भारतीयों और भारत से आए लोगों दोनों की भागीदारी को मान्यता देने के लिए एक परियोजना शुरू की है।

दिलचस्प हुआ कनाडा चुनाव, ट्रंप की धमकी के बाद लिबरल पार्टी को मिली संजीवनी

टोरंटो। कनाडा में आम चुनाव के लिए 28 अप्रैल को वोटिंग होनी है और इसके लिए चुनाव प्रचार चरम पर है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी और भारी-भरकम टैरिफ लगाने के बाद कनाडा का चुनाव दिलचस्प हो गया है। दरअसल कुछ समय पहले तक सत्ताधारी लिबरल पार्टी विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से पिछड़ती नजर आ रही थी। इसके चलते जस्टिस ट्रूडो को भी पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था और उनकी जगह मार्क कार्नी को पीएम बनाया गया था। अब ट्रंप की धमकी के बाद जिस तरह से लिबरल पार्टी ने सख्त रुख अपनाया है, उसके बाद से पार्टी की लोकप्रियता में उछाल देखा गया है। यही वजह है कि लिबरल पार्टी जहां चुनाव में ट्रंप से सामना करने का मुद्दा उठा रही है, वहीं विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी बदलाव की मांग कर रही है। फ्रेंच लैंग्वेज लीडर्स की डिबेट के दौरान मार्क कार्नी और पिएरे पोएलीवरे का आमना सामना हुआ। इस दौरान पीएम मार्क कार्नी ने कहा कि 'इस चुनाव में सवाल ये है कि कौन राष्ट्रपति ट्रंप का सामना करेगा।' वहीं पिएरे पोएलीवरे ने बदलाव पर जोर दिया और कहा कि लोगों को लिबरल पार्टी को चौथा कार्यकाल नहीं देना चाहिए।

बिना नोटिस आव्रजन दर्जा खत्म हुआ तो अमेरिकी कोर्ट पहुंचा भारतीय छात्र

वाशिंगटन। अमेरिका से अप्रवासियों के निर्वासन का सिलसिला लगातार जारी है। मगर अब वीजा लेकर रह रहे लोगों को भी निर्वासित करने के लिए उनका आव्रजन दर्जा खत्म किया जा रहा है। ऐसे ही एक मामले में अब अमेरिकी गृह विभाग और आव्रजन अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बार मुकदमा चार छात्रों ने दर्ज कराया है। इसमें एक भारतीय छात्र चिन्मय देवरे भी शामिल है। छात्र का कहना है कि उसके आव्रजन दर्जे को बिना नोटिस और सूचना दिए समाप्त कर दिया गया। जबकि उनके खिलाफ न तो कोई मुकदमा है और न ही वे किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहे हैं। आव्रजन अधिकारियों की कार्रवाई से भारतीय छात्र चिन्मय देवरे समेत तीन अन्य छात्रों का करियर खतरे में पड़ गया है। मिशिगन के अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (छ्रह) ने छात्रों की ओर से दायर मुकदमे में कहा कि चिन्मय देवरे वेन स्टेट यूनिवर्सिटी से स्नातक कर रहे हैं। वे 2004 में एच 4 आश्रित वीजा लेकर अपने परिवार के साथ अमेरिका आए। उन्होंने और उनके परिवार ने 2008 में अमेरिका छोड़ दिया। मगर 2014 में उनका परिवार वापस आ गया। मिशिगन में हाईस्कूल पूरा करने के बाद चिन्मय ने एच-4 स्थिति के तहत वेन स्टेट यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया। जहां से वह 2021 से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक कर रहे हैं। चिन्मय ने मई 2022 में आवेदन किया और उन्हें एच-4 स्टेटस की उम्र खत्म होने पर एफ-1 छात्र का दर्जा पाने की अनुमति दे दी गई।

अब गाजा के बच्चों पर कुपोषण की मार, तीन हजार से ज्यादा अस्पताल में भर्ती, नहीं मिल पा रहा खाना

नई दिल्ली। पहले से ही इस्राइल के हमले झेल रही गाजा की जनता अब एक नई समस्या से जूझ रही है। दरअसल गाजा में रह रहे लोगों में कुपोषण की समस्या बढ़ रही है। खासकर बच्चे कुपोषण से पीड़ित हैं और मार्च महीने में ही तीन हजार से ज्यादा बच्चे कुपोषण के चलते अस्पतालों में भर्ती हुए हैं। गौरतलब है कि हमास के साथ युद्धविराम समझौता टूटने के बाद इस्राइल ने गाजा में मानवीय मदद रोक दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फरवरी में 2027 बच्चे कुपोषण के चलते अस्पताल में भर्ती हुए थे। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मदद मामलों की एजेंसी (ओसीएचए) ने ये आंकड़े जारी किए हैं।

'हम हिंदुओं से अलग', पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने उगला नफरती जहर, बड़बोलेपन में कुछ ज्यादा ही बोल गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की बुनियाद नफरत के आधार पर रखी गई और आज उसकी स्थिति दुनिया के सामने है। पाकिस्तान बर्बादी के कगार पर है, लेकिन हैरानी है कि उसकी ये नफरती सोच अभी तक नहीं बदली है। अब पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने हिंदुओं के खिलाफ अपनी नफरत जाहिर की है और कहा है कि हम हिंदुओं से अलग हैं। आसिम मुनीर ने टू नेशन थ्योरी को सही ठहराया है। इतना ही नहीं पाकिस्तानी सेना के प्रमुख ने ये भी दावा कर दिया है कि उनकी संस्कृति और विचारधारा बेहतर है। बुधवार को ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर ने कहा कि 'हमारे पूर्वजों का मानना था कि हम हिंदुओं से हर मामले में अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं, हमारी परंपराएं और हमारे विचार भी अलग हैं। हमारी महत्वकांक्षाएं अलग हैं और यही द्वि-राष्ट्र सिद्धांत (टू नेशन थ्योरी) का आधार था। जिसमें माना गया कि हम दो देश हैं, एक नहीं।' आसिम मुनीर ने अपनी छोटी सोच दिखाते हुए विदेशों में रह रहे पाकिस्तानियों से अपील की कि वे अपने बच्चों को भी भारत और हिंदुओं से भेदभाव करना सिखाएं। मुनीर ने कहा कि 'हम एक देश नहीं हैं, हमारे पूर्वजों ने इस देश

को बनाने में काफी संघर्ष किया। हम जानते हैं कि इसकी कैसे रक्षा की जानी है। आपको अपने बच्चों को यह बताना चाहिए कि वे कभी भी पाकिस्तान की कहानी को न भूलें। न भूलें कि पाकिस्तान किस आधार पर बना ताकि उनका पाकिस्तान के साथ नाता कमजोर न हो सके। आसिम मुनीर यहीं नहीं रुके और विदेशों में रह रहे पाकिस्तानियों से कहा कि 'वे इस बात को न भूलें कि वे बेहतर विचारधारा और बेहतर संस्कृति से ताल्लुक रखते हैं।' पाकिस्तान में बढ़ रहे आतंकी हमलों पर मुनीर ने कहा कि'क्या आतंकी हमारे देश से हमारी किस्मत छीन सकते हैं? जब 13 लाख की मजबूत भारतीय सेना, हमारे नहीं डरा सकती तो कुछ आतंकी क्या हमें हरा सकते हैं?' पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने बलूचिस्तान में बढ़ रहे विद्रोह पर कहा कि 'बलूचिस्तान पाकिस्तान का गर्व है और आपको लगता है कि आप इसे आसानी से ले सकते हैं? आपकी दस पीढ़ियां भी इसे नहीं ले पाएंगी। हम जल्द ही आतंकियों को हरा देंगे। 'द्वि राष्ट्र सिद्धांत का मुख्य आधार था कि हिंदू और मुसलमान अलग-अलग संप्रदाय हैं और ये साथ नहीं रह सकते। इसी सिद्धांत के आधार पर मोहम्मद अली जिन्ना ने भारत का बंटवारा कराया। टू नेशन थ्योरी के तहत ही पाकिस्तान ने अपने इतिहास के ठुकराया और बाहर से आए आक्रमणकारियों और आक्रांताओं को अपना हीरो माना। पाकिस्तान ने अपनी किताबों में भी बच्चों को नफरत सिखाई। अब पाकिस्तान खुद अलगाववाद से जूझ रहा है।

काठमांडू में दो करोड़ के अवैध सोने- चांदी के गहने सहित नौ भारतीय गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के काठमांडू से दो करोड़ रुपये से अधिक के सोने और चांदी के गहने सहित नौ भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह राजधानी के विभिन्न स्थानों सोना और चांदी की अवैध बिक्री कर रहे थे। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता अपील बोहरा कहा कि पुलिस कार्रवाई के दौरान छापा मार कर एक किलो 76.518 ग्राम सोना तथा एक किलो 845.429 ग्राम चांदी जब्त की गई है। जब्त किए गए सोने की कीमत एक करोड़ 70 लाख रुपए, जबकि चांदी की कीमत 30 लाख रुपये है। इसके अलावा उनके कब्जे से 8 लाख 27 हजार रुपये नेपाली करेंसी और 91 हजार 700 रुपये भारतीय करेंसी बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 30 वर्षीय नव नाथ बाकू कासिद, संदीप पोपट हजारे 20 वर्ष, अंसार दिलावर सिकलगर 22 वर्ष, सुरेश राजेश मदने 18 वर्ष, अरमान हनीफ इमांडया 21 वर्ष, मनोज सुभाष सकत 22 वर्ष, अमोल कुमार गोस्ले 38 वर्ष, सुनील मितकारी 20 वर्ष और सूरज नंदीवाली 20 वर्ष शामिल हैं।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी भारतीय नागरिक महाराष्ट्र से हैं और वर्तमान में काठमांडू में विभिन्न स्थानों पर रह रहे थे।

टैरिफ की मार से बेहाल कैलीफोर्निया ने ट्रम्प सरकार के खिलाफ किया मुकदमा

एजेंसी

कैलीफोर्निया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ की मार से अन्य देश ही नहीं, बल्कि अमेरिका के राज्य भी काफी परेशान हैं। हालात यह हैं कि कैलीफोर्निया राज्य ने लगाए गए टैरिफ पर रोक के लिए संघीय अदालत में मुकदमा दायर कर दिया है। राज्य का आरोप है कि राष्ट्रपति ने शक्तियों का गलत प्रयोग किया है। इससे उनके राज्य ही नहीं बल्कि पूरे अमेरिका की अर्थ व्यवस्था को काफी नुकसान पहुंच रहा है। बीते दनों डोनाल्ड ट्रम्प ने दस फीसदी से लेकर ऊंची दरों पर टैरिफ लगाए हैं। इस टैरिफ से अमेरिका के कमोवेश सभी राज्य परेशान हैं, लेकिन अभी कैलीफोर्निया खुलकर टैरिफ के विरोध में आ गया है। संघीय अदालत में दायर मुकदमे में कैलीफोर्निया स्टेट ने कहा कि संविधान के मुताबिक टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ कांग्रेस के पास है। राष्ट्रपति के पास इसका कोई अधिकार ही नहीं हैं।राष्ट्रपति ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट की दलील देकर टैरिफ लगाया है, जो कि गलत है। यह कानून राष्ट्रपति को उनके मन

मुताबिक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। गौरतलब है कि कैलिफोर्निया अमेरिका में सबसे अधिक सामान आयात करता है। यहां के 12 बंदरगाहों के जरिए 40 फीसदी आयात होता है। इसलिए टैरिफ लगाने से सबसे अधिक यह राज्य ही प्रभावित हुआ है। इस टैरिफ से राज्य की अर्थ व्यवस्था के साथ ही नौकरियों पर भी असर पड़ सकता है। उधर मामला अदालत तक जाने पर व्हाइट हाउस ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। सरकारी प्रवक्ता कुश देसाई ने कैलीफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजम से कहा कि उनके राज्य में अपराध चरम पर है। महंगाई की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। उन्हें राज्य की समस्याओं पर ध्यान दें, न कि टैरिफ को रोकने के प्रयास करनी चाहिए। उनका यह कदम किसी भी सूरत में उचित नहीं कहा जा सकता।

दक्षिण अफ्रीका में अगवा अमेरिकी पादरी को पुलिस ने गोलीबारी के बाद बचाया

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत में एक प्रार्थना सभा के दौरान अगवा किए गए अमेरिकी पादरी जोशुआ सुलिवन को पुलिस ने सफलतापूर्वक बचा लिया है। अपहरण के बाद हुई गोलीबारी में तीन संदिग्धों की मौत हो गई। टेनेसी से आए मिशनरी सुलिवन को मदरवेल टाउनशिप स्थित फेलोशिप बैपटिस्ट चर्च से चार हथियारबंद लोगों ने अगवा कर लिया था। चर्च में प्रवचन के दौरान हमलावरों ने मण्डली के दो मोबाइल फोन चुराए और फिर सुलिवन को जबरन अपने साथ ले गए। कुछ घंटों बाद उनका वाहन लावारिस हालत में बरामद हुआ। दक्षिण अफ्रीका की विशेष पुलिस इकाई 'हॉक्स' ने संदिग्धों का पता लगाकर क्वामाग्जाकी नामक इलाके में छापेमारी की। पुलिस के अनुसार, संदिग्धों ने एक वाहन में बैठे-बैठे पुलिस पर गोलियां चलाईं, जिसके जवाब में तीव्र मुठभेड़ हुई। सुलिवन को उसी वाहन से सुरक्षित बचा लिया गया, जिसमें हमलावर सवार थे। उन्हें कोई चोट नहीं आई है और चिकित्सकीय जांच में भी उन्हें ठीक बताया गया है। जोशुआ सुलिवन

की मां टोन्या मॉर्टन रिंकर ने फेसबुक पर लिखा, मेरा बच्चा आजाद है। जोशुआ अब घर पर अपनी पत्नी मेगन और बच्चों के साथ है। उन्होंने सुलिवन को बड़े दिल वाले सज्जन व्यक्ति के रूप में वर्णित किया। सुलिवन 2015 में पहली बार अपनी पत्नी के साथ दक्षिण अफ्रीका आए थे और बाद में चर्च-रोपण मिशन के तहत वहीं बस गए। वे स्थानीय भाषा खोसा में भी धाराप्रवाह बोलने में सक्षम हैं। उनके चार जैविक और दो गोद लिए हुए बच्चे हैं। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका में अपहरण की घटनाओं में हाल के वर्षों में वृद्धि देखी गई है। 2024 में 17,000 से अधिक अपहरण के मामले दर्ज हुए। हालांकि, अधिकांश मामलों में कारण फिरौती नहीं, बल्कि वाहन अपहरण और डकैती होते हैं। सुलिवन के अपहरण का उद्देश्य स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को राहत की सांस दी है।

अमेरिका में करोड़ों की धोखाधड़ी मामले में भारतीय मूल का डॉक्टर दोषी करार, 130 साल तक की हो सकती है सजा

एजेंसी

काबुल। अमेरिका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां भारतीय मूल के एक अमेरिकी डॉक्टर नील के आनंद को अमेरिका में स्वास्थ्य सेवा में बड़े स्तर पर धोखाधड़ी करने के मामले में दोषी पाया गया है। 48 वर्षीय आनंद को मरीजों को जरूरत से ज्यादा और अनावश्यक दवाएं देकर करोड़ों रुपये की हेराफेरी के मामले में दोषी पाया गया है। मामले में सुनवाई के दौरान अदालत में डॉ आनंद पर और भी कई सारे गंभीर आरोप लगे, जिनमें स्वास्थ्य सेवा और वायर फ्रॉड की साजिश, स्वास्थ्य सेवा में धोखाधड़ी के 3 मामले, मनी लॉन्ड्रिंग का 1 मामला, अवैध मौद्रिक लेनदेन के 4 मामले प्रतिबंधित दवाओं को बांटने की साजिश जैसे आरोप शामिल है।

130 साल की हो सकती है सजाः बता दें कि दोषी पाए जाने के बाद डॉ. आनंद को इन मामलों में

19 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी। साथ ही उन पर लगे आरोप के चलते उन्हें 130 साल तक की अधिकतम सजा हो सकती है। हालांकि, अंतिम सजा का फैसला संघीय अदालत का न्यायाधीश करेगा, जो अमेरिकी कानूनों और अन्य तथ्यों को ध्यान में रखकर निर्णय लेगा।

कैसे करता था हेराफेरी, समझिएः मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डॉ. आनंद ने अपने क्लिनिक में मरीजों को गुडी बैग्स (दवाइयों से भरे बैग) देने की योजना बनाई थी। ये दवाएं उनके इन-हाउस फार्मेसी से दी जाती थीं। ये दवाएं न तो मरीजों को चाहिए थीं और न ही वो लेना चाहते थे, लेकिन फिर भी उन्हें दवाएं दी गईं ताकि बीमा कंपनियों से पैसा वसूला जा सके। उन्होंने अमेरिका की प्रमुख बीमा योजनाओं जैसे मेडिकेयर, ओपीएम, इंडिपेंडेंस ब्लू क्रॉस और एंथम को फर्जी दावे भेजे। इससे कुल मिलाकर इन कंपनियों से 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19 करोड़ रुपये) वसूले गए।

नशे की दवाई बांटने के भी आरोपः साथ ही मामले में यह भी सामने आया कि आनंद ने ऑक्सीकोडोन जैसी नशे की दवा बिना किसी वैध कारण के मरीजों को दी। इतना ही नहीं, बिना लाइसेंस वाले मेडिकल इंटर्न्स ने आनंद के पहले से साइन किए हुए खाली पर्चों पर दवाइयां लिखीं। इस योजना के तहत आनंद ने सिर्फ 9 मरीजों के लिए ही 20,850 ऑक्सीकोडोन की गोलियां लिख दीं।

चार हजार लोगों के ई-वालेट ऐप हैक कर 01 करोड़ रुपये चुराने वाला 22 वर्षीय युवक गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने एक 22 वर्षीय युवक को 4000 लोगों के ऑनलाइन भुगतान प्लेटफॉर्म से एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक 22 वर्षीय राहुल बूढ़ा है। काठमांडू पुलिस की क्राइम ब्रांच की एक टीम ने कालीमाटी से गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस अधीक्षक अंगुर जी.सी. ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक ने विभिन्न फिशिंग लिंक भेजकर 4,000 लोगों के ऑनलाइन भुगतान कंपनी ई-सेवा के खातों से 01 करोड़ 20 लाख रुपये चुराए हैं। पुलिस का कहना है कि वह एसएमएस के जरिए द अलर्ट और एटी अलर्ट जैसे फिशिंग लिंक भेजता था और लिंक खोलने के बाद उसके ई-सेवा एप को हैक कर पैसे चुरा लेता था। पूछताछ में आरोपित युवक ने बताया कि वह एसएमएस में भेजे गए लिंक के जरिए पैसे उड़ाता था। आरोप है कि व्यक्ति को लिंक खोलने के लिए मजबूर करके ई-सेवा तक पहुंच बनाता और उसमें रहे पैसे ट्रांसफर करने के बाद उसका ऐप ही डिलीट कर देता था। एसपी जिसी ने बताया कि सारे पैसों को वह पशुपति ग्लोबल इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के व्यापारी खातों में जमा करता था।

ईयू ने सात देशों को घोषित किया 'सुरक्षित', शरणार्थियों की वापसी प्रक्रिया होगी तेज़

एजेंसी

ब्रुसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने सात देशों को सुरक्षित देशों की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसका उद्देश्य शरण मांगने की प्रक्रिया को तेज करते हुए अनियमित प्रवासियों की वापसी को सुगम बनाना है। इस सूची में कोसोवो, बांग्लादेश, कोलंबिया, मिस्र, भारत, मोरक्को और ट्यूनिशिया शामिल हैं। यूरोपीय आयोग ने कहा कि इन देशों को सुरक्षित मूल देश मानने से इन देशों के नागरिकों द्वारा यूरोप में किए गए शरण के दावों को तेजी से खारिज किया जा सकेगा क्योंकि यह माना जाएगा कि इन दावों में आमतौर पर ठोस आधार नहीं होता। ईयू के प्रवासन आयुक्त मैग्नस ब्रूनर ने कहा, कई सदस्य देश शरणार्थी आवेदनों के बड़े बैकलॉग से जूझ रहे हैं। इस बाबत तेजी से निर्णय लेने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण है।

हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस प्रस्ताव की आलोचना की है। यूरो-मेड राइट्स नामक समूह ने कहा कि इस सूची में शामिल कई देशों में मानवाधिकार हनन और नागरिकों के लिए सीमित सुरक्षा जैसी गंभीर चिंताएं हैं। उन्होंने कहा, इन देशों को सुरक्षित कहना भ्रामक और खतरनाक है। यूरोपीय आयोग ने यह स्पष्ट किया कि हर शरण आवेदन को व्यक्तिगत रूप से जांचा जाएगा और मौजूदा सुरक्षा उपाय जारी रहेंगे, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी वास्तविक शरणार्थी को अनुचित रूप से खारिज न किया जाए। इस प्रस्ताव को लागू होने से पहले यूरोपीय संसद और सदस्य देशों की मंजूरी मिलनी आवश्यक है। हालांकि, इटली, डेनमार्क और नीदरलैंड्स जैसे देशों के दबाव के चलते इस दिशा में तेजी लाई गई है। इटली के आंतरिक मंत्री माटेओ पियानटेडोसी ने इस कदम को ÷इटली सरकार की एक बड़ी सफलता÷ बताया। बतादें कि यह कदम ऐसे समय में आया है जब ईयू में अनियमित प्रवेश मामलों में 2024 में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन प्रवासन नीति पर राजनीतिक दबाव लगातार बना हुआ है।

राष्ट्रपति ने संसद का बजट सत्र 25 अप्रैल को बुलाया

एजेंसी

काठमांडू । नेपाल सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा संघीय संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाई गई है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सरकार की सिफारिश पर दोनों सदनों के लिए 25 अप्रैल को दोपहर एक बजे बैठक का आह्वान किया है। राष्ट्रपति भवन शीतल निवास के तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति पौडेल ने नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 93, उपधारा (1) के अनुसार, 25 अप्रैल शुक्रवार को दोपहर एक बजे संघीय संसद के दोनों सदनों के सत्र का आह्वान किया है। सुबह ही प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक के बाद राष्ट्रपति को संसद के बजट सत्र बुलाने की सिफारिश करने का फैसला किया गया था। राष्ट्रपति कार्यालय की प्रवक्ता शैलजा रेगमी भट्टराई ने प्रेस वक्तव्य जारी कर इसकी जानकारी

दी है। नेपाल के संविधान में देश का आम बजट 29 मई तक सदन में पेश करने की बात उल्लेख है। उससे पहले सरकार के करीब एक दर्जन से अधिक विधेयक संसद में लंबित है, जिसके आगामी बजट सत्र में पारित होने की संभावना है। सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने कहा कि शिक्षकों से संबंधी विधेयक के अलावा सोशल मीडिया रेगुलेटरी विधेयक, संवैधानिक परिषद विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विधेयक शामिल हैं।

टैरिफ वार से अमेरिका में बढ़ेगी महंगाई, सेंट्रल बैंक के प्रमुख बोले- आगे की राह मुश्किल

एजेंसी

कोलंबो। ट्रंप प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए टैरिफ से वैश्विक व्यापार युद्ध छिड़ गया है और इसका असर विभिन्न उद्योगों पर पड़ा है। अब अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने चेतावनी दी है कि टैरिफ वार के चलते महंगाई बढ़ सकती है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नेपाल में नई सरकार गठन को लेकर प्रचंड के बयान से राजनीति गरमाई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रमुख प्रतिपक्षी दल के नेता पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' के उस बयान के बाद राजनीति गरमा गई है, जिसमें उन्होंने ओली सरकार के जल्द ही गिरने और सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में नई सरकार के गठन का दावा किया था। अब सत्तारूढ़ दल के नेताओं की अपनी ही सरकार की लगातार आलोचना से विश्वास का संकट खड़ा हो गया है। वर्तमान ओली सरकार के खिलाफ जागरण अभियान चला रहे माओवादी पार्टी के अध्यक्ष प्रचंड ने बुधवार की सुबह नवलपरासी जिले से एक बयान दिया था कि देश में नई सरकार के गठन को लेकर उनकी पार्टी और सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के नेताओं से लगातार बातचीत चल रही है। प्रचंड यही नहीं रुके, उन्होंने आगे यह भी कहा कि जल्द ही ओली सरकार का पतन होगा और नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में नई सरकार गठन होने वाला है। प्रचंड के इस बयान के बाद बुधवार की शाम को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने गठबंधन के दो प्रमुख घटक दलों कांग्रेस और एमाले के शीर्ष नेताओं की बैठक बुलाई। इस बैठक से नेपाली कांग्रेस पार्टी के दो बड़े पदाधिकारी नदारद रहे, जिससे गठबंधन में दरार आने की चर्चा को और अधिक बल मिला। कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष और सरकार संचालन के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के संयोजक रहे पूर्ण बहादुर खड़का और पार्टी के महामंत्री गगन थापा के इस बैठक में सहभागी नहीं होने के बाद राजनीतिक गलियारे में हलचल तेज हो गई। बुधवार को देर रात तक चली इस बैठक में शामिल

गृह मंत्री रमेश लेखक ने बैठक के बाद बाहर आकर मीडिया को बताया कि गठबंधन में कोई दरार नहीं है और मिल कर सरकार संचालन करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं की ओर से सरकार की सार्वजनिक आलोचना किए जाने को गठबंधन धर्म के विपरीत बताया। सुबह से ही गठबंधन के दोनों प्रमुख घटक दल की अलग-अलग बैठक हुई। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा ने सुबह ही पार्टी के सभी पदाधिकारियों और सरकार में शामिल मंत्रियों की संयुक्त बैठक कर गठबंधन में कोई भी समस्या नहीं रहने का संकेत दिया है। इस बैठक में सहभागी पार्टी के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा कि पार्टी के सभी नेताओं को हिदायत दी गई है कि कोई भी सरकार की आलोचना न करे। जिसको भी अपनी बात कहनी है वो पार्टी की बैठकों में या गठबंधन की बैठक में रखे। उधर ही प्रधानमंत्री ओली ने पार्टी पदाधिकारियों की बैठक बुलाई, जिसमें गठबंधन में आई समस्या पर विचार किया गया। पार्टी के प्रवक्ता प्रदीप ज्ञवाली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कुछ बड़े नेताओं और पदाधिकारियों की तरफ से सरकार के कामकाज की सार्वजनिक आलोचना के कारण अविश्वास का संकट जैसा दिख रहा है, पर हकीकत में ऐसा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी आपसी मतभेद हैं, उनको बैठक में सुलझा लिया जाएगा।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की पानीपत यात्रा ने लोगों के दिलों में आध्यात्मिक उत्साह को बढाया

पानीपत: सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के सत्संग प्रवचन और आध्यात्मिक दीक्षा कार्यक्रम के लिए 17 अप्रैल, 2025 बृहस्पतिवार को यमुना एन्क्लेव के सामने स्थित सेक्टर 13-17 के हुड्डा ग्राउंड में एक विशाल जनसमूह एकत्रित हुआ। विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने 11 वर्षों के बाद पानीपत शहर में आकर लोगों के दिलों में एक बार फिर आध्यात्मिक प्रेम और उत्साह का संचार कर दिया। परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के सत्संग से पूर्व आदरणीय माता रीटा जी ने गुरु अर्जन देव जी महाराज की वाणी से एक शब्द प्रभु होय कृपाल त इहु मन लाई (जब प्रभु अपनी दयामेहर करते हैं, तब यह मन प्रभु की ओर लगता है) का गायन किया, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अपने सत्संग में एक सच्चे और पूर्ण आध्यात्मिक गुरु की असीम कृपा के बारे में बताया कि जब हम ऐसे महापुरुष के चरण-कमलों में पहुँचते हैं तो हमें अनगिनत आशीर्वाद प्राप्त होते हैं। परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने गुरु अर्जन देव जी महाराज के शब्द की व्याख्या करते हुए इंसान की क्या अवस्था है उस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम सोचते हैं कि हम केवल शरीर और मन है तथा हमें यह शरीर इस दुनिया की जिम्मेदारियों को पूरा करने और इस संसार के भौतिक सुखों का आनंद लेने के लिए ही मिला है। जब हम किसी पूर्ण आध्यात्मिक गुरु के चरण-कमलों में पहुँचकर उनसे दीक्षा प्राप्त करते हैं, तभी यह सच्चाई हमारे सामने आती है कि वास्तव में हम आत्मा हैं, जो प्रभु के प्रेम और प्रकाश से भरी हुई है लेकिन हमारा मन पाँच इन्द्रियों के द्वारा हमारा ध्यान बाहर की दुनिया में ही लगाए रखता है, जिस करके हम इस भौतिक दुनिया के सुखों और दुखों में ही घिरे रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक सच्चा गुरु प्रभु का ही रूप हैं। जिनके ?रिये हम ध्यान-अभ्यास करने का तरीका सीखते हैं और अपने ध्यान को दो भ्रूमध्य आँखों के बीच 'शिवनेत्र' पर एकाग्र करते

हैं। केवल यही वो द्वार है जो प्रभु के प्रेम, प्रकाश और आनंद की अंदरुनी दुनिया की ओर खुलता है। जब हम ध्यान-अभ्यास करते हैं तो हमारी आत्मा के ऊपर से मन-माया और भ्रम की सभी परतें हट जाती हैं। हमारा मन जो हमारे ध्यान को इस बाहर की दुनिया में ले जा रहा था, अब वह अंदर की दुनिया में जाकर प्रभु के प्रकाश का अनुभव करता है। अपने सत्संग प्रवचन के अंत में परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि एक पूर्ण सच्चे की गुरु दयामेहर से ही हम अंतर के दिव्य खजानों का अनुभव करते हैं। एक शिष्य जब अपने गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण करता है तो वो उसे आध्यात्मिक दौलत से मालामाल कर देते हैं। उनकी दयामेहर से ही शिष्य की पाँचों इंद्रियाँ अंतर्मुख होती हैं और तब उसकी आत्मा उच्च आध्यात्मिक मंडलों में उ?ान भरती है, जहाँ वो प्रभु के दिव्य-प्रेम, आनंद और प्रकाश का अनुभव करती है। आखिर में हमारी आत्मा प्रभु में विलीन होकर अपने जीवन के परम उद्देश्य जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना, को पूरा कर लेती है। सत्संग के उपरांत परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने सैंक ?ों की संख्या में लोगों को नामदान (आध्यात्मिक दीक्षा) की अनमोल व दुर्लभ दात से नवा ?ा। कार्यक्रम के दौरान सावन कृपाल रूहानी मिशन की पानीपत शाखा की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कई भाई-बहनों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इसके साथ ही साथ मुफ्त वस्त्र-वितरण शिविर में जरूरतमंद भाई-बहनों को वस्त्र, पुस्तकें और जूते आदि का वितरण किया गया। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को ध्यान-अभ्यास के माध्यम से आंतरिक और बाहरी शांति को ब?ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। वे विश्व-विख्यात ध्यान-अभ्यास के गुरु, ध्यान-अभ्यास पर सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तकों के लेखक हैं, उनको पिछले 35 वर्षों से शांति, प्रेम और मानव एकता का संदेश फैलाने के लिए संपूर्ण विश्वभर में जाना जाता है। सावन कृपाल रूहानी मिशन के आज संपूर्ण विश्वभर में 3200 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं। मिशन का भारतीय मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, शिकागो, अमेरिका में स्थित है।

सोनिया-राहुल के बचाव में कांग्रेस की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। कांग्रेस पार्टी ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बचाव में अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए पार्टी ने गुरुवार को हेराल्ड मामले के विरोध में आंदोलन और प्रदर्शन की रणनीति तैयार करने के लिए एक अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक शनिवार शाम 4 बजे दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी भवन में होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, इसमें पार्टी के सभी महासचिव, प्रदेश प्रभारियों और फ्रंटल संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में होगी। इसमें केंद्र सरकार की ओर से पार्टी के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाए जाने के खिलाफ आंदोलन और देशव्यापी विरोध की योजना पर चर्चा होगी। बता दें कि इससे पहले 10 अप्रैल को, कांग्रेस ने ईडी के आरोपपत्र के खिलाफ देशभर में ईडी के दफ्तरों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के 24, अकबर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर भी प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार पर निशाना साधा। वहीं बात अब मामले में कांग्रेस के आरोपों की करें तो पार्टी ने कहा कि यह कार्रवाई सरकार की घबराहट और नैतिक दिवालियापन को दर्शाती है। पार्टी का कहना है कि भाजपा सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। अब इस बैठक में तय होगा कि कांग्रेस इस मामले में आगे किस तरह से जनता को जोड़ेगी और सरकार के खिलाफ किस स्तर पर आंदोलन करेगी। गौरतलब है कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया और राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कुछ नेताओं पर 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए आपराधिक साजिश रचने का आरोप लगाया है। ईडी ने इस मामले में दायर अपने आरोपपत्र में सोनिया गांधी को आरोपी नंबर एक बनाया है, जबकि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आरोपी नंबर दो बनाया है। इन दोनों के अलावा कांग्रेस नेता सुमन दुबे और सैम पित्रोदा, दो कंपनियों यंग इंडियन और डोटेक्स मर्केंडाइज प्रा. लि. और डोटेक्स से जुड़े सुनील भंडारी को भी आरोपी बनाया गया है, जिसके विरोध में कांग्रेस लगातार प्रदर्शन कर रही है।

NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Mr. Sheela Sharma who is the owner of Plot of Land area measuring 558.75 Sq. Yds., i.e. 467.17 Sq. Mtrs., Out of Khasra No. 1782, situated at Village Sarna Muradnagar, Maroof Mohalla Bhrampuri, Murasnagar, Pargana Jalalbad, Tehsil Modi Nagar, Dist. Ghaziabad U.P. vide Gift Deed dated 14.09.2023 executed by Mr. Vijay Pal Sharma in favour of Mrs. Sheela Sharma in respect of the said property. Initially, Sale Deed dated 07.04.1980 was executed by Mr. Saddik, Mr. Azij & Mr. Habib in favour of Mr. Richhpal Singh in respect of the said property, Document No. 5032, in Book No. 1, Volume No. 2517, pages 152-154, Dated 15.04.1980. later, Mr. Richhpal Singh died on 01.11.2015, leaving behind a Will dated 11.09.1996 was executed by Mr. Richhpal Singh in favour of Mr. Vijay Pal Sharma with respect of the said property. Thereafter, Surviving Member Certificate was issued by Concerned SDM in favour of Legal Hires of Late. Richhpal Singh namely:- Mr. Vijaypal Sharma (Son), Mrs. Sudha, Mrs. Rita, Mrs. Shashi, Mrs. Ruchi, Mrs. Neha & Pari (Daughters). Finally, Gift Deed dated 14.09.2023 was executed in favour of abovementioned client in respect of the said property. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 17/4/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

मुखर्जी नगर अपना पार्क में भारतीय योग संस्थान ने स्थापना दिवस मनाया !

तेजिंदर कौर बब्बर

नई दिल्ली। भारतीय योग संस्थान का 59 वा स्थापना दिवस समारोह अधिकतम संख्या दिवस के रूप में अपना पार्क डॉक्टर मुखर्जी नगर में बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया योग साधना और सेवा के उद्देश्य से यह संस्था देश के 23 प्रांतो के साथ-साथ विदेश में भी ऑस्ट्रेलिया, यूके ,मॉरीशस, फिजी ,यूएसए ,दुबई, चीन ,ताइवान, कनाडा में भी निशुल्क योग क्लास चला रही है , संस्था के महिला विंग ने अपना पार्क डॉ मुखर्जी नगर में आयोजन किया जिसमें सभी वक्ताओं ने करो योग रहो निरोग के स्लोगन द्वारा बताया कि निरोगी जीवन के साथ योग से आयु व कार्य क्षमता बढ़ती है भारतीय योग संस्थान ने भारतीय संस्कृति की देन वासुदेव कुटुमब को अपने आदर्श के रूप में अपनाया है योग संस्थान अपना पार्क की केंद्र प्रमुख सरिता मुरादिया ने बताया की योग और ध्यान से हम अपने तन और मन दोनों को स्वस्थ रख सकते हैं कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलितकरने के बाद सरस्वती वंदना और भजन उठ जाग रे मानव भोर भई गा कर की !

निर्वाचन आयोग ने शुरू कीं बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियां, बीएलए को दिया जा रहा प्रशिक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार विधानसभा के आगामी चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने इसके मद्देनजर बिहार के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) का प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार के मान्यता प्राप्त 10 राजनीतिक दलों से जुड़े लगभग 280 बीएलए हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने बीएलए को संबोधित किया। बीएलए को उनकी नियुक्ति, भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई।बीएलए को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त किया जाता है और वे जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अनुसार त्रुटि-रहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिल्ली में 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों का आयोजन 23 अप्रैल से 3 मई तक

एजेंसी

नई दिल्ली। संस्कृत भारती दिल्ली में 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों का आयोजन 23 अप्रैल से तीन मई तक करने जा रही है। ये सभी शिविर निःशुल्क होंगे और इनका आयोजन विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों तथा सामुदायिक स्थलों जैसे कि आरडब्ल्यूए, आश्रम, धर्मशाला, आर्य समाज मंदिर, सनातन धर्म मंदिर, गुरुकुल आदि में किया जाएगा। इस आयोजन में संस्कृत अकादमी दिल्ली उनका सहयोग करेगी। संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जयप्रकाश गौतम और दिल्ली प्रांत अध्यक्ष डॉ. वागीश भट्ट ने कांस्टीट्यूशन क्लब में संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी साझा की। इस मौके पर दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा, सांसद मनोज तिवारी, संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जयप्रकाश गौतम और दिल्ली प्रांत अध्यक्ष डॉ. वागीश भट्ट ने अपने विचार साझा किए। कपिल मिश्रा ने दिल्ली के सभी नागरिकों से संस्कृत सम्भाषण शिविरों में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह केवल भाषा सीखने का अवसर नहीं है बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने का अद्वितीय अवसर है। भाजपा सासंद मनोज तिवारी ने कहा कि अब तक हमने 'अंग्रेजी सीखो' जैसे अभियान देखे हैं लेकिन यह पहली बार है, जब हम इतने भव्य रूप में 'संस्कृत सीखो' अभियान देख रहे हैं। संस्कृत संस्कृति से जुड़ने का माध्यम है–यह कठिन नहीं, बल्कि प्राचीन होते हुए भी आधुनिक है।

ईडी की ताजा कार्रवाई पर भड़की कांग्रेस, सिंघवी बोले- कोई धनशोधन नहीं हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार पर ईडी की ताजा कार्रवाई को केंद्र की भाजपा सरकार का राजनीतिक प्रतिशोध और गैर कानूनी करार दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं अभिषेक मनु सिंघवी और जयराम रमेश ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि इस मामले में कोई धन शोधन नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के ज्वलंत मुद्दों और समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए भाजपा के इशारे पर इस तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। सिंघवी ने कहा कि एजेएल कारोबार के दौरान वित्तीय संकट में आ गई। नेशनल हेराल्ड जैसे समाचार पत्र को यही कंपनी चलाती है। कांग्रेस ने समय-समय पर नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र और एजेएल को कर्ज देकर इनके ऋणों का भुगतान किया, जो कि करीब 90 करोड़ रुपये थी। ऐसे में सवाल उठा कि एजेएल का पुनर्निर्माण कैसे किया जाए, जिसमें तय हुआ कि इसे ऋण मुक्त कंपनी बनाया जाए। ऐसे में इस कंपनी के 90 करोड़ के कर्ज को यंग इंडिया लिमिटेड नाम की कंपनी को ट्रांसफर किया गया- जो नई कंपनी थी। ये कर्ज कागजी रूप से ट्रांसफर हुआ, यानी जो कर्ज पहले कांग्रेस का था, वो अब यंग इंडिया लिमिटेड का हो गया था। सिंघवी ने कहा कि यंग इंडिया नॉट फॉर प्रॉफिट कंपनी (सेक्शन 8 के तहत) बनाई गई। इसके शेयर होल्डर सोनिया गांधी और राहुल गांधी बने। इसके अलावा शेयर होल्डर और डायरेक्टर सैम पित्रोदा, ऑस्कर फर्नांडिस और मोतीलाल वोरा बने। ऐसे में उस कर्ज को हिस्सेदारी में बदला गया। यानी एजेएल के शेयर यंग इंडिया को इश्यू हो गए, जिससे यंग इंडिया, एजेएल की 90-99त्त शेयर होल्डर बन गई लेकिन इसमें न पैसा ट्रांसफर हुआ, न संपत्ति। इस मामले में बहुत ही अजीब तरह के तर्क दिए जा रहे हैं। इस कंपनी से कितना भी प्रॉफिट बने लेकिन एक भी पैसा आप डिविडेंड दे ही नहीं सकते- सेक्शन-8 के तहत ये सीधे तौर पर प्रतिबंधित है। इसके अलावा इससे कोई सैलरी, कोई भत्ता भी नहीं दिया गया और न ही कोई संपत्ति खरीदी और बेची गई। इन संपत्तियों का मालिक अभी भी एजेएल ही है, सिर्फ उसकी शेयर होल्डिंग अब यंग इंडिया की है और यंग इंडिया में कुछ निदेशक हैं, जिनको कोई डिविडेंड भी नहीं मिलता, तो कौन सी मनी लॉन्ड्रिंग हो गई? नेताद्वय ने सवालिया लहजे में कहा कि इस केस में आरोप यह है कि शेयर होल्डिंग यंग इंडिया को देकर मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। इसके अलावा, पैसा और एजेएल की संपत्तियों को निदेशकों और गांधी परिवार ने हड़प लिया है लेकिन सवाल है कि किस निदेशक ने कुछ खरीदा-बेचा या लिया। अगर पैसा मिला, संपत्ति गई तो मनी ट्रेल कहां है? अपराध की आय कहां है? जब एजेएल की संपत्ति उसी की है। एजेएल की संपत्ति कभी यंग इंडिया को ट्रांसफर नहीं हुई। कानूनन जब तक यंग इंडिया वो संपत्तियां नहीं खरीदता है।

वक्फ एक धार्मिक ट्रस्ट है, सरकारी एकाधिकार के खिलाफ कोर्ट से न्याय की आशा : मौलाना महमूद असद मदनी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के विरुद्ध जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी सहित विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों द्वारा दायर की गई हिंद का प्रतिनिधित्व (याचिका संख्या 317/2025) में प्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने किया, जबकि एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड मंसूर अली खान हैं। वकीलों ने अदालत में वक्फ अधिनियम की कई कमियों को उजागर किया, विशेष रूप से वक्फ के मूल ढांचे में बदलाव, वक्फ के लिए पांच साल तक प्रैक्टिसिंग भारतीय संविधान के मूल प्रावधानों के विरुद्ध हैं। इसके साथ इनके कारण वक्फ की शरई स्थिति प्रभावित हो रही है। अदालत को बताया गया कि वक्फ बाय-यूजर की समाप्ति की वजह से चार लाख संपत्तियां प्रभावित होंगी। इसके अलावा ऐतिहासिक धरोहर के गंभीर परिणाम सामने आएंगे और बड़े परिवर्तन होंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस दौरान ऐसे किसी भी कार्य से बचा जाए जो अपरिवर्तनीय प्रभाव के महत्व के हैं।अदालत के समक्ष यह बात रखी गई कि नए कानून के तहत कलेक्टर को भूमि की जांच के

NAME CHANGE

I, SAGHEER AHMAD S/O ABDUL AHMED residing at 96-A BLOCK -A RANI GARDEN SHASTRI NAGAR SHAHDARA DELHI-110031 have changed my name to SAGIR AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE

I, PRADEEP JAISWAL S/O KESHAW PRASAD JAISWAL R/O TA-69, SECOND FLOOR, F/S, GOPAL DAIRY STREET, SHUKAR BAZAR, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, NEW DELHI-110059, HAVE CHANGED MY NAME TO PRADEEP KUMAR JAISWAL FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE

It is to inform the public at large that my client namely Mrs. Keshav Kumar Shakya S/o. Sh. Kailash Chand Shakya R/o. RZ-82/345, Gali No. 03, Jr. Public School, Shiv Puri, Sagarpur, South West, Delhi-110046 has two different names in his all documents and records i.e., Keshav Kumar Shakya and Keshav Kumar. It is hereby declared that both names belong to the same person and it is also declared that He shall be known as Keshav Kumar Shakya for all future purposes.

RAMVEER SINGH SHAKYA
Advocate
CHAMBER NO. 558, SAKET COURT, NEW DELHI-110017
MOBILE NO. 9899266501,

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the general public that my clients Shri. Balwant Singh S/O SH. Dhanpat Singh, Smt. Anita Yadav W/o Balwant Singh and Mr. Puneet Singh Yadav S/O SH. Balwant Singh all R/o Tehsil- Kosli, Mamtazpura (28-n), Nahar, Rewari, Haryana, 123303 has disowned and disinherited their Son/Brother namely Manjeet Singh Yadav and Daughter-in-law/Sister-in-law namely Tamanna from their all movable & immovable property/assets whatsoever/wherever situated and severe all connections with them and whoever dealing with them shall be doing so I at his own risk and my clients shall not be liable for their acts and deeds."

KETAN SINGH Advocate
Chamber No. 650, Lawyer's chamber block Dwarka Court, Sec-10, Dwarka New Delhi, India
Mobile - 8860223929

NAME CHANGE

I, SAKSHI GAGNEJA/SHAKSHI GAGNEJA W/O RAHUL GROVER R/O G-3100, FIRST FLOOR, ANSAL VERSALIA,SEC-67A, GURGAON, HARYANA -122101 HAVE CHANGED MY NAME TO SAKSHI GROVER FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, USHA DEVI TIWARI Wife of JC-388641L Rank-SUB Name-SANTOSH KUMAR TIWARI Presently residing at VILL- JHAUWA, PO-JHAUWA, TEH+PS-AURAI, DIST-BHADOHI, UTTAR PRADESH-221402, have changed my name from USHA DEVI TIWARI to USHA TIWARI for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 09/09/1979 instead of my correct date of birth as 04/07/1979 vide Affidavit dated 17/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Arun Gupta & Mrs. Jyoti Gupta** are the owner of Residential Plot no. 127, area measuring 135.45 Sq. yds. i.e. 113.26 Sq. Mtr. out of Khasra No. 320, situated at Green City Modinagar, Maukuba Rakba Village Vidyapur Shafiyabad, Pargana Jalalabad, Tehsil Modinagar, District Ghaziabad (U.P.) from Mr. Pankaj Aggarwal & Master Rishabh Aggarwal who are the owner of the said property vide Sale Deed dated 08.10.2021 registered as DOC NO. 14130 and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited** That the Surviving Member Certificate of Late Mrs. Pooja Aggarwal & the Court Order respect of Minor Share of Master Rishabh Aggarwal is not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as MOHAMMAD SALMAN alias SALMAN KHAN S/O MOHAMMAD SALAUDDIN KHAN R/O A-69, NATTHU COLONY, BARAULA, SECTOR-49, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD SALMAN.

NAME CHANGE

I, Dharam Paul S/O Baldev Chand R/O House No-1404, Maruti Vihar, Chakkarpur Gurgaon Haryana-122002 have changed my name to Dharam Pal for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

My clients Shri Satish Kumar son of Sh. Dayal Das and Smt. Resham Mendiratta wife of Shri Satish Kumar, resident of House No. C-11, Dayanand Colony, Lajpat Nagar 4th, Block C, South Delhi, New Delhi 110024 has debarred and disowned their son Sh. Sahil Mendiratta and daughter-in-law Mrs Shilpa Sharma both resident of House No. C-11, Dayanand Colony, Lajpat Nagar 4th, Block-C, South Delhi, New Delhi-110024 from all their movable as well as immovable properties whatsoever present in any state/ city. Their behaviour towards my clients was unkind, cruel, harsh and insensitive due to which the said step has been taken by my clients. The above named son and daughter-in-law were beyond the control and supervision of my clients, so my clients serve all relations with them and disowns them from their inheritance absolutely and for ever heretofore. My clients, thus, is not responsible for any action of his son and daughter-in-law including their liability, loan, action, debts or any kind of borrowings from any other person/company/ trust, etc. If anybody deals with them, they will do so at their own risk, cost and consequences and my clients shall not be responsible and accountable for any act of the above named mentioned persons in any manner whatsoever. We are making this declaration of my own free will and without any influence or coercion.

MUKESH KUMAR ADVOCATE
Chamber No. 821, Dwarka Court Complex, Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075
Mobile No. 9654328008

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, PRABIN KUMAR PRADEEP S/O LAKSHMI LAL R/O Floor No A122/3, 03rd Floor, Executive Floors, Sec-5, Wave City, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201002, declare that name of mine has been wrongly written as PRAVEEN KUMAR PRADEEP in my Service PPO No. 601200000150. The actual name of mine is PRABIN KUMAR PRADEEP respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Ramesh Chand** is the Owner of Shops bearing No.C-1 on Plot No.7 & 8, area measuring 17.10 sq. Mtrs. in the layout plan of Community Centre at Naraina Industrial, New Delhi Scheme through Conveyance Deed dated 21.11.2012 as doc. No. 23900 executed by POI through DDA in favour of Ramesh Chand in respect of Said Plot. The above-said owner has misplaced the **(1) Original** Perpetual Lease Deed executed by POI through DDA in favour of M/s Quality Tyres (Brother), Sh. Gurmeet Singh and Sh. Jatinder Pal Singh in respect of said property. **(Registration particular details are pending)**
(2) Original Lease Cum Conveyance Deed 30.10.2003 as doc. no. 6095 executed by DDA in favour of M/s Quality Tyres in respect of said property. Application No.- 2761097/2025, registered at P.S. Crime Branch, Delhi on 17.04.2025. Anyone who finds the above-mentioned documents, Kindly handover the same to the Manager of **HDFC Bank Ltd., Plot No. 31, Najafgarh Road, Moti Nagar, Delhi.**
Ramesh Chand is in the process of mortgaging the said plot with **HDFC Bank Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE

I, No-16014723H Rank-HAV Name-VIKRAM SINGH Residing at VILL-RAIPUR, POST- SARSAWA, TEH-NAKUD, DISTT- SAHARANPUR, UTTAR PRADESH-247232, have changed my mother's name from RAJESH DEVI to RAJESH for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15152595Y Rank-HAV Name-BIKRAM SINGH Father of DEEPIKA KATAL Presently residing at VILL/POST-BHOPAR SAIDAN, TEH/DIST-GURDASPUR, STATE-PUNJAB-143520, have changed my minor daughter's name from DEEPIKA KATAL to DEEPIKA THAKUR for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SITA DEVI Mother of JC-780972L, Rank-NB SUB, Name-SATISH KUMAR UPADHYAY Presently residing at VPO-BAISADIH, TEH-PIRO, DIST-BHOJPUR, BIHAR-802207, have changed my name from SITA DEVI to SEETA DEVI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 17/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SURESH KUMAR VALLECHA S/O UDHALAL VALLECHA R/O HOUSE NO-4063, FIRST FLOOR, ANSAL VERSALIA ,SEC-67A, GURGAON, HARYANA - 122101 HAVE CHANGED MY NAME TO SURESH KUMAR VALECHA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed through this notice that undersigned is the absolute owner of 22 Square yards area out of total area of 2522 sq. yards of industrial plot situated at B-18, Mayapuri Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110064. The remaining area of the plot is owned by M/s Indo Kenyan Industrial Enterprises having one of its partner amongst others namely Mr. Jaspal Singh S/o S. Pritam Singh R/o F-19, East of Kailash, New Delhi and who has given the same on lease to two tenants who are running their businesses under the name and style of Golden Gate Banquet Hall and Triumph Hyundai Service Center respectively at the said plot. It came to the knowledge of undersigned that M/s Indo Kenyan Industrial Enterprises is in the process of dividing the aforesaid plot into smaller plots for the purpose of selling the same to the prospective buyers. General Public is hereby cautioned that any sale or purchase of the proposed smaller plots requires prior approval from competent authorities viz DDA/MCD and sanction of building plans. Consent from the undersigned is also required without which any sale or purchase is improper. Anybody entering into sale or purchase of any portion of the aforesaid property shall do so carefully and with due diligence to avoid any future litigation and expenses.

For Duggal Properties
Gurmeet Singh Duggal
B-2/125, Janakpuri, New Delhi-110058
Mobile No. 9711166687

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Mr. Rahimuddin** is the GPA Holder of Built-Up Property Land area measuring 50 Sq. Yds, out of Khasra no. 1342/2, situated at Ram Park Colony, in the Abadi of Village Loni, Pargana Loni, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P. He is in possession through Notarized GPA, ATS & WILL dated 01.07.2008 executed by Mrs. Haashmi Bano in favour of Mr. Rahimuddin in respect of said Property.
Mr. Rahimuddin intends to transfer the ownership of above-mentioned floor by way of Sale Deed to **Mohd Aabid and Alisha Parveen.** Subsequently, **Mohd Aabid and Alisha Parveen** are in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed through this notice that undersigned is the absolute owner of 22 Square yards area out of total area of 2522 sq. yards of industrial plot situated at B-18, Mayapuri Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110064. The remaining area of the plot is owned by M/s Indo Kenyan Industrial Enterprises having one of its partner amongst others namely Mr. Jaspal Singh S/o S. Pritam Singh R/o F-19, East of Kailash, New Delhi and who has given the same on lease to two tenants who are running their businesses under the name and style of Golden Gate Banquet Hall and Triumph Hyundai Service Center respectively at the said plot. It came to the knowledge of undersigned that M/s Indo Kenyan Industrial Enterprises is in the process of dividing the aforesaid plot into smaller plots for the purpose of selling the same to the prospective buyers. General Public is hereby cautioned that any sale or purchase of the proposed smaller plots requires prior approval from competent authorities viz DDA/MCD and sanction of building plans. Consent from the undersigned is also required without which any sale or purchase is improper. Anybody entering into sale or purchase of any portion of the aforesaid property shall do so carefully and with due diligence to avoid any future litigation and expenses.

For Duggal Properties
Gurmeet Singh Duggal
B-2/125, Janakpuri, New Delhi-110058
Mobile No. 9711166687

NAME CHANGE

I, HAMZA S/O ABDUL GAFFAR residing at H NO- 1/236, SHRI RAM NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110032 have changed my name to HAMZA GAFFAR for all future purpose.

लिंग जांच ओर भ्रूण हत्या सबसे बड़ा पापः सुनीता

नांगल चौधरी। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में आज नांगल चौधरी में महिलाओं ने प्रभात फेरी निकाल ग्रामीणों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। नांगल चौधरी में निकाली गई प्रभात फेरी में आंगनवाड़ी वर्कर, हेल्पर, महिला जनप्रतिनिधि के अलावा अन्य जागरूक महिलाएं भी शामिल हुई। प्रभात फैरी का संचालन विभाग की सुपरवाइजर सुनीता यादव ने किया। यादव ने कहा कि लिंग जांच व भ्रूण हत्या सबसे बड़ा अपराध है। ऐसा करने वाले लोगों के खिलाफ सरकार की तरफ से कार्यवाही की जाती है। इस अवसर पर आंगनबाड़ी वर्कर मुकेश कुमारी, सुशीला, सीमा, कमलेश, शारदा, लाजवंती, मधुबाला, गुलाब देवी, पारूल, कमलेश व सुंदर शर्मा आदि मौजूद थे।

सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। जिला एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) केंद्र की ओर से आज बाबा खेतानाथ राजकीय पॉलिटेक्निक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के बारे में जागरूक करने के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा पीएमएफएमई योजना के तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता, ऋण प्रक्रिया, तकनीकी मार्गदर्शन, ब्रांडिंग एवं विपणन सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही योजना के तहत व्यक्तिगत एवं समूह आधारित लाभार्थियों को मिलने वाले अवसरों को भी विस्तार पूर्वक समझाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, युवाओं, उद्यमियों एवं स्थानीय नागरिकों को भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं के बारे में जानकारी देना है। इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने स्वयं के उद्यम स्थापित कर सकें ताकि आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति मिल सके। बीकेएन राजकीय पॉलिटेक्निक के प्राचार्य अनिल यादव ने उपस्थित युवाओं को इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षण स्टाफ, स्थानीय उद्यमी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला एमएसएमई केंद्र से उद्योग विस्तार अधिकारी राहुल यादव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा उन्हें स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करना है।

शहर के चौक-चौराहों और मुख्य सडकों का होगा सौंदर्यकरण, स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने को लेकर नगर निगम हुआ सक्रिय

गुरुग्राम। गुरुग्राम को और अधिक स्वच्छ व सुंदर बनाने की दिशा में नगर निगम ने कदम तेज कर दिए हैं। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त महावीर प्रसाद ने नगर निगम और जीएमडीए के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और मुख्य सडकों की साफ-सफाई और सौंदर्यकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अतिरिक्त निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीन बेल्ट और डिवाइडर पर हरियाली को बढ़ाया जाए, ताकि शहर की सुंदर हो और पर्यावरण को भी लाभ पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न स्थानों पर पड़े बागवानी से संबंधित कचरे और अन्य प्रकार के मलबे को शीघ्रता से उठाकर वहां स्वच्छता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नियमित सफाई तक सीमित न रहे, बल्कि शहर के सौंदर्य और नागरिकों की जीवन गुणवत्ता को भी प्रभावित करे। इसके लिए सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने आशा जताई कि नगर निगम और जीएमडीए की संयुक्त कार्रवाई से आने वाले दिनों में गुरुग्राम की सडकों और सार्वजनिक स्थलों की स्थिति और भी बेहतर होगी।

सैक्टर-44 इंस्टीट्यूशनल एरिया को वन-वे करने के लिए शनिवार से की जाएगी ट्राईल

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात विरेंद्र विज के निर्देशन में कार्य करते हुए सहायक पुलिस आयुक्त यातायात पूर्व सुरेन्द्र कौर की देखरेख में सेक्टर-44 इंस्टीट्यूशनल एरिया को वन वे करने के लिए सेक्टर-44 ऑनर्स एसोसिएशन ने आग्रह किया। इस एरिया में प्रतिदिन हजारों की संख्या में वाहनों का आवागमन होता है।जिस पर यातायात निरीक्षक अशोक कुमार ने क्रस्ह केशिका दीवानी, शिव कुमार बाली, गिरीश गुप्ता, शिवा और रिटायर्ड ब्रिगेडियर दीपक कपूर, ऑनर्स एसोसिएशन सेक्टर-44 के सदस्यो के साथ मीटिंग करके सभी की सहमति से मीटिंग में निर्णय लिया कि लोगों की सुविधा को मध्यनजर रखते हुए सेक्टर-44 इंस्टीट्यूशनल एरिया वाले रास्ते को वन-वे किया जाना चाहिए। इससे वाहनों का आवागमन सुगमता और सफलतापूर्वक सुचारू रूप से कराया जा सके। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा क्रस्ह टीम और एसोसिएशन मेंबरों की सहायता से इस एरिया का वन वे रूट प्लान तैयार किया जा चुका है। जिसका ट्रायल शनिवार से शुरू किया जाएगा। आमजन की सुविधा और जानकारी के लिए सैक्टर-44 इंस्टीट्यूशनल एरिया में वन-वे शुरू करने के सम्बन्ध में बैरिगेटिंग और दिशा सूचक बोर्ड आदि लगाए जा रहे हैं। इस एरिया में कंपनी कर्मचारियों, एसोसिएशन सैक्टर-44 लोगों/मेंबरों को पहले ही वन-वे के बारे में सूचित किया जा चुका है। उपरोक्त वन-वे एरिया में टूटी सडक़ों की मरम्मत और अवरोधों को हटाने के लिए त्ररूष्ठ से पत्राचार किया गया है।

वैश्विक स्तर पर सौहार्द के लिए ज्ञान और अनुभव को साझा करना जरूरी : हरविन्द्र कल्याण

वैश्विक स्तर पर सौहार्द के लिए ज्ञान और अनुभव को साझा करना जरूरी : हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। लोक सभा के बाद हरियाणा विधान सभा में 13 देशों के 27 सदस्यीय शिष्टमंडल का विधान प्रारूपण में 36वां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण और मुख्यमंत्री नायब सिंह के साथ बैठक से हुई। इस अवसर पर विधायी प्रारूपण में परस्पर ज्ञान और तकनीकों के साझा करने पर जोर दिया गया।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि विधायी कामकाज से जुड़े लोगों के लिए एक दूसरे से ज्ञान और अनुभव को साझा करने से वैश्विक स्तर पर सौहार्द बढ़ेगा और आपसी समन्वय से कानून का शासन सशक्त होगा। विश्व के सर्वांगीण विकास के लिए यह बेहद जरूरी है। इस अवसर पर कार्यक्रम निदेशक डॉ. के.एन. चतुर्वेदी और ग्रुप लीडर श्री अलेजेन्ड्रो निकोलस ने मुख्यमंत्री और विस अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किया। मुख्यमंत्री और विस अध्यक्ष को विदेशी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न भी भेंट किए।

विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विश्वास जताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों की दक्षता को बढ़ाएगा। इस दौरान उन्होंने हरियाणा विधान सभा में की जा रही

सकारात्मक पहलों का भी जिक्र किया। संसदीय प्रणाली में सुधार के लिए यहां अनेक प्रयोग किए जा रहे हैं। विधायकों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। युवा संसदों का आयोजन, सर्वदलीय बैठकें, शून्य काल में सुधार, विधायकों को सार्वजनिक महत्व के मामलों को उठाने के लिए प्रोत्साहित करना और सदन में व्यवस्था बनाए रखना प्रमुख है। इस कार्यक्रम के साथ भी चार युवाओं को जोड़ा गया है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इसमें शामिल सभी सदस्य कार्यपालिका तथा विधायिका के विधिक क्षेत्रों से महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ये प्रतिनिधि विधायी संस्थानों के प्रतिदिन के कामकाज में विधि-नियमों को बनाए रखने में प्रत्यक्ष रूप से सहयोग करते हैं। यह सुशासन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हरियाणा विधान सभा में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए विस अध्यक्ष ने कहा कि यह अद्वितीय 'विधान भवन' कार्यपालिका तथा न्यायपालिका के भवनों के मध्य स्थित है।

विश्व धरोहर के रूप से विख्यात यह भवन अपने आप में अनूठा पर्यटन परिसर भी है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिनिधिमंडल को हरियाणा की अनूठी धरोहर से परिचित करवाने के लिए पवित्र ऐतिहासिक शहर कुरुक्षेत्र और कौरवों व पाण्डवों के गुरु द्रोणाचार्य द्वारा बसाए गए गुरुग्राम के दर्शन भी करवाए जाएंगे। ये दोनों शहर भारत की शानदार संस्कृति, दर्शन, धार्मिकता और विकास की अनुभूति करवाते हैं। मुख्यमंत्री ने इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर देते हुए इसकी सराहना की। इससे पूर्व केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग के पूर्व सचिव एवं इस कार्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक डॉ. के.एन. चतुर्वेदी और ग्रुप लीडर अलेजेन्ड्रो निकोलस ने भी संबोधित किया।

ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले का अध्ययन करने के बाद ही राहुल गांधी व सोनिया गांधी को चार्जशीट किया : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा राहुल गांधी और सोनिया गांधी को चार्जशीट करने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईडी ने सारा मामला स्टडी करके इन्हें अपनी बात रखने का सारा मौका दिया है। अब जो अनियमितताएं है जोकि सारा देश भी जनता है। ईडी ने आगे की कार्रवाई के लिए चार्जशीट दाखिल की है। श्री विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वक्फ बोर्ड बिल संशोधन को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में दंगे हुए हैं जिस पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि जिस प्रकार से पश्चिम बंगाल में दंगे हो रहे हैं हिंदुस्तान में ही हिंदुओ को पलायन करना पड़ रहा है। इससे लगता है बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी के अंदर बंग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद यूनिस की आत्मा आ गई है। ये किसी बड़े तांत्रिक को बैठा कर निकालनी पड़ेगी।

फैजाबाद-सिहमा से कनीना रोड के जीर्णोद्धार को मिली मंजूरी : आरती सिंह राव

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री एवं अटेली क्षेत्र की विधायक आरती सिंह राव ने आज अटेली में क्षेत्रवासियों को एक महत्वपूर्ण सौगात देते हुए कहा कि फैजाबाद-सिहमा से कनीना होते हुए मोहनपुर तक के सडक़ मार्ग के जीर्णोद्धार को राज्य सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। यह मार्ग कुल 29.70 किलोमीटर लंबा होगा और इसके निर्माण पर 2113.94 लाख रुपये की लागत आएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि इस सडक़ की हालत पिछले कई वर्षों से अत्यंत खराब थी, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी और आमजन को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। क्षेत्र के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों द्वारा लंबे समय से इस सडक़ के सुधार की मांग की जा रही थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए मंजूरी प्रदान की है।

मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे भजन पर झूमे श्रद्धालु

एजेंसी

नारनौल। श्री राम हनुमान गुणगान प्रचार मंडल एवं श्री राम मेहंदीपुर बालाजी सेवा संघ द्वारा मंगलवार रात महेंद्रगढ़ रोड स्थित शिव कालोनी में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान आचार्य क्रांति निर्मल ने की। सर्वप्रथम पंडित अजय शर्मा व पंडित जितेंद्र शर्मा ने यजमान अर्जुन सोनी को परिवार सहित पूजन करवा बाबा की ज्योति प्रज्वलित करवाई गई। इसके बाद हनुमान चालीसा व राम धुन के साथ सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया गया। जिसमें आचार्य क्रांति निर्मल, पंडित महेश शर्मा, दीपक शर्मा, अजय शर्मा, विजय जैन, दिनेश बारी, नरेश मित्तल व ललित सैनी आदि ने सुंदरकांड पाठ के दौहे चौपाइयों का अपने मधुर स्वर से गायन किया। पाठ समापन के बाद भजनों का दौर शुरू हुआ जिसमें गायक अजय शर्मा ने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएगें राम आएंगे व आचार्य क्रांति निर्मल ने धमाल सुनाकर सभी को झूमने पर विवश कर दिया। इसके बाद यजमान परिवार को भगवान राम का चित्र भेंट कर मंडल द्वारा सम्मानित किया गया। अंत में आरती के पश्चात सभी को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर काफी संख्या में भक्तों मौजूद थे।

सीएम के निर्देश पर सडक़ों को गड्ढा मुक्त करने की दिशा में उठाए जाएंगे ठोस कदम

15 जून तक जिला महेंद्रगढ़ की सभी सडक़ों को गड्ढा मुक्त किया जाएगाः उपायुक्त

एजेंसी

नारनौल। आगामी 15 जून तक जिला महेंद्रगढ़ की सभी सडक़ों को गड्ढा मुक्त करने की दिशा में अधिकारी कमर कस लें। मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार कोई भी सडक़ टूटी हुई नहीं होनी चाहिए। यह निर्देश उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में सडक़ों की मरम्मत के संबंध में बुलाई अधिकारियों की बैठक में दिए। डीसी ने बताया कि राज्य सरकार के सख्त निर्देश है कि सभी सडक़ों की पूरी डिटेल सरकार को भेजी जाए। अगर किसी सडक़ पर अभी भी ठेकेदार की लायबिलिटी है तो ठेकेदार को 15 दिन में यह सडक़े ठीक करने के नोटिस जारी किए जाएं। इसके अलावा जो भी सडक़े हैं वे संबंधित विभागों के अधिकारी 15 जून तक ठीक कराना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार उन्होंने नगर परिषद तथा नगर पालिकाओं में भी सभी सडक़ों तथा गलियों की मरम्मत का कार्य भी आगामी 15 जून तक करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में बीएंडआर विभाग की लगभग 1100 किलोमीटर सडक़े हैं। इसी प्रकार नगर परिषद नारनौल में 750 किलोमीटर में सडक़े तथा गलियां है। शेष सडक़े विभिन्न विभागों की है। इन सभी सडक़ों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए निश्चित अवधि में मरम्मत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी जो भी आंकड़े प्रस्तुत करें वे स्पष्ट रूप से होने चाहिए।उन्होंने बताया कि पिछले दिनों इस संबंध में मुख्यमंत्री ने भी अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की थी। राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित की गई समय अवधि में ही सभी सडक़ों की मरम्मत की जाए। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारियों को मुख्यालय स्तर पर किसी प्रकार की परेशानी है तो वह उनसे संपर्क करें। अगर निश्चित अवधि में यह कार्य पूरा नहीं हो पता है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इस बैठक में बीएंडआर के एक्सईएन अश्वनी कुमार, नगर निकाय के एक्सईएन सुंदर श्योराण के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जन समस्याओं के समाधान को लेकर सरकार गंभीर : कृषि मंत्री

एजेंसी

झज्जर। प्रदेश सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य, पालन विभाग मंत्री श्री श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक स्थानीय संवाद भवन के सभागार में आयोजित हुई। बैठक के एजेंडे के तहत 15 शिकायतों पर सुनवाई की गई। जिनमें से 6 का समाधान किया गया और 9 शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को अगली मीटिंग में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने सूचीबद्ध सभी 15 परिवाद में दोनों पक्षों को बड़ी गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ सुना। मीटिंग में परिवादियों की संतुष्टि के साथ 6 परिवादियों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि बाकी परिवादों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। परिवेदना समिति की बैठक में निर्धारित एजेंडों के अलावा भी अन्य नागरिक अपनी शिकायत लेकर पहुंचे थे, जिनकी शिकायतों पर मंत्री द्वारा पूरी गंभीरता व संवेदनशीलता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को त्वरित समाधान करते हुए नागरिकों को राहत देने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवेदना समिति की बैठक की सुनवाई उपरांत कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि सरकार नागरिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर बेहद गंभीर है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं जन समाधान व्यवस्था की निगरानी रख रहे हैं। हमारी सरकार अंत्योदय उत्थान की भावना के साथ समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सूचीबद्ध शिकायतों के अलावा नागरिकों द्वारा जो शिकायतें: दी गई हैं उनके त्वरित समाधान करने के जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं।

अतिरिक्त निगमायुक्त महावीर प्रसाद ने की बीडब्ल्यूजी मॉनिटरिंग सेल के साथ समीक्षा बैठक

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त महावीर प्रसाद ने अपने कार्यालय में बीडब्ल्यूजी मॉनिटरिंग सेल के सदस्यों के साथ एक अहम समीक्षा बैठक की। बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए। अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि जोन स्तर पर हर माह कम से कम 100 ऐसे बीडब्ल्यूजी के विरूद्ध चालान की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जो नियमों की पालना नहीं कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कचरे के ऑन साइट निष्पादन को बढ़ावा देने के लिए एंपैनल एजेंसियां कार्य करें। यदि कचरा प्रबंधन से जुड़ी एजेंसियों का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया, तो उन पर भी जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही जुर्माना राशि की अदायगी नहीं करने वाले बीडब्ल्यूजी या एजेंसियों के विरूद्ध संबंधित नियमों के तहत एफआईआर दर्ज कराकर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिशन बुनियाद की लेवल-3 की परीक्षा व ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा सरकार और विकल्प फाउंडेशन सरकारी स्कूलों के बच्चों को दे रहे बड़ा प्लेटफार्म : उपायुक्त

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि हरियाणा सरकार और विकल्प फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा मिशन बुनियाद कार्यक्रम सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को प्रतिस्पर्धा के इस युग में एक बड़ा प्लेटफार्म उपलब्ध करवा रहा है। इस प्लेटफार्म के माध्यम से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे हर साल आईआईटी व नीट जैसी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। डीसी आज मिशन बुनियाद की लेवल-3 की परीक्षा व ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।डीसी ने कहा कि सरकार के प्रयास से अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। उन्होंने लेवल 3 परीक्षा देने के लिए बच्चों के साथ आए माता-पिता से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को बेहतरीन माहौल दें ताकि वे देश सेवा में अपना योगदान दे सकें।

उन्होंने कहा कि मिशन बुनियाद कार्यक्रम इन बच्चों को प्रतिस्पर्धा के इस युग में आगे बढने का मौका दे रहा है। उपायुक्त ने कहा कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती। यह स्टैंप बाई स्टेप प्रक्रिया है । बच्चों द्वारा मेहनत के साथ उठाया गया हर कदम सफलता की ओर लेकर जाता है।

उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे एक परीक्षा में मिली असफलता से निराश ना हों बल्कि असफलता को अपनी ताकत बनाकर आगे बढ़ें। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा मिशन बुनियाद कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि मिशन बुनियाद लेवल-3 की परीक्षा एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ जिले के 227 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। ये सभी विद्यार्थी इस समय 9 वीं कक्षा में जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला में चार बुनियाद केंद्र है। इनमें राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय नारनौल, राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय महेंद्रगढ़, राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय अटेली एवं राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय कनीना शामिल है।

सीएम के निर्देश पर सडक़ों को गड्ढा मुक्त करने की दिशा में उठाए जाएंगे ठोस कदम

एजेंसी

नारनौल। आगामी 15 जून तक जिला महेंद्रगढ़ की सभी सडक़ों को गड्ढा मुक्त करने की दिशा में अधिकारी कमर कस लें। मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार कोई भी सडक़ टूटी हुई नहीं होनी चाहिए। यह निर्देश उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में सडक़ों की मरम्मत के संबंध में बुलाई अधिकारियों की बैठक में दिए। डीसी ने बताया कि राज्य सरकार के सख्त निर्देश है कि सभी सडक़ों की पूरी डिटेल सरकार को भेजी जाए। अगर किसी सडक़ पर अभी भी ठेकेदार की लायबिलिटी है तो ठेकेदार को 15 दिन में यह सडक़े ठीक करने के नोटिस जारी किए जाएं। इसके अलावा जो भी सडक़े हैं वे संबंधित विभागों के अधिकारी 15 जून तक ठीक कराना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार उन्होंने नगर परिषद तथा नगर पालिकाओं में भी सभी सडक़ों तथा गलियों की मरम्मत का कार्य भी आगामी 15 जून तक करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में बीएंडआर विभाग की लगभग 1100 किलोमीटर सडक़े हैं। इसी प्रकार नगर परिषद नारनौल में 750 किलोमीटर में सडक़े तथा गलियां है। शेष सडक़े विभिन्न विभागों की है। इन सभी सडक़ों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए निश्चित अवधि में मरम्मत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी जो भी आंकड़े प्रस्तुत करें वे स्पष्ट रूप से होने चाहिए।उन्होंने बताया कि पिछले दिनों इस संबंध में मुख्यमंत्री ने भी अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की थी। राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित की गई समय अवधि में ही सभी सडक़ों की मरम्मत की जाए। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारियों को मुख्यालय स्तर पर किसी प्रकार की परेशानी है तो वह उनसे संपर्क करें। अगर निश्चित अवधि में यह कार्य पूरा नहीं हो पता है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

बाइक में पटाखा प्रयोग करने वाले बाइक राइडर्स पर पुलिस की सख्ती

गुरुग्राम। बाइक में पटाखा प्रयोग करके साईलेंसर-नॉन-फंक्शनल के यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले राईडर्स पर अंकुश लगाने व यातायात नियमों की पालना कराने के उद्देश्य से गुरुग्राम पुलिस द्वारा एक मार्च 31 मार्च तक बाईक में पटाखा प्रयोग करने वाले 80 राइडर्स के चालान किए गए, जिनकी कुल जुर्माना राशि 8 लाख रुपए हैं। गुरुग्राम पुलिस आमजन को आश्वस्त करती है कि बाईक्स/वाहनों में पटाखा/प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करना यातायात नियमों की अवहेलना है। कोई भी वाहन चालक अपने वाहन में पटाखा/प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करता है तो निश्चित ही गुरुग्राम पुलिस द्वारा उस वाहन चालक के खिलाफ कार्यवाही को जाएगी। गुरुग्राम पुलिस विभिन्न माध्यमों से लोगों को यातायात के नियमों की पालना करने के लिए जागरूक/प्रेरित करती है, ताकि यातायात का संचालन व्यवस्थित, सुचारू रहे साथ ही सडक़ हादसों पर अंकुश लग सके और सभी का सफर/यात्रा सुगम व मंगलमय हो।

डीएलआरएसी बैठक में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर फोकस

एजेंसी

गुरुग्राम। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने डीएलआरएसी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका लाभ युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के रूप में ज़मीन पर दिखे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैंक, ट्रेनिंग संस्थान और समर्थन एजेंसियां आपसी समन्वय से काम करें ताकि ज़्यादा से ज़्यादा युवाओं को फायदा मिल सके। इसके अलावा, एडीसी हितेश कुमार मीणा ने 41वीं एक्टिविटी रिपोर्ट बुकलेट का लोकार्पण भी किया। एडीसी ने निर्देश दिया कि प्रशिक्षुओं को बाजार से जोडऩे के लिए सक्रिय कदम उठाए। साथ ही उन्होंने कहा कि गुरुग्राम एवं आसपास के क्षेत्रों में रिटेल स्टोर्स एवं मार्केटप्लेस की पहचान करें। थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं एवं प्रशिक्षुओं के उत्पादों में रुचि रखने वाले संगठनों से साझेदारी करें। प्रशिक्षुओं को पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं मूल्य निर्धारण की रणनीतियों में सतत सहयोग प्रदान करें ताकि उनकी बाजार में प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़े। बैठक में बैंक शाखाओं द्वारा उम्मीदवारों को प्रायोजित करने, प्रशिक्षुओं को ऋण देने हेतु क्रेडिट लिंकिंग, बैंकों द्वारा लंबित ऋण प्रस्तावों की समीक्षा, तथा विभिन्न कार्यक्रमों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा बीपीएल दावे से संबंधित लंबित मामलों व समर्थन एजेंसियों जैसे एचएसआरएलएम के साथ संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई। अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक की अर्धवार्षिक बीपीएल दावा स्वीकृति को भी अनुमोदित किया गया। इस अवसर पर क्रष्ठस्श्वञ्ज के निदेशक निर्मल यादव ने बताया कि संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 37 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी वर्ष 750 अभ्यर्थियों को स्वयं का उद्यम प्रारंभ करने या नौकरी पाने में सक्षम बनाया। संस्थान द्वारा चलाए गए स्किल अपग्रेडेशन कार्यक्रम के माध्यम से पहले से उद्यम चला रहे पूर्व प्रशिक्षुओं की क्षमताओं को और निखारा गया।

जीईएम के जरिए 2024-25 में 1.3 करोड़ से अधिक लोगों को मिला बीमा कवरेज

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने 1.3 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को स्वास्थ्य, जीवन और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसियों को कवर करने वाली बीमा सुविधा प्रदान की है। इस दौरान जीईएम के जरिए 10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार की सुविधा भी प्रदान की गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक खरीद के लिए भारत के सबसे बड़े एवं प्रमुख सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस दौरान जीईएम के जरिए 10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ 1.3 करोड़ से ज्यादा व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य, जीवन और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवरेज सुनिश्चित किया गया, जो सामाजिक सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। मंत्रालय के मुताबिक जनवरी, 2022 में आरंभ की गई बीमा सेवाओं की श्रेणी का उद्देश्य सरकारी खरीद प्रणाली में बीमा सेवाओं को अधिक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और लागत-कुशल बनाना रहा है। जीईएम पर केवल भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा अनुमोदित सेवा प्रदाताओं को सूचीबद्ध किया जाता है। इसके जरिए सरकारी संस्थान अब ग्रुप मेडिक्लेम, टर्म इंश्योरेंस और पर्सनल एक्सीडेंट कवरेज जैसी बीमा सेवाओं को सीधे और सरल प्रक्रियाओं के जरिए प्राप्त कर सकते हैं।

सस्टेनेबल हॉस्पिटैलिटी हैंडबुक लॉन्च

नई दिल्ली। होटलों को ऊर्जा, जल, कचरा प्रबंधन और समुदाय पर प्रभाव जैसे क्षेत्रों में पर्यावरण के अनुकूल कार्यप्रणाली अपनाने के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करने वाली सस्टेनेबल हॉस्पिटैलिटी हैंडबुक लॉन्च की गई है, जो वैश्विक रूप से मान्य पद्धतियों और भारतीय उदाहरणों पर आधारित है, जिसका उद्देश्य हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में टिकाऊ उपाय अपनाने को सरल और प्रभावी बनाना है। मेकमायट्रिप फाउंडेशन और डब्ल्यूटीटीसीआईआई द्वारा यहां आयोजित इंडिया ट्रैवल एंड टूरिज्म सस्टेनेबिलिटी सम्मेलन में यह बुक लॉन्च की गयी। इस कार्यक्रम में सरकार, उद्योग और सामाजिक क्षेत्र से 30 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान हॉस्पिटैलिटी, एविएशन, मोबिलिटी, क्लाइमेट एक्शन और रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म जैसे पाँच प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की गई। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) ने मेकमायट्रिप के सहयोग से सस्टेनेबल हॉस्पिटैलिटी हैंडबुक विकसित किया है। सम्मेलन के निष्कर्षों के आधार पर, मेकमायट्रिप फाउंडेशन और डब्ल्यूटीटीसीआईआई अब भारत में सस्टेनेबल ट्रैवल और टूरिज़्म पर एक रिपोर्ट तैयार करने की दिशा में कार्य करेंगे। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी), इंडिया चैप्टर के अध्यक्ष और मेकमायट्रिप फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी दीप कालरा ने कहा, जब हम भारत के यात्रा और पर्यटन क्षेत्र के भविष्य के बारे में सोचते हैं, तो यह स्पष्ट है कि सस्टेनेबिलिटी के मुद्दे को अब हाशिए पर नहीं रखा जा सकता। यह हमारे विकास के दृष्टिकोण के मूल में शामिल होना चाहिए।

बीएलएस को ओडिशा से मिला स्वास्थ्य कार्ड योजना के लाभार्थियों के सत्यापन का काम

नई दिल्ली। तकनीक आधारित सेवा प्रदाता कम्पनी बीएलएस इंटरनेशनल की अनुषंगी बीएलएस ई-सर्विसेज को ओडिशा सरकार से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - गोपाबंधु जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई-जीजेएवाई) के अंतर्गत लाभार्थी सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का अनुबंध मिला है। कंपनी की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह पहल राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के सहयोग से शुरू की गई है और इसका उद्देश्य पूरे ओडिशा राज्य में 3.5 करोड़ लाभार्थियों को पीवीसी को-ब्रांडेड एबी-पीएमजेएवाई-जीजेएवाई कार्ड वितरित करना है। बीएलएस राज्य सरकार और एनएचए के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करेगा और एबी पीएमजेएवाई-जीजेएवाई कार्डों के लंबित कार्ड वितरण की समस्या को सुलझाएगा। बीएलएस इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक और बीएलएस ई-सर्विसेज के चेयरमैन शिखर अग्रवाल ने कहा, ओडिशा सरकार द्वारा हमें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर हम गौरवान्वित हैं।उन्होंने कहा कि एबी-पीएमजेएवाई-जीजेएवाई योजना ओडिशा के लोगों के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाली योजना है, जो उन्हें बिना किसी वित्तीय कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करती है।

रुपया 22 पैसे चढ़ा

मुंबई। अमेरिकी व्यापार नीतियों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 22 पैसे मजबूत होकर 85.59 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.81 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 22 पैसे की तेजी के साथ 85.59 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और इसी स्तर पर बंद हुआ। सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली से 85.51 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया जबकि लिवाली होने से यह 85.72 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक व्यापार शुल्कों में राहत और चल रहे व्यापार तनावों के बीच भारत की अपेक्षाकृत स्थिर और लचीली स्थिति ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया। इसका असर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की मजबूत भागीदारी में देखने को मिला।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, शुरुआती दबाव के बाद उछले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। । घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। आज दिन के पहले सत्र में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। मजबूती के साथ खुलने के बावजूद बिकवाली का दबाव बनने पर शेयर बाजार कुछ देर के लिए गिरकर लाल निशान में भी आया, लेकिन दोपहर 2 बजे के करीब खरीदार पूरी तरह से हावी हो गए। खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने रफ्तार पकड़ ली और सेंसेक्स 77 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, रियल्टी, बैंकिंग, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल और

कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 415 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 412.24 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.76 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,078 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,636 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,309 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 133 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,556 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,857 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 699 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान और 17 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 261.89 अंक उछल कर 76,996.78 अंक के स्तर पर खुला।

मांडविया रांची में 220 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया झारखंड की राजधानी रांची के नामकुम में स्थित 220 बिस्तरों वाले नव विकसित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, खिजरी विधायक राजेश कच्छप और ईएसआईसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। डॉ. मांडविया इस अवसर पर ईएसआई लाभार्थियों को सम्मानित करेंगे, उन्हें नकद लाभ प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र प्रदान करेंगे। इसके अलावा वे इस अस्पताल के निर्माण में शामिल श्रमिकों को भी सम्मानित करेंगे। इस आधुनिकीकृत अस्पताल से 5 लाख से अधिक बीमित व्यक्तियों (आईपी) और उनके आश्रितों को लाभ मिलने की उम्मीद है। नामकुम में ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना मूल रूप से 1987 में हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य बीमित

श्रमिकों और उनके परिवारों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। विगत चार दशकों से अधिक समय से इस अस्पताल ने रांची और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक श्रमिकों की स्वास्थ्य सेवा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वित्त मंत्रालय की सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों के साथ अब 6 मई को होगी बैठक

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा और अन्य मुद्दों को लेकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों के साथ होने वाली बैठक में बदलाव किया है। अब यह बैठक छह मई को होगी। इससे पहले यह बैठक 17 अप्रैल को होनी थी। इस बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों के साथ होने वाली बैठक में बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जन धन योजना और मुद्रा योजना सहित सरकार की प्रमुख योजनाओं के लक्ष्यों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इस बैठक में चालू वित्त वर्ष के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंडअप इंडिया और पीएम स्वनिधि योजनाओं सहित वित्तीय समावेश की प्रमुख योजनाओं के लक्ष्यों पर भी चर्चा होगी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-दिसंबर तिमाही में 1.29 लाख करोड़ रुपये का अबतक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ कमाया है। ये सालाना आधार पर 31.3 फीसदी अधिक है। इस अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के

प्रदर्शन में रिकॉर्ड शुद्ध लाभ, बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता और पर्याप्त पूंजी भंडार जैसे प्रमुख वित्तीय मापदंडों के मामले में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

विप्रो का चौथी तिमाही में मुनाफा 25.9 फीसदी बढ़कर 3,569 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की चौथी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 25.9 फीसदी बढ़कर 3,569.6 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 2,834.6 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने ेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी की आमदनी 22,504.2 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 22,208.3 करोड़ रुपये से 1.33 फीसदी की मामूली वृद्धि है। हालांकि पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही की तुलना में चौथी तिमाही में कंपनी के शुद्ध लाभ में 6.43 फीसदी, तो आमदनी में 0.83 फीसदी की वृद्धि हुई है। विप्रो के मुताबिक पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उसका शुद्ध लाभ 18.9 फीसदी बढ़कर 13,135.4 करोड़

रुपये हो गया। हालांकि, इस अवधि में कंपनी की आमदनी 0.74 फीसदी गिरकर 89,088.4 करोड़ रुपये रही। कंपनी का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही अप्रैल-जून के लिए आईटी सेवा कारोबार से उसका राजस्व करीब 1.5 फीसदी से 3.5 फीसदी गिरकर 250.5 करोड़ डॉलर से 255.7 करोड़ डॉलर के बीच रहेगा। उल्लेखनीय है कि विप्रो के कर्मचारियों की संख्या बीते वित्त वर्ष में 2,33,346 रही, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,32,614 थी। बीएसई पर विप्रो के शेयर आज 1.4 फीसदी की मजबूती के साथ 247.50 रुपये के भाव पर बंद हुए। विप्रो ने नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी किए हैं।

व्हाइट हाउस के फैक्ट शीट से टैरिफ को लेकर बनी भ्रम की स्थिति

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर झगड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। दोनों देश लगातार एक दूसरे पर टैरिफ बढ़ा रहे हैं, जिसकी वजह से ट्रेड वॉर के और गहराने की आशंका बन गई है। ऐसे माहौल में व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक फैक्ट शीट की वजह से चीन पर लगाए जाने वाले टैरिफ को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भ्रम की स्थिति बन गई। इस फैक्ट शीट के आधार पर कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि अमेरिका ने चीन के उत्पादों पर 245 प्रतिशत का नया टैरिफ लगा दिया है। हालांकि जानकारों का कहना है की 245 प्रतिशत का नया टैरिफ लगाने वाली बात तथ्यात्मक रूप से गलत है। दरअसल, 245 प्रतिशत का ये टैरिफ कोई नया टैरिफ नहीं, बल्कि पहले से मौजूद अलग-अलग टैरिफ रेट और नए लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ का कुल योग (जोड़) है। ये टैरिफ भी चीन के सभी उत्पादों पर लागू नहीं

होगा, बल्कि सिरिंज जैसे कुछ खास उत्पादों पर ही लागू होगा। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट माइक्रोइकोनॉमिक्स डिपार्मेंट के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ सोमेंदु घोष क्या कहना है कि व्हाइट हाउस द्वारा जारी फैक्ट शीट में जिस अंदाज में टैरिफ को लेकर लिखा गया है, उसकी वजह से 245 प्रतिशत का नया टैरिफ लागू होने की बात को लेकर दुनिया भर में भ्रम की स्थिति बनी। 15 अप्रैल को जारी इस फैक्ट शीट में लिखा गया है कि चीन अब अमेरिका में सामान भेजने पर 245 प्रतिशत तक के टैरिफ का सामना कर रहा है, जो उसकी जवाबी नीतियों की वजह से लगा है। इन पंक्तियों में साफ-साफ लिखा है कि '245 प्रतिशत तक के' यानी अधिकतम 245 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया गया है। इन पंक्तियों में कहीं भी ये नहीं लिखा गया है कि चीन के सभी उत्पादों पर 245 प्रतिशत का नया टैरिफ लाद दिया गया है। डॉ सोमेंदु घोष के अनुसार इस फैक्ट शीट में जिस 245 प्रतिशत के टैरिफ की बात की गई है, वो दरअसल सिरिंज जैसे कुछ चुनिंदा उत्पादों पर पहले से लागू टैरिफ और नए लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ का कुल योग है। चीन में बने सिरिंज पर पहले से ही 100 प्रतिशत टैरिफ लगा हुआ है। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के कुछ दिन बाद ही चीन के उत्पादों पर 20 प्रतिशत टैरिफ (फेंटानिल से संबंधित टैरिफ) लगाने का ऐलान किया था। इसके अलावा 125 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया गया है। इस तरह से इसका कुल योग 245 प्रतिशत होता है। कहने का मतलब ये है कि सिरिंज और इस श्रेणी के अन्य उत्पादों पर अमेरिका कुल 245 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी वसूलेगा।

चार दिवसीय दौरे पर 16वें वित्त आयोग के सदस्य आंध्र प्रदेश पहुंचे, मुख्यमंत्री नायडू ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में 16वें वित्त आयोग के सदस्य चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आंध्र प्रदेश पहुंच गए हैं। राज्य के वित्त मंत्री पी. केशव ने सदस्यों का यहां पहुंचने पर स्वागत किया। आयोग के सदस्य 15 से 18 अप्रैल तक आंध्र प्रदेश के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 16वें वित्त आयोग की टीम का राज्य के दौरे पर यहां पहुंचने पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें अमरावती, पोलावरम जैसी प्रमुख परियोजनाओं और विभाजन के बाद की आर्थिक चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आयोग से अतिरिक्त केंद्रीय सहायता और उचित निधि आवंटन का आग्रह किया। आयोग के सदस्य विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

वे विजयवाड़ा स्थित बर्म पार्क में एक औपचारिक रात्रिभोज में भी शामिल होंगे। 16वें वित्त आयोग के सदस्य तिरुपति जाएंगे, जहां वह स्थानीय निकायों, उद्योग एवं व्यापार जगत के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद तिरुपति में शुक्रवार को भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में सुबह पूजा-अर्चना करने के बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार और एनएसई में हुआ एमओयू, पब्लिक से राशि जुटा सकेंगे एमएसएमई

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने राज्य के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को पूंजी जुटाने में सहायता देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत एमएसएमई अब एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म के माध्यम से आईपीओ लाकर धन जुटा सकेंगे। यह एमओयू प्रबंध निदेशक, यूपीएसआईसी राज कमल (आईएएस) और एनएसई की सीनियर मैनेजर निधि महेश्वरी के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, एमएसएमई आलोक कुमार (आईएएस) और सचिव प्रांजल यादव (आईएएस) भी उपस्थित रहे। इस मौके परप्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उद्योग मंत्री राकेश सचान के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार एमएसएमई को एक मजबूत और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान कर रही है। इस एमओयू से एमएसएमई को इक्विटी बाजार में पहुंच मिलेगी, जिससे वे अपने व्यवसाय को विस्तार दे सकेंगे। एनएसई के चीफ बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर श्रीराम कृष्णन ने बताया कि अब तक एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर 612 कंपनियां सूचीबद्ध हो चुकी हैं और उन्होंने कुल 17,003 करोड़ से अधिक की पूंजी जुटाई है। उनका कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 1,76,565 करोड़ है। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई को भी इस मंच का लाभ अवश्य उठाना चाहिए उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई कार्यरत हैं। राज्य सरकार इन उद्यमों को वित्तीय और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एमएसएमई नीति 2022 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्धता के लिए 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। यह समझौता प्रदेश के एमएसएमई को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा, जिससे न केवल पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी बल्कि उनकी बाजार पहुंच भी व्यापक होगी।

अमेरिका लगातार चौथी बार भारत का शीर्ष व्यापारिक साझेदार, चीन से व्यापार घाटा बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। टैरिफ तनातनी के बीच वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा है। इस वित्त वर्ष में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके विपरीत चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार और वाणिज्य मजबूत स्थिति में बना हुआ है, जबकि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत होते जा रहे हैं, जबकि चीन के साथ उसका घाटा बढ़ता जा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का अमेरिका को निर्यात 11.6 फीसदी बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। आंकड़ों में बताया गया कि इस दौरान आयात में 7.44 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 45.33 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। व्यापार अधिशेष अमेरिका के साथ पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर रहा था। भारत का मुख्य निर्यात अमेरिका को औषधि निर्माण, दूरसंचार उपकरण, कीमती पत्थर, पेट्रोलियम उत्पाद, और आभूषण शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 फीसदी घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 में आयात 11.52 फीसदी बढ़कर 113.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 फीसदी बढ़कर 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब अमेरिकी डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक चीन वित्त वर्ष 2024-25 में 127.7 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा।

रीयलमी के एआईओटी उपकरणों का विनिर्माण करेगी ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स

नई दिल्ली। स्मार्टफोन ब्रांड रीयलमी ने भारत के विनिर्माण पारितंत्र को मजबूत करने और सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल में सहयोग करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए भारत में अपनी अगली पीढ़ी के एआईओटी उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (ओईएल) के साथ साझेदारी की है। दोनों कंपनियों ने संयुक्त रूप से जारी एक बयान में कहा कि घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने के अपने दीर्घकालीन विजन के तहत रीयलमी ने ईयरफोन, स्मार्टवाचेज़ और टैबलेट सहित अपने एआईओटी उत्पाद का संपूर्ण पोर्टफोलियो भारत में तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इस साल की शुरुआत से रीयलमी बड्स टी200 सीरीज़, रीयलमी बड्स वायरेल सीरीज़ और रीयलमी बड्स एयर सीरीज़ जैसे उत्पाद स्थानीय उत्पादन लाइनों में तैयार होने लगेंगे। इसके समानांतर, रीयलमी पीसीबीए, बैटरियां, मैकेनिक्स, केबल और चार्जर जैसे ज्यादातर महत्वपूर्ण पुर्जे भारत के भीतर प्राप्त करने के प्रयास भी बढ़ा रही है। भारतीय उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतें पूरी करने के अलावा, रीयलमी भारत में बने एआईओटी उत्पादों को वैश्विक बाजारों को निर्यात करने की भी संभावना तलाश रही है।

नए शिखर पर पहुंचा सोना, एमसीएक्स पर पहली बार सोना 95 हजार के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में सोने की कीमत में तूफानी तेजी का रुख बना हुआ है। गोल्ड की कीमत बुलेट की रफ्तार से भाग रही है। आज सोने की कीमत ने कमोडिटी मार्केट में मजबूती का नया इतिहास रच दिया। कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स में गोल्ड फ्यूचर्स का भाव आज पहली बार 95 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गोल्ड फ्यूचर्स आज 3,300 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार करके मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टैरिफ वॉर की चिंता में कमी आने के बावजूद सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में अभी भी सोने की मांग लगातार तेज बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज स्पॉट गोल्ड 1.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,294.87 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसका भाव ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 3,287.79 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर सेटल हुआ। इसी तरह यूएस गोल्ड फ्यूचर्स आज 2 प्रतिशत से अधिक उछल कर पहली बार 3,316.32 डॉलर प्रति औंस के ऑल टाइम हाई लेवल तक पहुंचने में सफल रहा। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स की बात करें, तो गोल्ड फ्यूचर्स ने आज प्रति 10 ग्राम 1,079 रुपये यानी 1.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 94,530 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के बाद जैसे-जैसे कारोबार बढ़ता गया, वैसे-वैसे सोने के भाव में भी तेजी आती गई। दोपहर 1 बजे के करीब गोल्ड फ्यूचर्स 1,551 रुपये यानी 1.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 95,002 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच गया। एमसीएक्स पर गोल्ड फ्यूचर्स का ये अभी तक का सबसे ऊंचा स्तर है। गोल्ड मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तमाम घोषणाओं के बावजूद ट्रेड वॉर को लेकर अभी तक बाजार निश्चिंत नहीं हो सका है। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती की आशंका ने भी निवेशकों को सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने में निवेश करने के लिए प्रेरित किया है। इसके साथ ही डॉलर की कमजोरी से भी निवेशकों का सोने में निवेश करने के लिए उत्साह बढ़ा है। यही वजह है कि आज भारत में एमसीएक्स के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमत ने मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के ज्यादातर देशों को टैरिफ के मामले में राहत देने का ऐलान किया है, लेकिन चीन के साथ उनका विवाद बढ़ता जा रहा है। चीन और अमेरिका दोनों में से कोई भी देश झुकने को तैयार नहीं है, जिसके कारण विश्व की दो सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्तियों के बीच ट्रेड वॉर तेज होने की आशंका बढ़ गई है। इसी वजह से दुनिया भर के निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित रखने के लिए सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में गोल्ड में निवेश कर रहे हैं। इसी तरह कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि वैश्विक चिंताओं ने तो गोल्ड की मांग में बढ़ोतरी की ही है, इस चमकीली धातु से मिल रहे आकर्षक रिटर्न के कारण भी निवेशकों का रुझान इसके प्रति बढ़ा है। 2024 में सोने ने 20 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया, जो स्टॉक मार्केट के एवरेज रिटर्न से ज्यादा है। इसी तरह इस साल के पहले साढ़े तीन महीने में ही सोना में निवेश करने वाले निवेशकों करीब 22 प्रतिशत का रिटर्न मिल चुका है, जबकि अभी इस साल के 8 महीने से भी अधिक का समय बचा हुआ है।

क्या होती है जेंटल पैरेंटिंग क्यों हो रही इतनी पॉपुलर

आजकल के डिजिटल दौर में बच्चों की परवरिश करना भी एक चैलेंज बन गया है. ऐसे में अब जेंटल पैरेंटिंग काफी चर्चा मे हैं. इसे सेलिब्रेटिज भी अपना रहे हैं. चलिए आज जानते हैं कि जेंटल पैरेंटिंग क्या है , इसे कैसे अपनाएं और इसके फायदे क्या हैं?

आज के दौर में जब टेक्नोलॉजी, सोशल मीडिया और भागदौड़ भरी जिंदगी ने बच्चों की परवरिश को भी मुश्किल बना दिया है. तब माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे बनें अच्छे पैरेंट्स? बच्चों को डिसिप्लिन कैसे करे लेकिन बिना डांटे या मारे? कैसे उनके साथ ऐसा रिश्ता बनाएं जहां वो खुलकर बात कर सकें और साथ ही जिम्मेदार भी बनें? इन्हीं सवालों के जवाब में एक नया ट्रेंड सामने आया है जो है जेंटल पैरेंटिंग (Gentle Parenting).

आजकल सोशल मीडिया, यूट्यूब और पैरेंटिंग ब्लॉग पर जेंटल पैरेंटिंग ट्रेंड में है. कई मशहूर सेलेब्रिटी पेरेंट्स भी इस स्टाइल को अपना रहे हैं. लेकिन क्या ये सिर्फ एक फैशन है या वाकई में बच्चों की बेहतर परवरिश का रास्ता है?आइए विस्तार से समझते हैं कि जेंटल पैरेंटिंग होती क्या है, और क्यों स्टाइल इतनी पॉपुलर होता जा रहा है.

जेंटल पैरेंटिंग क्या होती है?

यह एक ऐसी परवरिश जिसमें बच्चों के साथ सख्ती नहीं, बल्कि समझदारी, संवेदनशीलता और सम्मान से पेश आया जाता है. ये तरीका कहता है कि बच्चों की गलतियों पर गुस्सा करने के बजाय उन्हें समझाया जाए, उनकी फीलिंग्स को सुना जाए और उन्हें इमोशनली तौर से सेफ माहौल दिया जाए. इस पेरेंटिंग स्टाइल में बच्चे को कंट्रोल नहीं किया जाता, बल्कि उसके व्यवहार को समझकर और उसकी फीलिंग्स को एक्सेप्ट करते हुए गाइडेंस दी जाती है. अगर बच्चा जिद कर रहा है या गुस्से में है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय उसकी फीलिंग्स को पहचाना जाता है जैसे 'मुझे पता है तुम गुस्से में हो क्योंकि तुम्हें अभी वो खिलौना चाहिए था चलो, मिलकर कोई हल निकालते हैं'.

जेंटल पैरेंटिंग क्यों हो रही है इतनी पॉपुलर?

इमोशनल कनेक्शन को बढ़ावा देती है- बच्चे खुद को माता-पिता के करीब महसूस करते हैं, जिससे रिश्तों में गहराई आती है और बच्चे भी ज़्यादा विश्वास के साथ कम्यूनिकेट करते हैं.

सेल्फ कॉन्फिडेंस और सेल्फ कंट्रोल सिखाती है- जब बच्चे को उसकी बात कहने का मौका मिलता है, तो वो सेल्फ डिपेंड और कॉन्फिडेंट बनता है. उसे पता होता है कि उसकी बात मानी जाए या नहीं, कम से कम सुनी जरूर जाएगी.

डर के बजाय समझ से नियम सीखते हैं- ट्रेडिशनल सख्त पेरेंटिंग में बच्चे अक्सर डर से सही व्यवहार करते हैं, लेकिन जेंटल पैरेंटिंग में वो खुद समझते हैं कि कौन सा व्यवहार क्यों गलत है.

मेंटल हेल्थ के लिए बेहतर- यह स्टाइल बच्चों के मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करती है. इसकी मदद से उन्हें कम तनाव होता है और इमोशनली रूप से वे ज्यादा स्थिर होते हैं.

क्या जेंटल पैरेंटिंग का मतलब है कि बच्चे को कुछ भी करने दिया जाए?

बिलकुल नहीं, जेंटल पैरेंटिंग में भी रूल और बाउंड्री होती हैं, लेकिन उनका पालन सजा या डर से नहीं, समझ और सहयोग से करवाया जाता है. एग्जांपल के तौर पर अगर बच्चा खाने से मना कर रहा है, तो उसे डांटने की बजाय यह कहना ÷मुझे पता है अभी तुम्हारा मन नहीं है,

अपनी बेअदबी आमंत्रित करने वाले मोदी पहले प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया।

नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके साथ किसी भी विपक्ष शासित राज्य के मुख्यमंत्री के रिश्ते सामान्य नहीं है। प्रधानमंत्री और विपक्षी मुख्यमंत्रियों के बीच टकराव के चलते कई बार दोनों तरफ से सामान्य शिष्टाचार भी नहीं निभाया जाता है। पिछले 10 वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं जब प्रधानमंत्री की ओर बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की बैठक का विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया है। ऐसा भी कई बार हुआ है कि जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए तो वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की और प्रधानमंत्री के साथ सरकारी कार्यक्रम से भी दूरी बना कर रखी। हाल ही में प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा के दौरान भी ऐसा ही हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने की 6 तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे थे, जहां राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन न तो उनकी अगवानी करने पहुंचे और न ही उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ पम्बन रेलवे ब्रिज के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत की। इसकी प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाषा के सवाल पर मुख्यमंत्री स्टालिन का अशोभनीय मजाक उड़ाया, जिससे केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति, त्रिभाषा फॉर्मूला, परिसीमन जैसे मुद्दों पर जारी टकराव नए स्तर पर पहुंच गया।मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया। उन्होंने मुख्यमंत्री का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा और कहा कि उनके पास तमिलनाडु के नेताओं के पत्र आते हैं लेकिन उन पर दस्तखत तमिल में नहीं होते हैं। मोदी ने तंज करते हुए कहा कि तमिल गौरव% बना रहे, इसके लिए कम से कम तमिल में दस्तखत करना तो शुरू करें।सवाल है कि क्या देश के प्रधानमंत्री को ऐसी बातें करनी शोभा देती हैं? वे खुद भाषाई आधार पर बने एक राज्य से आते हैं लेकिन क्या गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए गुजराती भाषा का गौरव बढ़ाने के लिए उन्होंने कभी गुजराती में दस्तखत किए? प्रधानमंत्री ने स्टालिन को चिढ़ाने के लिए उन्हें मेडिकल की पढ़ाई तमिल में कराने की कटाक्ष भरी

नसीहत भी दी। सवाल है कि सारे देश में हिंदी को प्रमुखता दिलाने में लगी मोदी सरकार मेडिकल और इंजीनियरिंग का एक भी बैच हिंदी में पढ़ाकर निकाल सकती है?बहरहाल, यह पहला मौका नहीं था जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए और वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की या उनके सरकारी कार्यक्रम से अपने को दूर रखा। हाल के वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं। साल 2022 में तेलंगाना में दो बार ऐसा हुआ जब प्रधानमंत्री के दौरे से तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने को दूर रखा। उसी साल प्रधानमंत्री दो बार महाराष्ट्र के दौरे पर गए लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उनकी अगवानी नहीं की।

उसी साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री पंजाब के बठिंडा पहुंचे थे तो वहां भी उनकी अगवानी के लिए सूबे के तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी मौजूद नहीं थे। उससे पहले पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही हुआ था, जब प्रधानमंत्री चक्रवाती तूफान का जायजा लेने बंगाल पहुंचे थे तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके साथ समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। मोदी से उनके संबंधों की यह तल्खी साल 2002 में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में भी देखी गई थी। ममता बनर्जी के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री की मौजूदगी में जय श्रीराम के नारे लगे थे, जिससे नाराज होकर वे अपना भाषण पूरा किए बगैर ही कार्यक्रम छोड़ कर चली गई थीं।

इसी तरह 2021 में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान प्रधानमंत्री ने कई मुख्यमंत्रियों को फोन किया था। उसी सिलसिले में उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टेलीफोन किया था तो उसके बाद मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा था कि प्रधानमंत्री सिर्फ अपने मन की बात करते हैं, बेहतर होता कि वे काम की बात करते और काम की बात सुनते। यही शिकायत करते हुए छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा था कि प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्रियों की जो बैठकें होती हैं, उनमें सिर्फ वन-वे होता है। प्रधानमंत्री सिर्फ अपनी बात कहते हैं, मुख्यमंत्रियों की बात का कोई जवाब नहीं मिलता। इन सब वाकयों के और पीछे जाएं तो साल 2015 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री को कायर और मनोरोगी तक कह दिया था।ये कुछ प्रतिनिधि घटनाएं हैं जिनसे प्रधानमंत्री पद की प्रतिष्ठा और सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार को लेकर कुछ गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सवाल है कि आखिर पिछले दस सालों में ऐसा क्या हुआ है कि पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण चारों दिशाओं में विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्री देश के प्रधानमंत्री के प्रति ऐसी उपेक्षा या बेअदबी भरा बर्ताव करते आ रहे हैं? केंद्र और राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें पहले भी रही हैं, लेकिन किसी प्रधानमंत्री के साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।तो सवाल यह उठता है कि अभी जो हो रहा है, क्या उसे भाजपा विरोधी पार्टियों की राजनीतिक असहिष्णुता या दुराग्रह मानकर खारिज किया जा सकता है या इसके कुछ गंभीर कारण हैं, जिनकी पड़ताल और निराकरण होना चाहिए? असल में प्रधानमंत्री के प्रति देश के अलग-अलग राज्यों में उभर रही इस किस्म की प्रवृत्ति को गंभीरता से समझने की जरूरत है।सबसे पहले इस तथ्य को रेखांकित करने की जरूरत है कि प्रधानमंत्री के प्रति बेअदबी की लगभग सारी घटनाएं मोदी के साथ ही हुई हैं। उससे पहले राजनीतिक विरोध के बावजूद सामान्य शिष्टाचार था और उसका सार्वजनिक प्रदर्शन भी होता था। हालांकि बेअदबी के बीज पड़ने शुरू हो गए थे, जो नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद फल के रूप में दिखने लगे।विरोधी दलों और उनके नेताओं के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की अपमानजनक बातें शुरू में जरूर अटपटी लगी थीं। चूंकि भाजपा और मोदी ने काफी बड़ी जीत हासिल की थी, इसलिए विपक्षी नेताओं ने यह सोचकर बर्दाश्त किया कि जीत की खुमारी उतर जाने पर प्रधानमंत्री राजनीतिक विमर्श में सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार और भाषायी शालीनता का पालन करने लगेंगे, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ और लगने लगा कि यही मोदी की स्वाभाविक राजनीतिक शैली है और वे बदलने वाले नहीं हैं, तब विपक्षी नेताओं के सब्र का बांध टूटा और उसमें राजनीतिक शालीनता और मर्यादा बहती गई।

देश में शायद ही कोई ऐसा विपक्षी मुख्यमंत्री या नेता होगा, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से अपमानजनक बातें या गाली-गलौज नहीं की होगी। मोदी उन्हें चोर, भ्रष्ट, परिवारवादी, लुटेरा, नक्सली, आतंकवादियों का समर्थक और देशद्रोही तक करार देने में संकोच नहीं करते हैं। इस सिलसिले में वे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्रियों और विपक्ष की महिला नेताओं को भी नहीं बख्शते और उनके लिए बेहद अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।

मोदी ने यह सिलसिला सिर्फ चुनावी सभाओं तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि संसद में, संसद के बाहर विभिन्न मंचों पर और विदेशों में भी वे विपक्षी नेताओं पर निजी हमले करने से नहीं चूकते। फिर विपक्ष शासित राज्यों के प्रति उनकी सरकार के भेदभावपूर्ण व्यवहार और राज्यपालों की बेजा हरकतों ने भी केंद्र और राज्यों के बीच खटास पैदा की है। केंद्र सरकार की मनमानियों और विपक्षी नेताओं के प्रति अपमानजनक बर्ताव का नतीजा है कि आज केंद्र-राज्य संबंध किसी भी समय के मुकाबले सबसे बदतर स्थिति में हैं।प्रधानमंत्री ने तमाम विपक्षी दलों को अपने और देश के दुश्मन के तौर पर प्रचारित कर उन्हें खत्म करने का खुला ऐलान किया है। वे हर जगह डबल इंजन की सरकार का ऐसा प्रचार करते हैं, जैसे विपक्ष की सारी सरकारें जनविरोधी, देश विरोधी और विकास विरोधी हैं। प्रधानमंत्री की इस राजनीति ने विपक्षी पार्टियों को सोचने के लिए मजबूर किया। इसलिए आज अगर प्रधानमंत्री पद की गरिमा पैंदे में बैठ रही है और उनकी बेअदबी हो रही है तो इसके लिए प्रधानमंत्री का अंदाज-ए-हुकूमत और अंदाज-ए-सियासत ही जिम्मेदार है।

संपादकीय

क्या हम बहुसंख्यक तानाशाही के दौर में प्रवेश कर चुके हैं

महज तीन साल पुरानी बात है जब बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय प्रमुख ने अपने अधीन समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र में छात्रों को गाय के गोबर के उपले बनाने का प्रशिक्षण देने के लिये कार्यशाला आयोजित की और खुद ही उसका वीडियो वायरल किया। इससे घटना से कुछ ही दिनों पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वाधिक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से एक हंसराज कॉलेज में महर्षि दयानन्द सरस्वती के नाम पर गौ संवर्धन एवं अनुसंधान केंद्र खोलने की खबर आई थी और इससे भी कुछ बरस पहले मध्यप्रदेश में एक संघनिष्ठ कुलपति ने शहर के बाहर बनने वाले विश्वविद्यालय के नये परिसर में गौशाला स्थापित करने का निर्णय कर लिया था। उन्होंने महापरिषद और प्रबंध समिति की मंजूरी के बिना गौशाला के संचालन के लिए अख़बारों में निविदा विज्ञप्ति तक जारी कर दी थी, ये बात और है कि उस फ़ैसले पर अमल नहीं किया जा सका।

ये बातें याद इसलिये आईं कि सोशल मीडिया पर फिर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक महिला किसी कक्षा की दीवार पर गोबर लीप रही है। बताया गया कि ये मोहतरमा दिल्ली के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्य प्रत्यूष वत्सला हैं। वे संस्थान परिसर में गाय पालती हैं और अभी हनुमान जयंती पर कॉलेज में सुंदरकांड का पाठ भी उन्होंने करवाया। इतना ही नहीं, नवरात्र के दौरान वे कॉलेज में दुर्गा स्थापना भी करवाती हैं। किसी उच्च शिक्षा संस्थान में धार्मिक कर्मकांड का यह अकेला मामला नहीं है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के एक विश्वविद्यालय में, नये विभागाध्यक्ष ने पदभार ग्रहण करने से पहले पूजा-पाठ करवाया।

दूसरी तरफ तमिलनाडु के राज्यपाल ने संविधान और अपने पद की गरिमा के खिलाफ़ जाकर मदुरै के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों से जय श्रीराम का नारा लगवा दिया।

इन घटनाओं के बरक्स मेरठ,भागलपुर और शिमला में जो हुआ, उसे देखा जाना चाहिये। मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग द्वारा पिछले दिनों ईद मिलन समारोह आयोजित किया जाना था। इसका पता चलते ही एक छात्र नेता ने धमकी दी कि शिक्षा के मंदिर में किसी तरह के भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाना चाहिये और अगर विश्वविद्यालय परिसर में ईद मिलन का कार्यक्रम आयोजित होता है तो फिर वह खुद विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर हनुमान चालीसा का पाठ करेगा। इस धमकी का नतीजा यह हुआ कि ईद मिलन का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। भागलपुर के टीएनबी कॉलेज में शिक्षक संघ ने ईद मिलन समारोह का आयोजन किया तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आपत्ति जताई और कहा कि नवदुर्गा के समय कॉलेज प्रशासन ने गरबा के लिये जगह नहीं दी थी, इसलिये कॉलेज में ईद मिलन भी नहीं होना चाहिये।शिमला के एक निजी स्कूल में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के छात्रों के लिए ईद मनाने का कार्यक्रम तय किया था और इसके लिये छात्रों को कुर्ता-पायजामा, टोपी पहनकर आने और टिफिन में सेवइयां लाने को कहा गया था। स्कूल प्रशासन के इस निर्देश पर हिंदू संगठनों ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने इसे हिंदू संस्कृति के खिलाफ़ साजिश बताया और कह कि यह भारत के संविधान के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धां के विरुद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्कूल अपना निर्देश वापस नहीं लिया गया तो स्कूल का घेराव किया जायेगा और कानूनी कार्रवाई भी की जायेगी मजबूर स्कूल प्रबंधन ने ईद मनाने का कार्यक्रम को र कर दिया। हालांकि उसने साफ़ किया कि यह आयोज केवल सांस्कृतिक विविधता को समझाने और छात्रों क विभिन्न त्योहारों से परिचित कराने के उद्देश्य से किया ज रहा था।

क्या यह हास्यास्पद नहीं है कि किसी शैक्षणिव परिसर में पूजा-पाठ, यज्ञ-हवन होने, धार्मिक ग्रंथों क पाठ करने, दुर्गोत्सव और गणेशोत्सव मनाने जैसे क्रियाकलाप हों तब किसी को याद नहीं आता कि को एक नहीं, बल्कि सारे ही शिक्षा संस्थान, शिक्षा के मंदि हैं। संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा छात्रों से जय श्रीराम के नारे लगवाने पर किसी को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का ख्याल नहीं आता।

समय से पहले आई खूबसूरती से क्यों भयभीत हैं पहाड़ के लोग

अगर पहाड़ों का सौंदर्य,तापमान, वर्षीय,बर्फ,बुरांश और प्राकृतिक चक्र बनाए रखना है तो प्रकृति का संरक्षण करना होगा, अंधाधुंध फैलते कांक्रीट के जंगल की रफ्तार थामनी होगी और पहाड़ों को रौंदती मोटर गाड़ियों की संख्या को नियंत्रित करना होगा वरना पहाड़ और मैदान में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।हिमाचल प्रदेश या पूरे हिमालय क्षेत्र में सौंदर्य के प्रतीक से इन दिनों क्यों भयभीत है लोग? क्यों उन्हें यह सुंदरता रास नहीं आ रही? खूबसूरती से क्यों नाखुश है पर्वतीय इलाकों के रहवासी और प्राकृतिक सौंदर्य के उपासक क्यों नहीं चाहते असमय प्रकृति की नेमत? ये ऐसे कुछ सवाल हैं जिनके जवाब हमें केवल पर्वतीय इलाकों के जानकार ही दे सकते हैं। आखिर, कोई तो बात होगी जिसके फलस्वरूप यहां के लोगों को प्राकृतिक सुंदरता रास नहीं आ रही?हम बात कर रहे हैं कि पर्वतीय राज्यों के एक सुंदर वरदान की जिसका नाम है - बुरांश। बुरांश का पेड़ और इसके फूल हिमाचल सहित देश के तमाम पर्वतीय राज्यों के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक संस्कारों से जुड़े हैं। बुरांश न केवल खूबसूरत है बल्कि सेहत की अनेक नेमतों से परिपूर्ण भी है। यह अर्थव्यवस्था का भी एक अनिवार्य हिस्सा है। बुरांश के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि आईआईटी मंडी और इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नालॉजी (आईसीजीईबी) के शोधकर्ताओं ने बुरांश की पंखुड़ियों में मौजूद फाइटोकेमिकल्स की पहचान की है जो कोविड-19 वायरस को रोक सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि बुरांश के फूल में एंटीवायरल के गुण होते हैं, जो सार्स-सीओवी 2 से संक्रमित कोशिकाओं के इलाज में मदद कर सकते हैं। कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि बुरांश के रस का सेवन दिल और लिवर के लिए फ़ायदेमंद हो सकता है।

लेकिन हिमालय को मिला प्रकृति का यही उपहार यहां खतरे का संकेत दे रहा है। पिछले कुछ सालों से यह फूल समय से पहले खिलने लगा है और यही पर्वतीय लोगों के साथ-साथ वैज्ञानिकों के लिए भी चिंता का सबब है। बुरांश का समय से पहले खिलना बर्फबारी कम होने का संकेत है और कम वर्षा का भी। शिमला या इस जैसे तमाम पर्यटन स्थलों का सौंदर्य और आर्थिक प्रगति वहां होने वाले हिमपात पर निर्भर है। बीते कुछ सालों में न केवल शिमला सहित अधिकतर पर्वतीय इलाकों की सर्दी कम हुई है बल्कि बर्फबारी के दिन भी कम होते जा रहे हैं। पहले शिमला शहर में ही जमकर बर्फ गिरती थी लेकिन अब बर्फबारी कुफरी, ठियोग और नारकंडा की ओर खिसकते जा रही है। इससे पर्यटन पर भी असर पड़ रहा है। इस समस्या को विकराल बनाने में पहाड़ों का सीना चीरकर दौड़ रहे हज़ारों वाहनों ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस सबसे, मौसम बदल रहा है और इसलिए बुरांश भी समय से पहले खिलने लगा है।

%डाउन टू अर्थ% पत्रिका में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक तापमान, वर्षा और बफ़र्बारी में आए बदलावों के प्रति बुरांश की संवेदनशीलता और प्रतिक्रियाओं ने चिंता बढ़ा दी है। फूलों के खिलने के समय में बदलाव के लिए काफ़ी हद तक बढ़ते हुए वैश्विक तापमान को ज़िम्मेदार माना जा रहा है। इसके फलस्वरूप बदल रहे मौसम के तेवरों का नुकसान बुरांश के फूलों को उठाना पड़ रहा है। मसलन बारिश की कमी के कारण इनमें रसीलेपन का अभाव हो जाता है। बुरांश के फूलों के फूलने की प्रक्रिया को समझे तो सामान्य रूप से जनवरी से फरवरी माह में वे कलियों के रूप में रहते हैं। चूंकि उस समय तापमान बहुत कम होता है और बहुत कम तापमान में कलियां खराब न हो जाए, इसके लिए प्राकृतिक तौर पर पंखुड़ियां सुरक्षा घेरे के रूप में कलियों को बाहर से ढंके रहती हैं। वे तभी हटती हैं, जब तापमान 20 से 25 डिग्री पर पहुंच जाता है। अनुकूल तापमान पाकर पेड़ का आंतरिक सूचना तंत्र (डीएनए) कोशिकाओं को संकेत भेजता है और फूलों के फूलने की प्रक्रिया के लिए हार्मोन्स सक्रिय हो जाते हैं।यदि समय से पहले ही तापमान अधिक हो जाता है तो फूल के विकास पर असर पड़ता है और उसके रंग-रूप से लेकर आर्थिक और स्वास्थ्यप्रद गुणों पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा, अगर ये फूल समय से पहले यानी सर्दियों के अंत में ही खिलने लगते हैं तो उस समय मधुमक्खियां या परागण करने वाले कीड़े सक्रिय नहीं होते इसलिए परागण पूरी तरह नहीं हो पाता, जिससे पौधों के बीज या फल विकसित नहीं हो पाते। तापमान में उतार-चढ़ाव से पहले से खिले फूल मुरझा जाते हैं या मर जाते हैं।बुरांश के फूलों के जल्दी खिलने का असर पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ता है। दरअसल, बुरांश के फूलों पर कई पक्षी, कीड़े और अन्य जीव आश्रित होते हैं। यदि फूल समय से पहले या अनियमित रूप से खिलते हैं, तो यह खाद्य श्रृंखला गड़बड़ा जाती है। बुरांश के फूलों का उपयोग रस और शरबत आदि बनाने में होता है। अनियमित फूलों की वजह से इनमें रस कम बनता है और किसानों और स्थानीय लोगों की कमाई भी प्रभावित होती है। यही लोगों की चिंता का कारण है।

अब अगर पहाड़ों का सौंदर्य,तापमान, वर्षीय,बर्फ,बुरांश और प्राकृतिक चक्र बनाए रखना है तो प्रकृति का संरक्षण करना होगा, अंधाधुंध फैलते कांक्रीट के जंगल की रफ्तार थामनी होगी और पहाड़ों को रौंदती मोटर गाड़ियों की संख्या को नियंत्रित करना होगा वरना पहाड़ और मैदान में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

पति को कराएं
बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदाः इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदाः इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदाः नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदाः खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

आप संवरिए
लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपायः ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपायः डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपायः नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपायः ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

स्वीडन के वैज्ञानिकों का दावा

लंबी उम्र पाना है तो चलाएं साइकिल

भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ और लंबा जीवन जीने के लिए लोग जिम पर खूब पैसा खर्च कर रहे हैं, फिर भी बेहतर परिणाम सामने नहीं आ रहे। अब उनकी परेशानी चुटकियों में हल हो सकती है। स्वीडन के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि साइकिल चलाने से बेहतर स्वास्थ्य के साथ ही लंबी जिंदगी भी पाई जा सकती है। यह जिम जाने से कहीं ज्यादा फायदेमंद है।

एलिन एक्बलोम-बक ने कहा, सीढ़ियां चढ़ना, साइकिल चलाना या पैदल चलना आपको लंबे समय तक जीवित रहने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर जीवनशैली के लिए लोगों को लगता है, कि उन्हें जिम जाना चाहिए और कड़ी मेहनत करनी होगी। लेकिन, ऐसा जरूरी नहीं है। लोगों के लिए दिनभर सक्रिय रहना, सीढ़ियां चढ़ना, साइकिल चलाना काफी लाभदायक हो सकता है। अध्ययन में 18-74 वर्ष आयु के करीब तीन लाख वयस्क शामिल थे। शोध में कार्डियो रेसपिरेटरी फिटनेस को एक सबमैक्सिमल साइकिल टेस्ट का उपयोग करके मापा गया और इसे अधिकतम ऑक्सीजन अपटेक के रूप में व्यक्त किया गया।

ब्रेन ट्यूमर के लिए अब उपलब्ध हैं इलाज की नई तकनीकें

एक समय मौत का दूत माने जाने वाले ब्रेन ट्यूमर का उपचार आज रेडियो सर्जरी, कीमोथैरेपी, रेडियेशन थैरेपी के अलावा कंप्यूटर आधारित स्टीरियोटैक्सी एवं रोबेटिक सर्जरी जैसी नवीनतम तकनीकों की बदौलत अत्यंत कारगर, सुरक्षित एवं काफी हद तक कष्ट रहित हो गया है। ब्रेन ट्यूमर की पहचान जितनी पहले हो जाए, इलाज उतना ही आसान हो जाता है। ब्रेन ट्यूमर के लक्षण साधारणतः सीधे उस से संबंधित होते हैं, जहां दिमाग के अंदर ट्यूमर होता है।

उदाहरण के लिए मस्तिष्क के पीछे ट्यूमर के कारण दृष्टि संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मस्तिष्क के बाहरी भाग में होने वाले ट्यूमर के कारण बोलते समय रूकावट आने जैसी समस्या हो सकती है। ट्यूमर का आकार बढ़ने के परिणास्वरूप मस्तिष्क पर बहुत दबाव पड़ता है, इस कारण सिर दर्द, उल्टी आना, जी मचलना, दृष्टि संबंधी समस्याएं या चलने में समस्या, बोलते समय समस्या होना आदि लक्षण हो सकते हैं। कभी-कभी ट्यूमर की वजह से सिर में पानी इकटठा होने लगता है, जिसको चिकित्सकीय भाषा में हाइड्रोसिफेलस कहते हैं। यह स्थिति मरीज के लिए खतरनाक हो सकती है। प्रायः ब्रेन ट्यूमर का निदान करना थोड़ा मुश्किल होता है, क्योंकि इस में पाए जाने वाले लक्षण किसी अन्य समस्या के भी संकेत हो सकते हैं। बोलते समय अटकना, दवाइयों, नशीले पदार्थो या शराब का सेवन करने के कारण भी हो सकता है। जब यह लक्षण बहुत तीव्रता के साथ उत्पन्न होने लगते हैं, तो यह ब्रेन ट्यूमर का कारण हो सकते हैं।

ब्रेन ट्यूमर के अन्य लक्षण

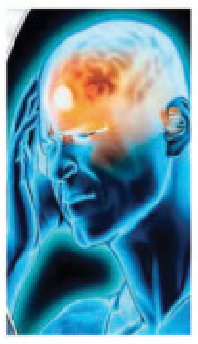

सिरदर्द: ब्रेन ट्यूमर के शुरूआती लक्षणों में एक है सिरदर्द। इसमें अक्सर सुबह उठते ही भयानक सिरदर्द शुरू हो जाता है, जो दिन में धीरे-धीरे ठीक हो जाता है। झुकने में, व्यायाम करने में सिरदर्द अधिक कष्टकारी होता है।

मानसिक व व्यक्तित्व बदलाव: मरीजों के स्वभाव संबंधी व्यवहार व व्यक्तित्व में बदलाव पाया जाता है। मरीज को बोलने में तकलीफ महसूस होती है व स्मरण शक्ति भी कम हो जाती है।

मास इफेक्ट: यह इंट्राक्रेनियल दबाव के बढ़ने से होता है, जिसके के लक्षण हैं- उल्टी व जी मचलाना, चक्कर आना, दृष्टि संबंधी तकलीफे, धुंधला दिखाई देना, नेत्रों संबंधी नस (पापिलेडेमा) में सूजन। यह लक्षण छोटे बच्चो में, उम्रदराज लोगों में व जिनमें धीरे-धीरे ट्यूमर बढ़ता है आदि लोगों में पाए जाते हैं।

फोकल लक्षण: इन फोकल लक्षणों जैसे साफ सुनाई न देना, कानों में कुछ बजने की आवाज सुनना, कमजोरी, बोलने व चलने में दर्द, मांसपेशियों पर घटता नियंत्रण, दोहरा दिखाई देना और घटती चेतना (सेंसेशन) आदि भी ट्यूमर के कारण हो सकते हैं।

क्या ब्रेन ट्यूमर खतरनाक है?

सामान्यत मस्तिष्क में किसी भी चीज में वृद्धि होना बहुत खतरनाक माना जाता है और यह बात ब्रेन ट्यूमर के मामले में भी लागू होती है। ब्रेन ट्यूमर कई प्रकार के होते हैं, हालाकि इसे कैंसर के आधार पर मुख्य रूप से दो वर्गों पहला कैंसरजन्य और कैंसर रहित ट्यूमर में विभाजित किया जा सकता है। बीस से चालीस साल के लोगों को ज्यादातर कैंसर रहित और 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को ज्यादातर कैंसर वाले ट्यूमर होने की संभावना रहती है। कैंसर रहित ट्यूमर, कैंसर वाले ट्यूमर की तुलना में धीमी गति से बढ़ता है।

क्या यह आनुवांशिक है?

यहां कुछ ऐसे ब्रेन ट्यूमर है जो आनुवांशिक होते हैं, जिस प्रकार से न्यूरोफाइब्रोमेटोसिस। लेकिन व्यापक रूप से ऐसा नही है। चिकित्सा विज्ञान में ब्रेन ट्यूमर के मुख्य कारणों का पता नहीं चल पाया है। आनुवांशिक संबंधों के विषय में दुनिया भर में शोध कार्य चल रहा है।

आधुनिक इलाज

ब्रेन ट्यूमर के प्रकार, स्थान और आकार पर अधारित विभिन्न प्रकार के इलाज करने के तरीकों का चुनाव किया जाता है। यदि ऑपरेशन सुरक्षित है, तो ऐसे में ट्यूमर को हर संभव तरीके से दूर करने के लिए ऑपरेशन को उपचार की पहली विधि के रूप में अपनाया जाता है। यह सर्जरी इंडोस्कोपिक प्रक्रिया से की जाती है, अन्यथा स्टीरिओटेक्सी से बायोप्सी की जाती है। ■ **डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा**

रेसिपी

बेसन टिक्की की सब्जी

■ टिक्की के लिए ■ बेसन- 1 कप ■ खसखस 1 चम्मच ■ बारीक कटी मिर्च- 2 ■ अनारदाना पाउडर- 1/4 चम्मच ■ बारीक कटी धनिया पत्ती- 2 चम्मच ■ हल्दी पाउडर- 1/4 चम्मच

■ लाल मिर्च पाउडर- 1/4 चम्मच ■ जीरा- 1/2 चम्मच ■ तेल- 2 चम्मच तेल- तलने के लिए ■ बारीक कटे टमाटर- 2 ■ हल्दी पाउडर 1/3 चम्मच ■ धनिया पाउडर- 1/4 चम्मच ■ गरम मसाला पाउडर- 1/4 चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर- 1/4 चम्मच ■ कसूरी मेथी- 1/2 चम्मच ■ नमक- स्वादानुसार

विधि

बेसन की टिक्की बनाने के लिए एक बरतन में टिक्की की सभी सामग्री डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए कढ़ा गूंद लें। गूंदे हुए बेसन से छोटी-छोटी लोई काटें और अपनी हथेलियों के बीच रखकर उन्हें हल्का-सा चपटा कर दें। सॉसपेन में पर्याप्त मात्रा में पानी डालकर उबालें। उसमें तैयार बेसन की टिक्कियां डालें और चार-पांच मिनट तक उबालें। बेसन की टिक्कियों को पानी से निकाल दें और ठंडा होने दें। कड़ाही में तेल गर्म करें और टिक्कियों को उसमें डालकर सुनहरा होने तक तल लें। टिश्यू पेपर पर निकाल लें। इस बीच ग्रेवी तैयार करने के लिए कुकर में तेल गर्म करें और उसमें प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। अब ग्रेवी के लिए बची हुई सारी सामग्री को कुकर में डालें और मध्यम आंच पर मसालों को अच्छी तरह से भूनें। कुकर में ग्रेवी के लिए आवश्यकतानुसार पानी डालें। कुकर को बंद करें और तीन सीटी लगाएं। आंच धीमी करें तीन-चार मिनट और पकाएं। गैस ऑफ करें और कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। कुकर का ढक्कन खोलकर उसमें बेसन की तैयार टिक्की डालें। धीमी आंच पर ग्रेवी को टिक्की के साथ चार-पांच मिनट तक पकाएं। धनिया पत्ती से गार्निश करें।

रॉ मैंगो सांभर

■ मुट्ठीभर तूअर दाल, मुट्ठीभर चना दाल ■ 1 कप छोटे टुकड़ों में कटा कच्चा आम ■ 1 कप टुकड़ों में कटी लौकी ■ कुछ बीन्स, कुछ कद्दू ■ 1 गाजर, 2 टीस्पून सांभर मसाला ■ चुटकीभर हल्दी पाउडर ■ 1 हरी मिर्च, नमक- स्वादानुसार

■ 1 सूखी लाल मिर्च ■ चुटकी भर हींग

■ 1 टीस्पून राई दाना ■ 1 टेबलस्पून सनफ्लॉवर आयल ■ कुछ करी पत्ता

विधि

प्रेशर कुकर में चार कप पानी के साथ सारी सामग्री डालकर करीब पांच सीटी लगाएं। कुकर खोलकर चेक करें कि दाल पक गई है या नही। अगर नहीं पके तो और सीटियां लगा लें। दाल पक जाएं तो फ्राइंगपैन में तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें हींग, राई दाना, करी पत्ता, सूखी लाल मिर्च भूनें और सांभर पर डालें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, तुच्छता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

काकुरो पहेली -4028

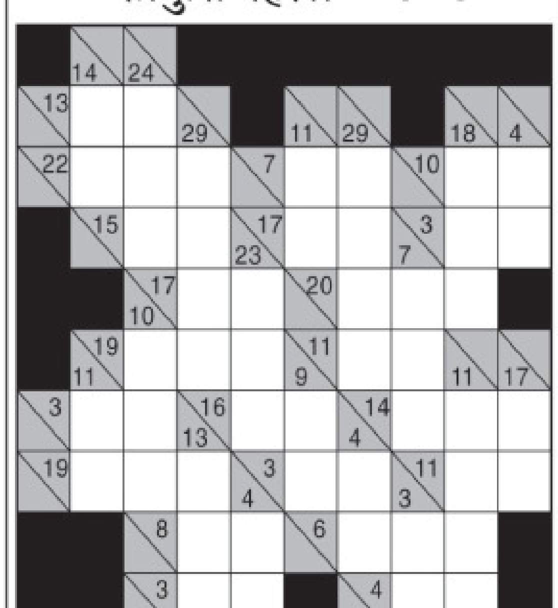

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

11 → 1 2 3 5
7 ↓ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4027 का हल

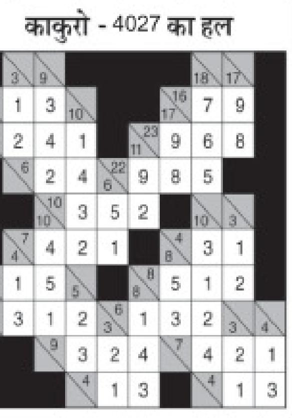

फिल्म वर्ग पहेली- 4028

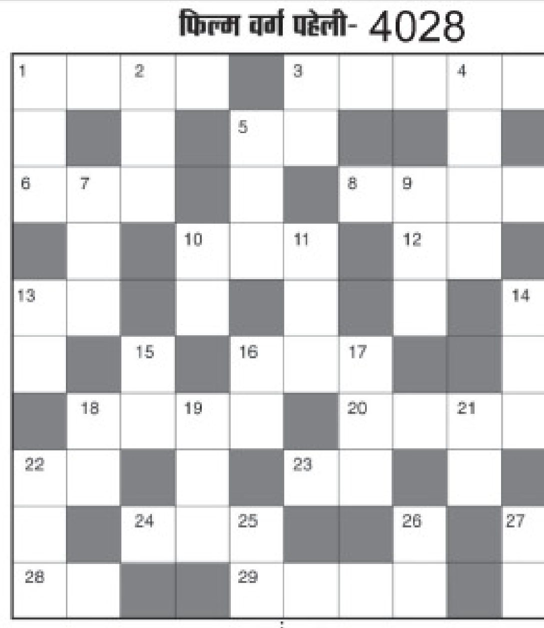

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉबरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4027

सूडोकु -4028

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4027 हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 4028

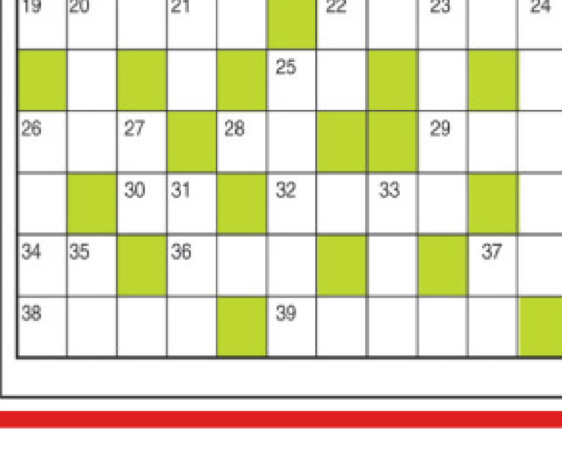

बाएँ से दाएँ

1. असहकार-5
4. शत्रुता, दुश्मनी-4
7. नाच, नृत्य (उर्दू-2)
8. विष्णु का वाहन-3
9. मादा का विलोम-2
10. ईश्वर, शिव-4
11. संज्ञा, संबोधन-2
13. वेग, गति-3
14. महसूल, राहदरी-2
15. अंधकार, अंधेरा-3
17. कुंजी, ताली-2
19. गोलाकार-5
22. इतरता, बेगानापन-5
25. समय, वक्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अच्छा, सद् पुरुष-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी, धूल-2
32. नट, बाजीगरी करने वाला-4
34. टैक्स, हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3
37. खदान-2
38. जो जायज न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1. तराजू डंडा, पासा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रुकना, अड़ जाना-3
5. जंगल, कानन-2
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी, धन-4
12. वोट, राय-2
16. राजा, महाराजा-3
17. चतुर्थ, चौथा-2
18. हलवा-2
20. पक्षाघात-3
21. तन, देह-2
22. क्षण-2
23. स्मारक-4
24. चोर, लुटेरा-5
25. जैकी श्राफ, अनिल कपूर, किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26. टूटना, बिखरना-4
27. पानी से सराबोर-2
31. कमल, नीरज-3
33. बादलों की गड़गड़ाहट-3
35. छुट्टी, अवकाश-2
37. राख, मिट्टी-2

शब्द पहेली -4027 का हल

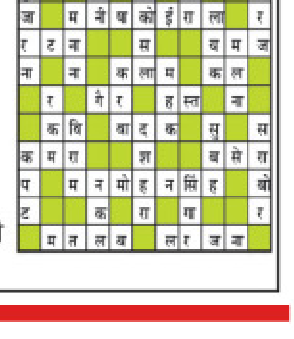

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा से जुड़े चिकित्सकों ने रचा सेवा का कीर्तिमान

एजेंसी

लखनऊ,। गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा से जुड़े चिकित्सकों ने भारत-नेपाल सीमा के सुदूर गांवों में 253 चिकित्सा शिविरों में 2,18,750 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित कर सेवा का कीर्तिमान रचा है। पांचवी स्वास्थ्य सेवा यात्रा को सफल बनाने में 58 चिकित्सा संस्थानों के 732 चिकित्सक व 707 मेडिकल के छात्रों ने सहयोग किया। यात्रा के संयोजक व किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के गैस्ट्रो मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित रूंगटा ने गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा से संबंधित जानकारी दी। डॉ. सुमित रूंगटा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त प्रचारक कौशल की प्रेरणा से वर्ष 2019 में गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा प्रारम्भ हुई थी। तब से प्रतिवर्ष भाऊराव देवरस सेवा न्यास और नेशनल मेडिकोज आर्गनाइजेशन (एनएमओ) के सहयोग से गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा के माध्यम से भारत-नेपाल सीमा के दूरस्थ ग्रामों में स्वास्थ्य शिविर लगा कर लोगों को जागरूक करने के साथ उनका स्वास्थ्य परीक्षण के साथ निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जाती हैं। उन्होंने बताया कि पहली बार 2019 में सीमा के 93 गांवों में चिकित्सा शिविर लगाकर 27,500 मरीजों को लाभान्वित किया गया था। इसके बाद से लगातार तमाम चिकित्सक इस यात्रा से जुड़ते गये।

ईसरदा बांध से 1256 गांवों को मिलेगा साफ पानी

टोंक। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड पर चल रहा है। सवाई माधोपुर और दौसा जिले के लिए यह बांध पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से बेहद अहम है। बांध का 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पियर्स और गेटों का काम पूरा हो गया है। मिट्टी के बांध का कुछ हिस्सा बनना बाकी है। जल संसाधन विभाग जुलाई तक निर्माण पूरा करने की कोशिश में जुटा है। मानसून में बांध में पानी संग्रहित किया जा सकेगा। इसके बाद दौसा जिले के 1079 गांव और 5 शहरों को तथा सवाई माधोपुर जिले के बौंली शहर सहित 177 गांवों और एक शहर को साफ पेयजल मिलेगा। यह परियोजना बीसलपुर बांध के अधिशेष पानी और बनास नदी के वर्षा जल का बेहतर प्रबंधन करेगी। साथ ही राम जल सेतु लिंक परियोजना के तहत रामगढ़, बुचारा, छितोली जैसे बांधों में भी पानी पहुंचाया जाएगा। इससे जयपुर जिले को भी लाभ मिलेगा। ईसरदा बांध बीसलपुर बांध के डाउनस्ट्रीम में ग्राम बनेठा (तहसील उनियारा, जिला टोंक) के पास बनास नदी पर बन रहा है। इसका निर्माण दो चरणों में हो रहा है। पहले चरण में डैम का निर्माण आरएल 262.0 मीटर तक किया जाएगा।

राजस्थान के राजसमंद में बारातियों से भरी बस और ट्रक की टक्कर, 37 घायल, 5 की हालत गंभीर

राजसमंद। राजस्थान के राजसमंद जिले के देलवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मजेरा गांव के पास नेशनल हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में 37 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि हादसे में एक निजी ट्रैवल्स की बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें बस में सवार 37 लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला और एक वृद्ध सहित पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस बारातियों को लेकर उदयपुर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक तेज़ रफ्तार ट्रक ने बस को ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन एक-दूसरे में बुरी तरह फंस गए। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक के सामने अचानक एक कार आ जाने से उसने ट्रक को दाहिनी ओर मोड़ा और तभी सामने से आ रही बस से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही टोल प्लाजा की रेस्क्यू टीम, क्रेन, एंबुलेंस, देलवाड़ा थाना पुलिस और श्रीनाथजी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों वाहनों के चालक वाहन के अंदर बुरी तरह फंसे हुए थे, जिन्हें बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। साथ ही अन्य घायलों को भी तत्काल पास के अस्पताल पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री सहायता कोष से सहायता स्वीकृत, दिया चेक

कोटपुतली-बहरोड़। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने आदेश जारी कर मुख्यमंत्री सहायता कोष से प्रार्थी विनोद बलाई पुत्र सुलतान बलाई को घायल श्रेणी में 20 हजार की राशि एवं सजना देवी के पति स्व. ताराचन्द को करंट लगने से मृत्यु होने के कारण 1 लाख की राशि की स्वीकृत की हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश सहारण ने सहायता का चेक प्रार्थियों को प्रदान किया।

दुनिया में मार्गदर्शन का केन्द्र बिन्दु रही हमारी संस्कृति : मोहन भागवत

एजेंसी

कानपुर। पांच दिवसीय प्रवास पर कानपुर आये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत चौथे दिन कानपुर प्रांत के आयामों के साथ बैठक की। सबसे पहले कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की तथा प्रान्त में गतिविधि के चल रहे कार्यो की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि का कार्य छह बिन्दुओं के आधार पर चलता है, जिसमें भजन, भोजन, भवन, भाषा और भ्रमण है। यही हमारी संस्कृति दुनिया में मार्गदर्शन का केंद्र बिंदु रही है और भारत दुनिया में विश्व गुरु के स्थान पर रहा है।सरसंघचालक ने कहा कि आज फिर विश्व में लोग भारत की रीति-नीति परंपरा संस्कृति की ओर

आकर्षित हो रहे हैं। अभी कुंभ में हमने यह दृश्य देखा कि हमारी संस्कृति संवेदना की है, हमारे परिवार की जो कल्पना है, वह सुरक्षित रहे, संस्कृति सुरक्षित बनी रहे, इसलिए परिवार की वह आत्मीयता की परंपरा बनी रहनी चाहिए। परिवार के लोग दिन में एक बार साथ मिलकर भोजन करें। परिवार के अंदर अपनी मातृ भाषा का प्रयोग हो, हमारी वेशभूषा हमारे संस्कारों को प्रदर्शित करने वाली हो। हमारा भवन ऐसा हो जो लगे यह एक आदर्श हिंदू घर है। हम स्वयंसेवक इन विषयों को लेकर समाज में बढ़ रहे हैं।

समाज को आज इन विषयों की जानकारी की जागरुकता की आवश्यकता है। परिवार के लोगों में एक दूसरे के प्रति दायित्व की अनुभूति रहे, धीरे-धीरे यह विषय समाज में बढ़ता जाए और एक आदर्श कुटुंब की स्थापना होती जाए। इस बैठक में कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि के कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन, क्षेत्र प्रचारक अनिल, प्रांत प्रचारक श्रीराम, प्रान्त संघचालक भवानी भीख, प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉक्टर अनुपम, विनोद शंकर आदि उपस्थित रहे।

मुर्शिदाबाद हिंसा में मारे गए तीन लोगों के परिवार को 10-10 लाख का मुआवजा, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इमाम और मोअज्जिनों की बैठक में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मृतकों के परिवारों के साथ खड़ी है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों की घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है, उनकी संपत्ति का भी मुआवजा सरकार देगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि बांग्लार बाड़ी योजना के तहत जिन लोगों के घर हिंसा में नष्ट हुए हैं, उन्हें फिर से घर बनाकर दिए जाएंगे। साथ ही जिन दुकानों को नुकसान पहुंचा है, उसकी जांच राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत करेंगे और नुकसान का आकलन कर उसके अनुसार मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हिंसा के पीछे पूर्व नियोजित साजिश थी। उन्होंने आरोप लगाया कि रामनवमी के दिन भाजपा की तरफ से दंगा कराने की योजना बनाई गई थी, लेकिन वे असफल रहे। मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ वह पहले से तय था। वक्फ कानून में किए गए संशोधन को 'अत्याचारी' बताते हुए ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे ऐसे कानून को लागू न करें। उन्होंने कहा, ÷वक्फ संशोधन विधेयक देश के संघीय ढांचे के खिलाफ है। मुख्यमंत्री ने बीएसएफ की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, मैंने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं जिनमें कहा गया है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना में बनी देश की सबसे लम्बी सुरंग

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे लंबी रेलवे टनल (सुरंग संख्या-8) ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना सुरंग का उद्घाटन समारोह रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्थानीय सांसद अनिल बलूनी की मौजूदगी में हुआ। रेल मंत्रालय के अनुसार, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना में सुरंग संख्या-8 (14.58 किलोमीटर) भारत की सबसे लंबी रेलवे सुरंग बनने जा रही है। वर्तमान में सबसे बड़ी रेल सुरंग - उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक के कटरा-बनिहाल सेक्शन पर खारी और सुंबर स्टेशनों के बीच 12.75 किलोमीटर की है। मनाली-लेह राजमार्ग पर अटल सुरंग (9.02 किलोमीटर) को सबसे लंबी सड़क सुरंग माना जाता है।

सुरंग की मुख्य विशेषताएं

इसमें 12 स्टेशन, 19 बड़े पुल, 38 छोटे पुल हैं और परियोजना की कुल लंबाई 125.20 किमी है। इसका 83 प्रतिशत हिस्सा सुरंग (104 किमी) है। 14.72 प्रतिशत हिस्सा खुले कटाव तटबंध (18.4 किमी) है। 2.21 प्रतिशत महत्वपूर्ण

पुल (3.07 किमी) हैं। मुख्य सुरंग की कुल लंबाई 104 किमी है और सुरंगों की संख्या 16 है। इस हिसाब से परियोजना की कुल सुरंग की लंबाई 213.57 किमी है। इसमें 104 किमी की 16 मुख्य सुरंग, 97.72 किमी की 12 एस्केप सुरंग और 7.05 किमी क्रॉस पैसेज शामिल हैं। सबसे लंबी सुरंग 14.58 किलोमीटर की है। सबसे लंबा पुल आधा किमी श्रीनगर पुल संख्या 09 है। सबसे ऊंचा पुल गौचर पुल 15 है जिसकी ऊंचाई 46.9 मीटर है । सबसे लंबा स्सपेंशन पुल (125 मीटर) देव प्रयाग पुल 06 है।

रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, भारतवर्ष की आत्मा है : गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ 'गद्दार' टिप्पणी को लेकर दर्ज की गई एफआईआर के खिलाफ कुणाल कामरा की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रखते हुए कहा कि तब तक कॉमेडियन को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकती। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि मुंबई पुलिस तमिलनाडु जाकर कामरा का बयान दर्ज कर सकती है। कुणाल कामरा ने मुंबई पुलिस की ओर से उनके विरुद्ध दर्ज एफआईआर को रद्द किए जाने के लिए 5 अप्रैल को हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका की सुनवाई आज न्यायमूर्ति एसवी कोतवाल और न्यायमूर्ति एसएम मोदक की खंडपीठ के समक्ष की गई। कुणाल कामरा की ओर से पेश वकील नवरोज शिरवाई ने कोर्ट को बताया कि कुणाल कामरा ने उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विरुद्ध जिस गद्दार शब्द का प्रयोग किया था, उस शब्द का प्रयोग इससे पहले कई बार शिंदे के विरुद्ध हो चुका है, लेकिन उनकी टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें मारने, सबक

सीखाने जैसे धमकी राज्य के कई मंत्रियों ने दी। इस मामले में इन मंत्रियों की धमकी को नजरअंदाज कर पुलिस उन्हें नोटिस पर नोटिस जारी कर रही है, साथ ही उनके निर्दोष माता-पिता को भी पुलिस ने तंग किया है। इसके बाद सरकारी वकील हितेन वेणुगांवकर ने कोर्ट को बताया कि खार पुलिस कामरा को सिर्फ बयान दर्ज करने के लिए नोटिस जारी कर रही थी। वेणुगांवकर ने कहा कि इसका कोई औचित्य नहीं है कि किसी व्यक्ति के विरुद्ध अगर किसी व्यक्ति ने अपमानजनक बात कही हो तो वही बात कोई दूसरा भी करे। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि पुलिस ने कामरा को जारी नोटिस में कहा कि उनका बयान दर्ज करना है, जो पुलिस तमिलनाडु जाकर दर्ज कर सकती है। कोर्ट ने इस मामले को रद्द किए जाने के संबंध में अपना निर्णय सुरक्षित रखा है।

ओडिशा की सबसे लंबी रेलवे सुरंग का निर्माण कार्य पूरा

एजेंसी

नई दिल्ली। खोरधा-बलांगीर नई रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत ओडिशा की सबसे लंबी रेलवे सुरंग टी-4 का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस सुरंग की लंबाई 4,185 मीटर है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया

प्लेटफार्म एक्स पर सुरंग की तस्वीर साझा करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'खोरधा-बलांगीर नई रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत ओडिशा की सबसे लंबी रेलवे सुरंग (4,185 मीटर लंबी) टी-4 का निर्माण आज सफलतापूर्वक पूरा हो गया।' आधिकारिक बयान के अनुसार, अब तक कुल 301 किलोमीटर के हिस्से में से 226 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है- जो खोरदा रोड को दासपल्ला और बलांगीर को पुरनाटक से जोड़ता है। शेष 75 किलोमीटर के हिस्से में जिसमें सात निर्माणाधीन सुरंगें शामिल हैं, पर लगातार काम चल रहा है। सुरंग टी-4 के निर्माण में सफलता से निर्माण कार्य में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे ओडिशा अपने तटीय क्षेत्र और पश्चिमी आंतरिक क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क के करीब पहुंच जाएगा।

मुर्शिदाबाद में शांति की बहाली, ममता बोलीं - प्रदर्शनकारी दिल्ली जाएं, भाजपा बोली - रास्ते में ही यूपी है

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हालिया सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब अपेक्षाकृत शांति है। हिंसा के बीच घर छोड़कर भागे लोगों धीरे-धीरे वापस लौटने लगे हैं।

प्रशासन का दावा है कि बीते तीन दिनों में करीब 200 परिवार अपने गांव वापस लौट चुके हैं, जबकि 300 से अधिक लोगों की वापसी के लिए पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान सतत प्रयास कर रहे हैं।पिछले 72 घंटों में हिंसा प्रभावित इलाकों में लगातार पुलिस और बीएसएफ की गश्त ने लोगों को भरोसा दिलाया है। पुलिस ने मंगलवार को बांग्लादेश सीमा के पास देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाने वाले बाप-बेटे की हत्या के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस बीच प्रशासन ने सभी परिवारों को संबंधित

अधिकारियों के नंबर भी मुहैया कराए हैं, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके। जिलाधिकारी दीन नारायण घोष ने बताया कि दो सामुदायिक रसोइयों के माध्यम से विस्थापित लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और राहत किट भी बांटी जा रही हैं। जंगीपुर के पुलिस अधीक्षक आनंद राय ने दावा किया कि क्षेत्र में अब पूरी तरह शांति है और लोगों को घर वापस न लौटने का कोई कारण नहीं है।सामाजिक सौहार्द के प्रयास और सोशल मीडिया पर निगरानीपुलिस ने बताया कि अफवाह फैलाने और सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कड़ी कार्रवाई की गई है। अब तक 1,093 अकाउंट्स को ब्लॉक किया जा चुका है। एडीजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने कहा कि फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर भड़काऊ पोस्ट साझा करने वालों के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है।

बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के डीआईजी नीलोत्पल पांडे ने कहा कि सुरक्षा बल के जवान केवल किसी एक समुदाय के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम कर रहे है और उनका उद्देश्य 100 प्रतिशत विस्थापितों की वापसी सुनिश्चित करना है। पुलिस ने स्थानीय प्रतिनिधियों की मदद से बूथ स्तर पर शांति समितियां भी गठित की हैं, जिनका काम किसी भी अफवाह या विवाद की स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचना देना है।

कवर्धा कलेक्टर कार्यालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप, छानबीन में नहीं मिला कोई विस्फोटक

एजेंसी

कवर्धा/रायपुर। कवर्धा कलेक्टर कार्यालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी का ईमेल मिलने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस मेल के बाद पूरे कलेक्ट्रेट कार्यालय को सील कर गहन छानबीन की गई, लेकिन कोई आपत्तिजनक वस्तु या कोई विस्फोट मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली। पुलिस की साइबर शाखा मामले की जांच कर रही है। मेल में तमिलनाडु में एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी की हत्या की साजिश का भी जिक्र किया गया है। जिला प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार यह धमकी भरा मेल कश्मीर से आया है। इस मेल में बुधवार दोपहर ढाई बजे तक की

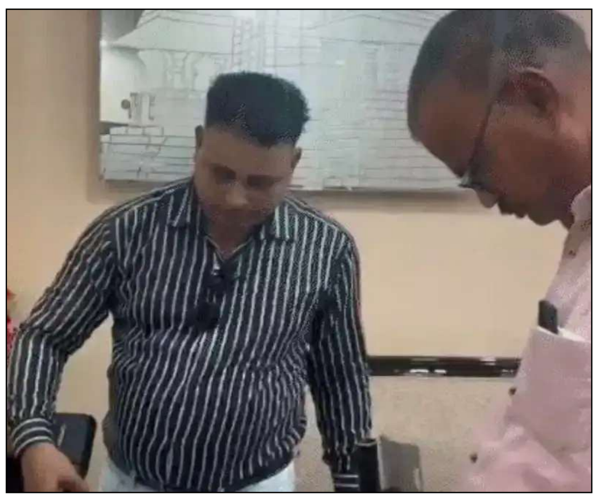

टाइमिंग दी गई। कबीरधाम (कवर्धा) के कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया है कि मेल मिलने के बाद सतर्कता बरतते हुए तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पूरे कार्यालय को सील कर बम डिस्पोजल दस्ता को बुलाया गया। पुलिस ने बम डिस्पोजल दस्ता के साथ कलेक्टर कार्यालय के अंदर बारीकी से छानबीन की।

कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र छवाई ने बताया कि यह मेल कबीरधाम कलेक्टर के आधिकारिक मेल आईडी पर आयी है। मेल में कहा गया, ''कवर्धा जिला मुख्यालय में स्थित कलेक्टर कार्यालय में एक बारूदी सुरंग इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगायी गयी है और हम इसे दोपहर 2.30 बजे तक उड़ा देंगे। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान कोई आपत्तिजनकजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है ।

मणिपुर में विभिन्न स्थानों ने 11 उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस और केन्द्रीय सुरक्षाबलों ने अलग-अलग स्थानों से प्रतिबंधित संगठनों के 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हथियार, मोबाइल फोन, वाहन व अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है। मणिपुर पुलिस ने बताया कि थौबल जिले के हिरोक थाना क्षेत्र के सलुंगफम ममांग लाईकाई बाजार के पास से केसीपी (अपुनबा सिटी मैतेई) के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। यह लोग ईंट भट्ठा, सॉ मिल, बैंक, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज, ऑयल पंप, दुकानदार, ठेकेदार और स्टोन क्रेशर के अलावा आम लोगों से भी वसूली करने में शामिल थे। इन गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान मो. सारुक खान (34, थौबल वांगखेम), संगोमसंबम अख्तर अहमद (29, थौबल वांगखेम), कोंजेंगबम कुमारजीत सिंह (41, नंबोल लैमैपोकपम अवांग लाईकाई, बिष्णुपुर) तथा लैश्रम जयमंगल सिंह (47, कैरेम्बिखोक ममांग लाईकाई)

थौबल के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने इनके पास से एक .32 पिस्टल, मैगजीन और तीन जिंदा कारतूस, तीन 36 एचई हैंड ग्रेनेड, पांच मोबाइल फोन, एक चार-पहिया वाहन तथा दो दो-पहिया वाहन बरामद किए गए। इसके अलावा मणिपुर पुलिस ने इंफाल ईस्ट जिले के वैथौ चिरू क्षेत्र से एसओआरईपीए संगठन के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। इन सभी पर याइरिपोक क्षेत्र के स्कूलों से जबरन वसूली करने का आरोप है। यहां से गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लैशुंगबम लेनिन सिंह (31) उर्फ खुमान, युमखैबम लुखोई सिंह (32) उर्फ अबोई तथा सगोलसेम दिनेश सिंह (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से तीन मोबाइल फोन, एक दो-पहिया वाहन और अन्य सामग्री बरामद की है। एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस ने केसीपी (नोंगद्रेंखोम्बा) संगठन के एक सदस्य सलाम सदानंद सिंह (31) उर्फ एगोचा उर्फ परी को इंफाल वेस्ट के लमफेल थाने के तहत कोम्बिरेई हाउसिंग कॉम्प्लेक्स से गिरफ्तार किया है। वह इंफाल क्षेत्र में जनता से पैसों की मांग और धमकी देकर वसूली करता था। उसके पास से एक मोबाइल और आधार कार्ड बरामद हुआ। इसके अलावा, केंद्रीय बलों ने भारत-म्यांमार सीमा स्थित मोरेह थाना क्षेत्र के बॉर्डर पिलर 81, सब पिलर 3 के पास से यूएनएलएफ (के) संगठन के तीन कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में निंगोम्बम श्याम सिंह (32), चिंगांगबम जॉनसन मैतेई उर्फ अंगोमचा मैतेई (30) तथा मो. सोहेल खान (25) शामिल हैं। इन सभी मामलों में आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

मुजफ्फरपुर में आग में झुलसकर 4 बच्चों सहित 5 की मौत

एजेंसी

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत रामपुर मनी गांव में दलित बस्ती में आग लग गई। इस हादसे में 4 बच्चे समेत 5 लोगों की झुलस कर मौत हो गई।जिलाधिकारी डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि जिले में सकरा प्रखंड क्षेत्र के बरियापुर थाना क्षेत्र के रामपुरमणि गांव में आग में झुलसने से 4 बच्चों सहित 5 की मौत हो गई है। अंचलाधिकारी को अभिलंब घटनास्थल पर भेजा गया है। अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी मौके पर कैंप कर रहे हैं। परिवारों को हरसंभव मदद दी जाएगी।डीएम ने बताया कि गांव के गोलक पासवान

के घर में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक तेज हवा की वजह से आग काफी तेजी से फैल गई। आग की लपेटें ज्यादा तेज थी, जिसकी वजह से बच्चे निकल नहीं पाए। मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा और 2 दिनों तक लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई है।

बाहुबली राजद विधायक रीतलाल पर कसा शिकंजा, एसएसपी ने कहा-जरूरत पड़ी तो होगी गिरफ्तारी

एजेंसी

पटना। दानापुर से राजद के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव पर पटना पुलिस ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अवकाश कुमार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अपराधों में संलिप्त प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ी तो रीतलाल यादव की गिरफ्तारी की जाएगी। यदि वे फरार रहते हैं, तो न्यायालय से वारंट प्राप्त कर नोटिस जारी किया जाएगा और संपत्ति की कुर्की की

जाएगी। अवकाश कुमार ने बताया कि बिल्डर द्वारा दिए गए आवेदन के साथ एक ऑडियो पेन ड्राइव भी मिली है, जिसमें रंगदारी और धमकी का उल्लेख है। ऑडियो की आवाज का मिलान फॉरेंसिक जांच से कराया जा रहा है। पुख्ता सबूत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में आरोपित बाहुबली विधायक रीतलाल यादव फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। फिलहाल, मिले सभी सबूतों के आधार पर आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा भी इस मामले की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि एक बिल्डर से रंगदारी की लिखित शिकायत मिलने पर यह कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में राजद विधायक रीतलाल यादव के दानापुर स्थित कोथमा आवास सहित कुल 8 ठिकानों पर विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और पटना पुलिस ने छापेमारी की थी, जहां रीतलाल यादव के घर से लगभग 10 लाख रुपये नकद, लगभग 70 लाख रुपये के चेक, कई खाली चेक, जमीनी दस्तावेज और चार पेन ड्राइव बरामद हुए थे।

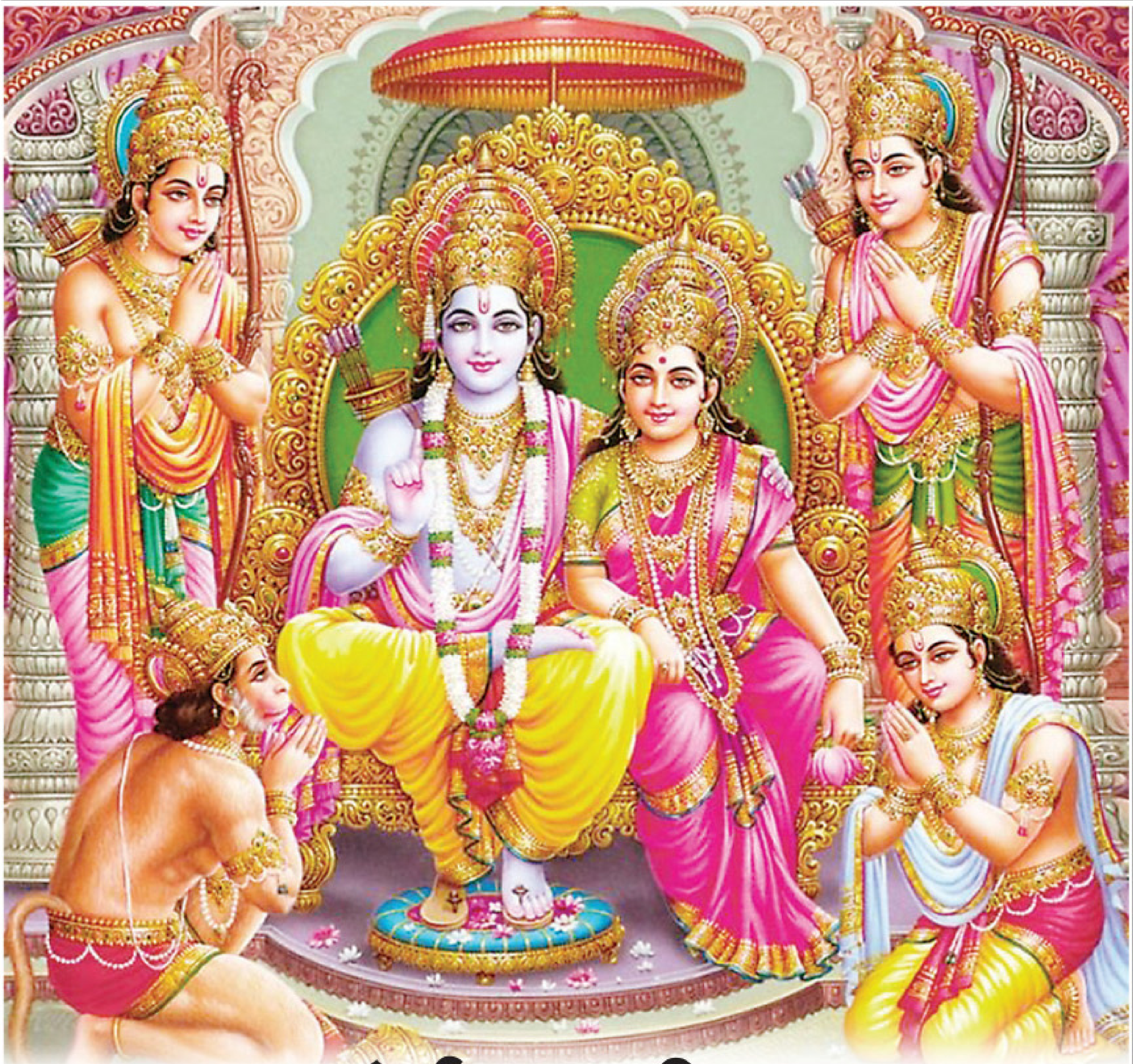

रामायण कोई कहानी नहीं इतिहास है

रामायण एक आध्यात्म से जुड़ा इतिहास है इसमें भारतीय संस्कृति के अद्भुत गुण देखने को मिलते हैं और कहीं-कहीं आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाओं का वर्णन किया गया है।

रामायण में वर्णित रावण द्वारा श्रीलंका जाते समय पुष्पक विमान का मार्ग, उस मार्ग में कौन सा वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। रावण ने पंचवटी (नासिक, महाराष्ट्र) से सीता का अपहरण किया और हम्पी (कर्नाटक), लेपाक्षी (आंध्र प्रदेश) के माध्यम से श्रीलंका पहुंचा। आश्चर्य होता है जब हम आधुनिक तकनीक से देखते हैं कि नासिक, हम्पी, लेपाक्षी और श्रीलंका एक सीधी रेखा में हैं। यह पंचवटी से श्रीलंका तक का सबसे छोटा मार्ग है। अब आप सोचते हैं कि उस समय कोई ब्धधद्दद्घद्र मैप नहीं था जो सबसे छोटा रास्ता बताता हो। फिर, उस समय यह कैसे पता चला कि सबसे छोटा और सीधा मार्ग कौन सा है? या भारत के विरोधियों की संतुष्टि के लिए भी, मान लें कि रामायण केवल एक महाकाव्य है, जिसे वाल्मीकि ने लिखा था, तो मुझे बताएं कि उस समय भी कोई मानचित्र नहीं था, वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण लिखा था, कैसे आए थे? पता है कि पंचवटी से श्रीलंका शॉर्ट कट है? वाल्मीकि ने सीता हरण के लिए केवल उन्हीं स्थानों का उल्लेख किया है, जो पुष्पक विमान का सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग था। यह ठीक उसी तरह है जैसे 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी को पता था कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी कितनी है? (जुग सहस्त्र योजन पर भानु= 152 मिलियन किमी - हनुमानचालीसा), जबकि नासा ने इस दूरी का पता कुछ साल पहले ही लगाया था।

पंचवटी वह स्थान है जहां श्री राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रहे थे। यहीं पर शूर्पणखा आई और लक्ष्मण से शादी करने के लिए उपद्रव करने लगी। लक्ष्मण को शूर्पनखा की नाक काटने के लिए मजबूर किया गया था, अर्थात हम आज इस स्थान को नासिक (महाराष्ट्र) के रूप में जानते हैं। पुष्पक विमान में, सीता ने नीचे देखा और देखा कि एक पहाड़ की चोटी पर बैठे कुछ बंदर जिज्ञासा से ऊपर की ओर देख रहे थे, सीता ने अपने वस्त्र के कोर को फाड़ दिया और अपने कंगन बांध दिए और राम को ढूंढने में मदद करने के लिए उन्हें नीचे फेंक दिया। जिस स्थान पर सीता ने इन आभूषणों को वानरों के लिए फेंका था, वह 'ऋष्यमुक पर्वत' था जो हम्पी (कर्नाटक) में वर्तमान में स्थित है। इसके बाद, वृद्ध जटायु ने रोते हुए सीता को देखा, देखा कि एक दानव एक महिला को जबरन अपने विमान में ले जा रहा था। सीता को मुक्त करने के लिए जटायु ने रावण से युद्ध किया। रावण ने जटायु के पंखों को तलवार से काट दिया। इसके बाद, जब राम और लक्ष्मण सीता को खोजने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पहला पता दिया कि उस स्थान का नाम 'लेपाक्षी' (आंध्र प्रदेश) है।

यह महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखित एक सच्चा इतिहास है। जिसके सभी वैज्ञानिक प्रमाण आज उपलब्ध हैं। इसीलिए जब भी कोई वामपंथी हमारे इतिहास, संस्कृति, साहित्य को पौराणिक कथा कहकर या खुद को विद्वान बताकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़कर उससे इन सवालों के जवाब मांगे। यकीन मानिए आप एक भी जवाब नहीं दे पाएंगे। इस सब में आपकी जिम्मेदारी कहां है? आपके हिस्से की जिम्मेदारी यह है कि जब आप टीवी पर रामायण देखते हैं, तो यह मत सोचिए कि कहानी चल रही है, बल्कि यह भी ध्यान रखें कि यह हमारा इतिहास है। इस दृष्टि से रामायण को देखें और समझें। इसके अलावा, हमारे बच्चों को यह दृष्टि देना आवश्यक है, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए यह एक कहानी नहीं है, यह हमारा इतिहास है।

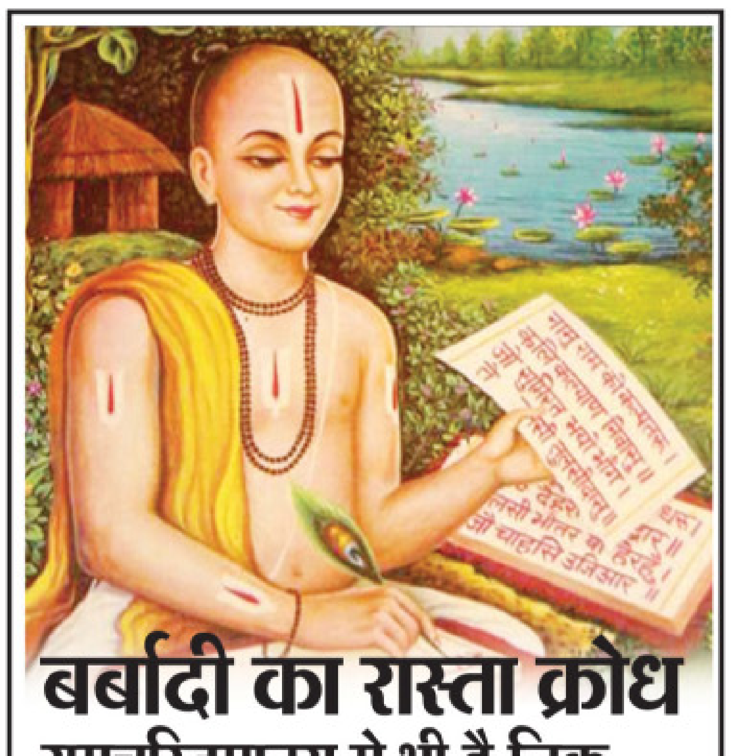

बर्बादी का रास्ता क्रोध
रामचरितमानस मे भी है जिक्र

आजकल देखा जाता है कि किसी को कभी भी बहुत जल्दी क्रोध आ जाता है। जोकि सही नहीं हैं। क्रोध के दुष्प्रभाव जीवन पर काफी बुरा पड़ता हैं। इसकी वजह से जीवन तक बर्बाद हो सकता है। कई बार गुस्से के कारण बना बनाया काम खराब हो जाता है। व्यक्ति में क्रोध आ जाए तो उसे सबसे दूर कर देता है और इंसान बिलकुल अकेला रह जाता है। तो साथ ही बता दें कि सबसे बड़े हिंदू ग्रंथ में भी इस बात का जिक्र है कि कोध्र व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं है, क्रोध व्यक्ति के विनाश का कारण बनता है। तो आइए आपको बताते है क्रोध को लेकर रामचरितमानस मे क्या कहा गया है-

क्रुद्धः पापं न कुर्यात कः क्रृद्धो हन्यात गुरूनपि ।
क्रुद्धः परुषया वाचा नरः साधूनधिक्षिपेत
कः क्रुद्धः पापं न कुर्यात, क्रृद्धः गुरून अपि हन्यात,
क्रुद्धः नरः परुषया वाचा साधन अधिक्षिपेत ।

तुलसीदास जी ने कहा है कि जो व्यक्ति क्रोध करता है उस व्यक्ति पापकर्म अधिक करना पड़ता है। पुण्य वाले काम करने से वो काफी दूर रहता है। क्रोध में ही व्यक्ति बड़े छोटे का लिहाज नहीं करता और बड़े एवं पूज्य जनों तक को मार डालता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति अशब्दों का अधिक उपयोग करता है और साधुजनों की भी कोई इज्जत नहीं करता। अगर व्यक्ति अपने क्रोध पर काबू नहीं पाता तो वो व्यक्ति अपने आपको बर्बाद कर देगा। क्रोध स्वास्थ्य पर भी काफी हद तक नुकसान पहुचता है। विज्ञान के अनुसार अधिक क्रोध करने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। क्रोध से मनुष्य को मानसिक परेशानियां हो जाती है। क्रोध मनुष्य के जीवन को अस्त व्यस्त कर देता है। क्रोध के कारण रिश्तों में कड़वाहट आने लग जाती है। गुस्से में बोला गया हर एक शब्द सांप के जहर जैसा जहरीला होता है।

आर्थिक समस्या को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर में सुख सम्रद्धि धन के लिए वास्तु को बहुत खास माना जाता हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार वास्तु के उपायों को करने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा प्रवेश करती है जबकि नकारात्मकता ऊर्जा दूर हो जाती है। साथ ही ऐसा माना जाता है कि वास्तुदोषों के कारण जीवन में कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं जिससे मनुष्य के बनते काम बिगड़ने लगते है। काम में रूकावट आने लगती है। तो आज हम आपको बताने जा रहे है। ऐसे उपाय जिससे आपके सभी कार्य आसानी से हो जाएंगे और जीवन से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। साथ ही धन संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। मनी प्लांट-घर में वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में रखने से अनेक फायदे होते हैं। घर में मनी प्लांट रखने से घर की सारी नकारात्मकता ऊर्जा शक्ति दूर हो जाती है और घर का वातावरण सकारात्मक माहौल बनने लगता है। मनी प्लांट को घर में लाने से रूपए पैसे की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसी बातें भी है जो ध्यान में रखना जरूरी है।

मनी प्लांट की दिशा- वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट लाने के बाद उसे दक्षिण या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखा मनी प्लांट घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराता है। साथ ही मान्याताओं के अनुसार इस दिशा का कारक शुक्र ग्रह है और शुक्र ही बेल वाले पौधों का कारक भी कहा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

पानी में रखें- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को पानी में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का खास ध्यान रखें कि पौधे का पानी बदलते रहे,समय-समय पर।

बेल को जमीन पर न आने दें -वास्तुशास्त्र के घर में लगाए मनी प्लांट को जमीन पर न फैलने दें, इसकी बेल को ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। वो शुभ होता है।

खराब पत्ते- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा हरे पत्तों के साथ हरा- भरा रहना शुभ माना जाता है। अगर इसके पत्ते खराब हो रहे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें।

जनेऊ के जाने धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

हिंदू धार्मिक शास्त्रों में जनेऊ को बहुत पवित्र माना जाता है। साथ ही यज्ञोपवीत संस्कार का बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। बता दें कि जनेऊ संस्कार हिन्दू धर्म के प्रमुख 24 संस्कारों में से एक है। यह जनेऊ 'उपनयन संस्कार' के अंतर्गत आता है। तो वहीं हिंदू धर्म के अनुसार ये हर हिन्दू का कर्तव्य है कि, वो जनेऊ धारण करें और उसके नियमों का पालन करें। जनेऊ धारण करने के बाद ही द्विज बालक को यज्ञ तथा स्वाध्याय करने का अधिकार प्राप्त होता है।

क्या होता है जनेऊ

जेसूऊ सूत से बना एक पवित्र धागा होता है। जिसे मनुष्य बाएं कंधे के ऊपर और दाईं भुजा के नीचे पहनता है। इस जनेऊ के कई वैज्ञानिक महत्व भी है। तो आइए आपको बताते है जनेऊ के वैज्ञानिक महत्व और फायदों के बारे में

स्मरण शक्ति बेहतर- हर रोज जनेऊ कान पर रखने से स्मरण शक्ति बेहतर होती है। कान पर जेनऊ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कान दबाव पड़ने से दिमाग की वे नसें खुल जाती हैं, जिनका संबंध स्मरण शक्ति से होता है।

रक्तचाप नियंत्रण- शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने से जो नसें दबती हैं, उनसे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है एक स्टेडी के मुताबिक ये बात सामने आई है कि शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने का भी वैज्ञानिक आधार है, जैसा बताया गया है कि ऐसा करने से रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।

हृदय रोग और ब्लडप्रेशर की परेशानी दूर- इस स्टेडी में ये बात भी सामने आई है कि जनेऊ पहनने वाले लोगों को हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी परेशानी खत्म हो जाती है। जनेऊ से शरीर में खून का प्रवाह सही तरीके से होता रहता है। आध्यात्मिक ही नहीं इसका वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे रिसर्च के अनुसार बताया गया है कि जनेऊ पहनने से हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी सारी परेशानी समाप्त हो जाती है।

काला धागे बांधने के हैं फायदे बहुत

अक्सर देखा जाता हैं की घर में बच्चा जब जन्म लेता हैं तब बड़े बुजुर्ग उससे काला टीका, काला धागा लगाते पहनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है काला धागा बांधने से कई अद्भुत फायदे भी होते है। बता दें कि ज्योतिष विज्ञान एवं लाल किताब के अनुसार काला धागे को विशेष स्थान दिया गया हैं। इन दोनों में इसे बांधने को लेकर भी बात कहीं गई है। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि काले धागे को बांधने से सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और कई अन्य फायदें भी होते है। लेकिन इन सब में एक बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि काले धागे को शरीर में पहनने से पहले क्या-क्या सावधानी बरतें।

काला धागा बांधने के फायदे

काले धागें को बांधने से व्यक्ति को किसी की बुरी नजर नहीं लगती है। साथ ही ये काली शक्तियों से भी रक्षा करता हैं। शनिदेव का संबंध भी काले रंग से ही है। शनि को काले रंग का कारक माना जाता है। इसके अलावा काले रंग का धागा पहनने से व्यक्ति की कुडली का शनि मजबूत होता है और शनि प्रदोष से भी मुक्ति मिलती है।

आर्थिक लाभ

संकटमोचन हनुमान के दिन यानी मंगलवार को काला धागा धारण करना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन काला धागा पहनने से आर्थिक जीवन सुखी होता है। घर में धन-समृद्धि का आगमन होता है। इस दिन खासकर दाहिने पैर में काला धागा बांधना शुभ माना जाता है।

सेहत के लिए फायदेमंद

सेहत के लिहाज से भी काला धागा काफी फायदेमंद है। अगर आपके पेट में दर्द रहता है तो व्यक्ति को अपने पैर के अंगूठे में इस धागे को बांध लेना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके लिए भी काला धागा काफी फायदेमंद है। इसे व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

काला धागा पहनने से पहले बरतें ये सावधानियां

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद ही धारण करें।
धारण करने से पहले इस बारे में किसी योग्य ज्योतिष की सलाह ले।
इस धागें को बांधने वाले व्यक्ति को रुद्र गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।
मंत्र - ऊँ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात
शरीर के जिस हिस्से में काला धागा बांध रहे हैं वहां कोई ओर अन्य रंग का धागा न धारण करें। शनिवार के दिन काला धागा बांधना शुभ होता है।

ड्रीम स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप फुटबॉल 2025: बालिका वर्ग में झारखंड एफए और बालक वर्ग में पंजाब एफसी ने जीता खिताब

एजेंसी

गोवा। गोवा के प्रसिद्ध रायया स्पोर्ट्स ग्राउंड में ड्रीम स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप फुटबॉल 2025 का भव्य फाइनल मुकाबला खेला गया। इस रोमांचक फाइनल में देशभर से आई युवा फुटबॉल प्रतिभाओं ने अपना दमखम दिखाया। बालिका वर्ग में झारखंड एफए ने खिताब अपने नाम किया, जबकि बालक वर्ग में पंजाब एफसी ने अपना खिताब बरकरार रखा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के समापन समारोह में भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुब्रत पॉल और बाईचुंग भूटिया समेत गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे, परिवहन मंत्री मौविन गोडिन्हो, पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक दिगंबर कामत, आईपीएस वर्षा शर्मा (डीआईजी, गोवा पुलिस) और गोवा फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. कैटानो फर्नांडिस ने शिरकत की। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया। बालिका वर्ग के नेशनल फाइनल में झारखंड एफए और ओडिशा एफए के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। झारखंड ने 20वें मिनट में अनामिका सांगा के एकमात्र गोल की बदौलत 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। ओडिशा की टीम बराबरी की पूरी कोशिश करती रही, लेकिन झारखंड की कप्तान चांदनी कुमारी की अगुवाई में रक्षापंक्ति ने अंत तक बढ़त कायम रखी।

कोच और कप्तान ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीतने पर खुशी जताई

झांसी। हॉकी पंजाब के कोच राजिंदर सिंह और कप्तान हार्दिक सिंह ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीतने पर खुशी जताई है। कोच राजिंदर सिंह ने कहा कि टूर्नामेंट हमारे लिए अच्छा रहा और हमने बढ़िया प्रदर्शन किया। कप्तान हार्दिक ने कहा कि फाइनल में लड़कों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हम जीत से बेहद खुश हैं। हॉकी पंजाब ने उत्तर प्रदेश के झांसी में हुए फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश को 4-1 से हराकर प्रतिष्ठित 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता। हॉकी पंजाब ने 2023 में यह टूर्नामेंट जीता था। पिछले संस्करण में वे हॉकी महाराष्ट्र से क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए थे। इस बार कप्तान हार्दिक सिंह और कोच राजिंदर सिंह की अगुआई में हॉकी पंजाब ने फिर से चैंपियनशिप अपने नाम कर ली है। हॉकी पंजाब को पूल चरण में हॉकी मध्य प्रदेश से अपनी एकमात्र हार का सामना करना पड़ा था लेकिन फाइनल में अपनी गलतियों को सुधारते हुए हॉकी मध्य प्रदेश को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। क्वार्टर फाइनल में टीम ने हॉकी हरियाणा पर 3-2 से जीत हासिल की।

रहाणे ने ली हार की जिम्मेदारी, केकेआर टीम को हार से लेना चाहिये सबक

चंडीगढ़। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पंजाब किंग्स से मिली हार की जिम्मेदारी ली और कहा कि टीम को इस हार से सबक लेना चाहिये। यहां महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ रोमांचक कम स्कोर के मुकाबले में 16 रन से मिली हार की रहाणे ने जिम्मेदारी ली और कहा कि टीम को इस हार से सबक लेकर आगे के मैचों जीतने का प्रयास करना चाहिये। केकेआर की ओर से शानदार गेंदबाजी की गयी और पंजाब किंग्स को 111 रन बनाने दिये। केकेआर की ओर से हर्षित राणा ने तीन विकेट और सुनील नारायण तथा वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिए। केकेआर लेकिन 112 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी तरह से लड़खड़ा गई। रहाणे ने हार की जिम्मेदारी ली और कहा कि टीम ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के अनुकूल रूप से बल्लेबाजी नहीं की है। मैच के बाद कप्तान रहाणे ने कहा, हमने एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में वास्तव में खराब बल्लेबाजी की, हम पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। गेंदबाजों ने जिस तरह से वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया, पंजाब की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप को 111 पर रोक दिया।

हॉकी इंडिया सीनियर नेशनल में सिल्वर जीतकर आए जैद और सुंदरम का किया सम्मान

इटारसी। झांसी में संपन्न हुई 15 वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 में मध्यप्रदेश की हॉकी टीम उपविजेता रही है। इस टीम में इटारसी डीएचए के दो प्लेयर सुंदरम सिंह राजावत और मो.जैद खान ने भी प्रतिनिधित्व किया। इन दोनों प्लेयर का आज शाम यहां गांधी स्टेडियम में जिला हॉकी संघ ने सम्मान किया। इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्राप्त खेल सामग्री फीडर सेंटर के बच्चों को वितरित की गई। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व टी प्रतीक राव, आईएएस, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, ओलंपियन विवेक सागर प्रसाद, सीनियर प्लेयर एससी लाल, डीएचए के अध्यक्ष भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, डीएचए के कार्यकारी अध्यक्ष शिरीष कोठारी, जयराज सिंह भानू, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंघ सैनी, उपाध्यक्ष डॉ. ताविश अरोरा, अरुण रावर्ट, इदरीश खान, मयंक जेम्स, साजिद मलिक ने किया।

इंटर मिलान ने बायर्न म्यूनिख को 4-3 से हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मिलान। इंटर मिलान ने यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टरफाइनल के रोमांचक मुकाबले में बायर्न म्यूनिख को 4-3 के एग्रीगेट स्कोर से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। रात सान सिरो स्टेडियम में हुए दूसरे लेग का मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन पहले लेग में मिली 2-1 की जीत के चलते इटालियन चैंपियन इंटर ने अंतिम-4 में प्रवेश किया। अब इंटर का मुकाबला सेमीफाइनल में बार्सिलोना से होगा।

लौटारो और पावार्ड के गोल ने इंटर को दिलाई बढ़त

बारिश और तेज़ हवाओं के बीच खेले गए इस मुकाबले में पहले हाफ तक दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हुआ। हालांकि, दूसरे हाफ में मुकाबला रोमांचक हो उठा। बायर्न के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने 52वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबले को नई जान दे

दी। इसके बाद इंटर के कप्तान लौटारो मार्टिनेज ने 58वें मिनट में गोल दागकर इंटर को फिर से बढ़त दिलाई। महज तीन मिनट बाद, बेंजामिन पावार्ड ने एक शानदार हेडर से गोल कर इंटर को निर्णायक बढ़त दिला दी।

डायर ने दिलाई उम्मीद, लेकिन समर ने बचाई जीत: 75वें मिनट में एरिक डायर ने बायर्न के लिए हेडर के जरिए गोल कर मुकाबले को फिर रोमांचक बना दिया। इसके बाद बायर्न ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया। स्टॉपेज टाइम में हैरी केन का हेडर इंटर के गोलकीपर यान समर ने शानदार तरीके से रोक लिया और यहीं से इंटर की जीत तय हो गई।

सान सिरो में दिखा अलग नज़ारा, ट्रेबल सपना ज़िंदा

इंटर मिलान के फैंस ने टिकट की बढ़ी कीमतों के विरोध में शुरुआती 20 मिनट तक स्टेडियम में सन्नाटा बनाए रखा। इसके बाद फैंस ने जोरदार शोर और गानों से अपनी टीम का हौसला बढ़ाया। इंटर अब 2010 के जोसे मोरिन्हो युग की तरह एक बार फिर से सीरी ए, चैंपियंस लीग और इटालियन कप ट्रेबल जीतने की ओर बढ़ रही है। टीम इस समय इटली की लीग टेबल में नेपोली से तीन अंकों की बढ़त बनाए हुए है और डोमेस्टिक कप के सेमीफाइनल में एसी मिलान से भिड़ने वाली है।

आईपीएल मैच : 20 अप्रैल को इन्द्रू नाग देव के दर पहुंचेंगी एचपीसीए

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मैचों के सफल आयोजन के लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन 20 अप्रैल को इन्द्रू नाग के दर पहुंचेगी। इस दौरान एचपीसीए द्वारा मंदिर में सुबह हवन और पूजा का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद मंदिर परिसर में एक भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में किसी भी स्तर के मैच होने से पूर्व एचपीसीए हर बार धर्मशाला के खनियारा स्थित बारिश के देवता इन्द्रू नाग के दर पहुंचकर पूजा और हवन का आयोजन करती है। वहीं मैच के सफल आयोजन के बाद इन्द्रू नाग का आभार जताने के लिए भी पूजा की जाती है। मैच के दौरान किसी भी तरह से मौसम का खलल न पड़े इसके लिए ही इन्द्रू नाग देवता के मंदिर में पूजा पाठ का आयोजन होता है। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि 20 अप्रैल को स्थानीय देवता इन्द्रू नाग के मंदिर में पूजा और हवन किया जाएगा तथा बाद में भंडारे का भी आयोजन भी किया जाएगा।

धर्मशाला में आईपीएल के खेले जाएंगे तीन मैच

धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में इस सीजन के तीन आईपीएल मैच खेले जाने हैं। पंजाब किंग्स के होम ग्राउंड धर्मशाला में पंजाब चार मई को अपना पहला मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ खेलेगा। वहीं आठ मई को पंजाब की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स के साथ होगी। यह दोनों मैच शाम साढ़े सात बजे शुरू होंगे। वहीं 11 मई को पंजाब और मुंबई इंडियंस के बीच दिन में साढ़े तीन बजे से मैच शुरू होगा।

आर्सेनल 16 साल बाद चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में , रियल मैड्रिड को 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से हराया

एजेंसी

मैड्रिड। इंग्लिश क्लब आर्सेनल ने चैंपियंस लीग 2024-25 सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड को क्वार्टरफाइनल में 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से मात दी। बुधवार रात हुए दूसरे लेग के मुकाबले में आर्सेनल ने 2-1 से जीत दर्ज कर 16 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से होगा। आर्सेनल ने पिछले हफ्ते लंदन में खेले गए पहले लेग में 3-0 की बड़ी जीत दर्ज की थी, जिसका फायदा उन्हें मैड्रिड में मिला। मैच की शुरुआत से ही आर्सेनल ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और रियल मैड्रिड के आक्रामक खेल को ज़्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ में आर्सेनल को पेनल्टी का मौका मिला जब वीएआर की मदद से रियल के राउल असेंसियो द्वारा मिकेल मेरिनो को खींचने का मामला पकड़ में आया। हालांकि, साका का पेनल्टी किक थिबो कोर्टुआ ने रोक लिया। इस चूक के बाद साका ने दूसरे हाफ में 65वें मिनट में शानदार वापसी की और टीम के लिए पहला गोल दागा।साका के गोल के दो मिनट बाद ही विलियम सलीबा की गलती का

फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने बराबरी का गोल कर रियल को थोड़ी उम्मीद दी। लेकिन, स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे के चोटिल होकर मैदान छोड़ने से रियल मैड्रिड की मुश्किलें और बढ़ गईं। मैच के इंजरी टाइम में गेब्रियल मार्टिनेली ने आर्सेनल के लिए दूसरा और निर्णायक गोल कर रियल मैड्रिड की वापसी की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं। पिछले सीज़न में चैंपियंस लीग और ला लीगा डबल जीतने वाली रियल मैड्रिड इस बार अपनी लय में नहीं दिखी। पहले लेग में 3-0 की हार के बाद टीम मैड्रिड में भी ज़्यादा कुछ नहीं कर पाई। स्टार स्ट्राइकर एम्बाप्पे भी पूरी तरह लय में नहीं दिखे और आखिरी मिनटों में चोटिल होकर बाहर हो गए। आर्सेनल ने अब तक चैंपियंस लीग इतिहास में सिर्फ तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पिछली बार 2009 में टीम इस मुकाम पर पहुंची थी।

सुरुचि-सौरभ की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। लीमा (पेरू) में चल रही आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत की सुरुचि इंदर सिंह और सौरभ चौधरी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक मुकाबले में सुरुचि-सौरभ की जोड़ी ने चीन की कियानसुन याओ और काई हू की जोड़ी को 17-9 के अंतर से पराजित किया। दोनों भारतीय निशानेबाजों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य भेदा और खिताबी मुकाबला अपने नाम किया।

कांस्य पदक मुकाबले में मनु-रविंदर हारे

कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में भारत की मनु भाकर और रविंदर सिंह की जोड़ी को चीनी निशानेबाजों चियानके मा और यीफान झांग के हाथों 6-16 से हार का सामना करना पड़ा।

सुरुचि का दूसरा स्वर्ण, सौरभ को भी व्यक्तिगत कांस्य

18 वर्षीय सुरुचि ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस

स्पर्धा में उन्होंने अपनी सीनियर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन का प्रमाण दिया। सौरभ के लिए यह वर्ष 2022 के बाद किसी आईएसएसएफ विश्व कप में पहला व्यक्तिगत पदक है।

चयन चरण में भी दमदार प्रदर्शन

सुरुचि और सौरभ की जोड़ी ने 580 अंकों के साथ स्वर्ण पदक मुकाबले में स्थान सुनिश्चित किया। इस दौरान सुरुचि ने सौरभ से दो अंक अधिक प्राप्त किए। चयन चरण में चीनी जोड़ी याओ कियानसुन और हू काई 585 अंकों के साथ शीर्ष पर रही थी।

संजू सैमसन की चोट ने राजस्थान रॉयल्स की हार में डाला बड़ा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अरुण जेटली स्टेडियम पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस मैच के दौरान राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन चोटिल हो गए और रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। राजस्थान रॉयल्स की 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए संजू सैमसन जब शानदार लय में बल्लेबाज़ी कर रहे थे, तभी छठे ओवर में लेग स्पिनर विप्रज निगम की गेंद पर कट शॉट लगाने की कोशिश में उनकी पसलियों में खिंचाव आ गया। दर्द के चलते वह तुरंत मैदान पर ही अपने साइड को पकड़ते नज़र आए। अगली गेंद नो-बॉल थी और फ्री हिट पर सैमसन ने शॉट तो खेला लेकिन दौड़ नहीं पाए। इसके बाद उन्होंने फिजियो की मदद

ली और अंततः रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर चले गए। उस वक्त सैमसन 19 गेंदों में 31 रन बनाकर खेल रहे थे और यशस्वी जायसवाल के साथ 5.3 ओवर में 61 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप कर चुके थे। संजू सैमसन चोट के बाद दोबारा बल्लेबाज़ी के लिए नहीं उतरे। सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से शिमरॉन हेटमायर, रियान पराग और यशस्वी जायसवाल बल्लेबाज़ी करने आए, लेकिन टीम केवल 11 रन ही बना सकी। मैच के बाद सैमसन ने अपनी चोट को लेकर कहा, फिलहाल ठीक लग रहा है। बस वापसी करने के लिए तैयार नहीं था। कल देखेंगे कैसा रहता है। उन्होंने माना कि स्कोर चेज़ किया जा सकता था लेकिन मिचेल स्टार्क की बेहतरीन डेथ ओवर गेंदबाज़ी ने खेल का रुख बदल दिया। राजस्थान रॉयल्स को आखिरी तीन ओवर में 31 रन की ज़रूरत थी और आठ विकेट शेष थे। लेकिन मिचेल स्टार्क ने 18वें ओवर में सेट बल्लेबाज़ नितीश राणा (51) को आउट कर बाज़ी पलट दी। 20वें ओवर में उनकी यॉर्कर्स ने सुपर ओवर तक मामला पहुंचा दिया। सुपर ओवर में भी स्टार्क ने अपनी धारदार गेंदबाज़ी से दिल्ली को जीत दिलाई। इस हार के बाद राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। टीम ने अब तक सात में से केवल दो मैच ही जीते हैं। उनके अगले तीन मुकाबले 19 अप्रैल को लखनऊ सुपर जाएंट्स, 24 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और 28 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होंगे।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार रखें खेल ढांचा: खेल मंत्री

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड के खेल मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी के गौलापार स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया तथा स्टेडियम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं के लिए तैयार रखने के निर्देश दिए। खेल मंत्री ने सर्व प्रथम स्टेडियम के प्राकृतिक आपदा की चपेट में आये क्षतिग्रस्त हिस्से का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को इस काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम की प्रगति की भी समीक्षा की और इसे जल्द से जल्द सुचारू करने को निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त खेल मंत्री ने फुटबॉल ग्राउंड, ताइक्वांडो, मल्टीपरपज हॉल और स्विमिंग पूल का भी निरीक्षण किया। खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश की खेल लिगेसी पॉलिसी तैयार हो रही है, तब तक स्कूली बच्चों को इन खेल सुविधाओं का अभ्यास करने के लिए आमंत्रित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खेल अवस्थापनाओं का फायदा तभी मिलेगा जब हमारे भावी खिलाड़ी और बच्चे इन पर अभ्यास करके अपने कौशल को निखारेंगे।उन्होंने खेल विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी स्टेडियम व अन्य खेल सुविधाओं को इस तरह से सुचारू रखें कि इन पर जल्द ही राष्ट्रीय चैंपियनशिप और एशियाई चैपियनशिप स्तर के खेलों का आयोजन कराये जा सकें। उन्होंने गौलापार में प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय (स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी) की तैयारी में तेजी लाने के निर्देश दिए।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 32वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में हरा दिया है। आईपीएल के 18वें सीजन के पहले सुपर ओवर में राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 11 रन बनाए। जिसके जवाब में दिल्ली ने केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स की मदद से संदीप शर्मा की 4 गेंदों पर ही लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस जीत के साथ दिल्ली अंक तालिका में 10 अंकों के साथ पहले नंबर पर पहुंच गई है। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 188 रन का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली के लिए अभिषेक पोरेल ने 49 और केएल राहुल ने 38 रन बनाए। जबकि ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद) और अक्षर पटेल ने 34-34 रन का

योगदान दिया। वहीं आशुतोष शर्मा ने नाबाद 15 रन बनाए। राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर को दो विकेट मिले, जबकि महीश तीक्ष्णा एवं वनिंदु हसरंगा के खाते में एक-एक सफलता रही। दिल्ली की ओर से मिले 189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की तूफानी शुरुआत रही। कप्तान संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल ने 6 ओवर में 63 रन बनाए। हालांकि तभी सैमसन रिटायर्ड हर्ट हो गए। सैमसन ने 31 रन बनाए। इसके बाद रियान पराग ने क्रीज पर उतरे लेकिन ज्यादा कुछ कर नहीं सके और आठ रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद नीतीश राणा ने यशस्वी का अच्छा साथ दिया। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़े तभी यशस्वी 51 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तब राणा ने ध्रुव जुरेल के साथ मिलकर 49 रन जोड़े और टीम को जीत की दहलीज तक ले गए। इश बीच नीतीश राणा भी अपना अर्धशतक पूरा कर आउट हो गए, उन्होंने 51 रन की पारी खेली। आखिर के छह गेंदों पर राजस्थान को जीत के लिए 9 रन की जरूरत थी और जुरेल के साथ शिमरॉन हेटमेयर क्रीज पर थे, लेकन मिशेल स्टार्क की धाकड़ गेंदबाजी और एक के बाद एक यॉर्कर ने राजस्थान की उम्मीदों पर पारी फेर दिया। स्टार्क ने सिर्फ 8 रन दिए, जिससे राजस्थान 20 ओवर में 188 रन ही बना सकी। तब सुपर ओवर की ओर खेल मुड़ गया, जहां दिल्ली ने बाजी मारी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और मिचेल स्टार्क ने 1-1 विकेट लिया।

बीसीसीआई को महिला टीम के लिए मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट, कोच की तलाश

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय सीनियर महिला टीम के लिए मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये हैं। बीसीसीआई ने बैंगलुरु में स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मुख्य फिजियोरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के लिए आवेदन मांगे है। चयन के बाद कोच और मुख्य फिजियोरेपिस्ट को मैचों और टूर्नामेंटों के दौरान सीनियर महिला टीम के साथ यात्रा करना भी आवश्यक है। मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट आवेदकों के पास खेल या मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी में स्नातकोत्तर योग्यता के साथ ही कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य है।

अमरोहा के हर्ष सिंह का उप्र की अंडर-14 क्रिकेट टीम में चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। उ प्र क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने बताया कि जनपद अमरोहा के ग्राम शेखपुरा निवासी हर्ष सिंह का उत्तर प्रदेश की अंडर-14 क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि हर्ष सिंह रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी में 5 साल से कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी व कोच मोहम्मद हसीन की देख-रेख में प्रशिक्षण ले रहे हैं। डिस्ट्रिक स्पोटर्स एसोसिएशन मुरादाबाद के संयुक्त सचिव नितिन गुप्ता ने बताया कि हर्ष सिंह विकेट कीपर बल्लेबाज़ हैं। कानपुर कमला क्लब में लगे चयन कैंप में हर्ष सिंह ने दो मैच खेले जिसमें हर्ष ने पहले मैच में नाबाद 119 और दूसरे मैच में नाबाद 59 रन की बेहतरीन पारी खेली। जिसके चलते उनका उत्तर प्रदेश की अंडर-14 टीम में चयन किया गया है। हर्ष सिंह के पिता देवेंद्र सिंह ने बताया कि हर्ष सिंह 7 साल की उम्र से ही कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी व कोच मौहम्मद हसीन की देख

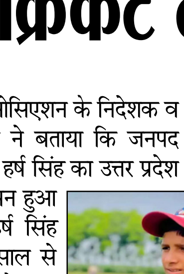

रेख में क्रिकेट की बारीकिया सीख रहे हैं। आज चयन की जानकारी सुनकर बहुत खुशी हो रही है परिवार में खुशी का माहौल है हर्ष सिंह की कामयाबी का श्रेय उनके कोच को जाता है। जिन्होंने बचपन से बहुत मेहनत की है 7 साल की उम्र से से हॉस्टल में रहकर क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रहा है। हर्ष के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने बताया हर्ष टैलेंटेड प्लेयर है पिछले कई वर्षों से उत्तर प्रदेश की टीम में शामिल होने के लिए काफ़ी संघर्ष किया है इससे पहले भी वह दो बार उत्तर प्रदेश की अंडर-14 टीम के चयन हेतु फाइनल कैम्प में खेल चुका है। इस बार अच्छा प्रदर्शन किया दो मैच में शानदार प्रदर्शन किया और नाबाद 178 रन बनाकर टीम में जगह बनाई। इस दौरान रुक्मणी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन डॉ सिद्धार्थ मलिक ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की अकैडमी में ख़ुशी का माहौल है। सभी साथी खिलाड़ियो को हर्ष सिंह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

ऐतिहासिक जीत के बाद पोंटिंग ने की चहल की तारिफ, बोले- तुमने अपनी तरह गेंदबाजी की हम मैच जीत गए

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने 111 रन के सबसे कम स्कोर को डिफेंड कर ऐतिहासिक कारनामा किया। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकआर) पर मिली इस जीत के लिए पंजाब के कोच रिकी पोंटिंग ने यजुवेंद्र चहल की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अपनी तरह की गेंदबाजी कर चहल ने केकेआर के बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी और पंजाब को जीत दिलाई। पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने चहल की जमकर तारीफ़ की। उन्होंने कहा, हमने इस हफ्ते तुमसे कहा था कि अपनी असली गेंदबाज़ी पर लौटो। और आज तुमने वही किया। अपनी तरह गेंदबाज़ी की और हमें मैच जिता दिया। पोंटिंग ने मार्को यानसन (3/17) और अर्शदीप सिंह (1/11) की भी सराहना की। उन्होंने कहा, अर्शदीप, तुम आमतौर पर नई गेंद से गेंदबाज़ी करते हो, लेकिन जब टीम ने तुमसे अलग भूमिका निभाने को कहा, तो तुमने पूरी जिम्मेदारी से प्रदर्शन किया। यही टीम भावना हम सबमें चाहिए। पोंटिंग ने बताया कि उन्होंने कप्तान से चर्चा करके यानसन से पहला ओवर करवाया क्योंकि वे पहले भी सुनील नारायण को जल्दी आउट कर चुके थे और यह रणनीति काम कर गई।

आईजीयू ने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी के लिए राष्ट्रीय स्क्वाड कैंप का किया आयोजन

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। देश के सर्वश्रेष्ठ युवा गोल्फरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) द्वारा 14 अप्रैल से 19 अप्रैल तक ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रीन्स में राष्ट्रीय स्क्वाड कैंप का आयोजन किया गया है। यह कैंप आगामी जर्मन इंटरनेशनल एमेच्योर चैम्पियनशिप (01 से 04 मई, बर्लिनर गोल्फ एंड कंट्री क्लब, जर्मनी) के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के तहत हो रहा है। इस कैंप में देशभर से चुने गए 10 प्रतिभाशाली एमेच्योर गोल्फर भाग ले रहे हैं। जिनके नाम अरिन आहूजा, रक्षित दहिया, सुखमन सिंह, कनव चौहान, वरुण मुथप्पा, अयन गुप्ता, जैवियर, दीपक यादव, संदीप यादव और विनम्र आनंद हैं। आईजीयू ने यह राष्ट्रीय स्क्वाड सिस्टम पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक से पूर्व शुरू किया था ताकि खिलाड़ियों को तकनीकी, मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाया जा सके। इस अवसर

पर आईजीयू के महानिदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) विभूति भूषण ने कहा, यह कैंप एक मजबूत और एकजुट राष्ट्रीय टीम के निर्माण की दिशा में अहम कदम है। हमारा लक्ष्य सिर्फ स्किल डेवलपमेंट नहीं, बल्कि मानसिक रूप से सशक्त, शारीरिक रूप से फिट और टीम भावना से लैस खिलाड़ियों को तैयार करना है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करें। विभूति भूषण ने कहा कि कैंप को समग्र प्रशिक्षण पहल के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें गोल्फ तकनीक के अलावा फिजियोथेरेपी, फिटनेस, खेल मनोविज्ञान और पोषण जैसे अहम विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही टीम भावना और सामूहिक प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। भारतीय गोल्फर सुखमन सिंह ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, आईजीयू द्वारा दी गई यह अवसर मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

आसिम रियाज से शिखर धवन ने मंगवाई माफी,

रुबीना दिलैक

पर कमेंट से मचा था बवाल

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रहे नए शो 'वॉर ऑफ वर्ड्स' में दर्शकों को जमकर ड्रामा देखने को मिल रहा है. इस शो में रुबीना दिलैक, आसिम रियाज, अभिषेक मल्हान के साथ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे बड़े ही बेबाकी से अपनी राय सबके सामने रखते हुए नजर आ रहे हैं. हाल ही में शो का एक प्रोमो वीडियो सामने आया है, जिसमें रुबीना दिलैक और आसिम रियाज के बीच तीखी बहस देखने को मिली. इस बहस के बाद शो के होस्ट और मशहूर क्रिकेटर शिखर धवन ने दोनों के बीच हस्तक्षेप करते हुए आसिम से कहा कि वो रुबीना से माफी मांगे.

वीडियो में हम देख सकते हैं कि आसिम रियाज, रुबीना दिलैक पर 'सीरियल' जैसा बर्ताव करने का आरोप लगा रहे हैं. वो कह रहे हैं कि ये सीरियल नहीं है.आसिम की ये बात सुनकर रुबीना नाराज हो जाती हैं और वो, 'आसिमम वहां पर मत जाओ' कहते हुए बिग बॉस 13 के एक्स-कंटेस्टेंट को अपनी हद में रहने की चेतावनी देती हैं. इस प्रोमो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने भी आसिम रियाज के इस रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई है. एक तरफ जहां लोग आसिम पर निशाना साध रहे हैं, वहीं, दूसरी तरफ रुबीना दिलैक ने जिस तरह से आसिम के आरोपों का शांत रहकर जवाब दिया, उसके लिए दर्शक उनकी खूब तारीफ भी कर रहे हैं. कई लोगों ने उन्हें इस शो की 'शेरनी' भी कहा है.

आसिम को मांगनी पड़ी माफी

रुबीना और आसिम में हुई बहस के बाद शो के होस्ट शिखर धवन ने मामले में हस्तक्षेप किया और आसिम रियाज को अपनी गलती का एहसास दिलाया. शिखर ने साफ शब्दों में कहा कि आसिम ने रुबीना से जो कुछ भी कहा, वो सही नहीं था और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए. शिखर धवन की बात सुनकर आसिम रियाज ने अपनी सफाई दी और कहा कि उन्होंने गुस्से में ऐसा कह दिया था, उनका कोई गलत इरादा नहीं था. इसके बाद आसिम ने रुबीना से माफी भी मांगी, जिसे रुबीना ने समझदारी दिखाते हुए स्वीकार कर लिया.

रुबीना को मिला फैंस का साथ

सोशल मीडिया पर रुबीना दिलैक के फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं. साथ ही वो आसिम रियाज के रवैये को 'अनावश्यक' और 'अनुचित' भी बता रहे हैं. सिर्फ रुबीना ही नहीं बल्कि शिखर धवन की भी सोशल मीडिया पर तारीफ हो रही है. क्योंकि फैंस का कहना है कि उन्होंने बड़ी ही समझदारी के साथ ये झगड़ा सुलझाया है.

कभी 1500 रुपये कमाने वाला वो एक्टर, जिसने सलमान की एक्स गर्लफ्रेंड को बनाया दुल्हन, 800 करोड़ी फिल्म से हिला डाला बॉक्स ऑफिस

बात आज एक ऐसे एक्टर की जिसका बचपन मुंबई के चॉल में बीता. उसकी पहली सैलरी महज 1500 रुपये थी. उसने 10 साल पहले हिंदी सिनेमा में अपनी कदम रखे थे. धीरे-धीरे वो सफलता के रथ पर सवार होता गया और फिर उसकी लाइफ में एंट्री हुई हिंदी सिनेमा की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक की. इसके बाद इस एक्टर ने बड़े पर्दे पर धूम मचा दी.क्या आप समझ पाए हैं कि यहां हम आपसे किस एक्टर के बात कर रहे हैं ? आप अपने दिमाग पर ज्यादा जोर मत डालिए, हम आपको बता देते हैं कि यहां बात हो रही है विकी कौशल की. जिन्होंने संघर्षों से लड़ते हुए बॉलीवुड में कभी छोटे-मोटे रोल भी किए और आज उनकी गिनती सबसे बेहतरीन एक्टर्स में होती है. इन दिनों वो 800 करोड़ी फिल्म 'छावा' से फैंस के दिलों पर राज कर रहे हैं.

पहली सैलरी थी 1500 रुपये

विकी का जन्म 16 मई 1988 को मुंबई में हुआ था. उनके पिता शाम कौशल ने भी इंडस्ट्री में काम किया और वो एक्शन डायरेक्टर हैं. हालांकि पिता के बॉलीवुड में होते हुए भी विकी ने अपनी मेहनत के दम पर अपनी अलग और खास पहचान बनाई. कभी अपनी फैमिली के साथ 10म10 के कमरे में रहने वाले विकी बॉलीवुड में आने से पहले थिएटर में काम करते थे. उन्होंने पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि वो थिएटर में प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करते थे, तब उन्हें पहली सैलरी 1500 रुपये मिली थी.

800 करोड़ी 'छावा' से हिला दिया बॉक्स ऑफिस

विकी ने अपने फिल्मी करियर का आगाज साल 2015 में आई फिल्म 'मसान' से किया था. इसमें उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया. इसके बाद वो संजय दत्त के जीवन पर बनी फिल्म 'संजू' में संजय के दोस्त के किरदार में नजर आए थे. हालांकि उन्हें पहली बड़ी और खास पहचान 2019 में आई फिल्म 'उरी-द सर्जिकल स्ट्राइक' से मिली. इसके बाद उन्होंने 'सैम बहादुर', 'सरदार उधम' और 'राजी' जैसी फिमों से भी सुर्खियां बटोरी. लेकिन उनके करियर में संभाजी महाराज के जीवन पर बनी फिल्म 'छावा' मील का पत्थर साबित हुई. इसी साल फरवरी में रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनियाभर में 800 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा लिए हैं और अब भी छावा सिनेमाघरों में टिकी हुई है.

सनी-बॉबी देओल को एक्टर नहीं बनाना चाहते थे पिता धर्मेंद्र, बेटों की इन चीज़ों पर लगा रखी थी पाबंदी

देओल परिवार इस वक्त पूरी इंडस्ट्री में छाया हुआ है. सनी देओल और बॉबी देओल की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाया हुआ है. गदर 2 के जरिए सनी देओल और एनिमल के जरिए बॉबी को उनका खोया हुआ स्टारडम हासिल हो चुका है. अब देओल ब्रदर्स बॉलीवुड से लेकर साउथ तक चर्चा में हैं. हाल ही में सनी पाजी की छ्ब्ब भी रिलीज हुई है. हालांकि उनकी ये फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन उनके पास में कई बड़ी फिल्में मौजूद हैं. इसी बीच बॉबी देओल ने बताया कि उनके पिता और दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र उन्हें हीरो नहीं बनाना चाहते थे. वो चाहते थे कि उनके बेटे कुछ और काम करें.इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू के दौरान बॉबी देओल अपने पिता धर्मेंद्र को लेकर बात की. बॉबी देओल ने बचपन से जुड़ा किस्सा सुनाया और बताया कि उनके पापा नहीं चाहते थे कि वो लोग फिल्म इंडस्ट्री में आएं. वो हमेश उन्हें इससे दूर रखना चाहते थे. वो चाहते थे कि वो लोग अच्छे से पढ़ाई-लिखाई करें और किसी दूसरी फील्ड में अपना करियर सेट करें. इसके पीछे की वजह भी बॉबी ने बताई. उनके पिता का मानना था कि इंडस्ट्री में काफी उतार-चढ़ाव हैं और वो अपने बेटों को इन सब से दूर रखना चाहते थे, ताकि वो लोग इससे न गुजरें.

बेटों पर लगा रखी थी धर्मेंद्र ने पाबंदी

इसके अलावा बॉबी देओल ने ये भी कहा कि पिता धर्मेंद्र ने उन्हें इसलिए भी फिल्म इंडस्ट्री से दूर रखा ताकि वे इसके नकलीपन से बच सकें. उन्होंने याद किया कि उन्हें स्टार किड्स की बर्थडे पार्टियों में जाने की मनाही थी और वे एक साधारण घर में पले-बढ़े थे, जहां कभी फिल्मों पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता था. एक्टर की मानें तो जब भी वो फिल्मों के सेट पर या घर पर अपने पापा के फैन्स को देखते थे, उनसे मिलने वाले प्यार को देखते थे, तो वो हैरान रह जाते थे.

इन प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे बॉबी देओल

बॉबी देओल की अपकमिंग प्रोजेक्टस की बात करें तो वो ड्डक्क्ल की फिल्म अल्फा में नजर आएंगे. इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ लीड में नजर आएंगी. वहीं उनके पास आश्रम 4 भी है. एनिमल के बाद अभी तक बॉबी देओल हिंदी फिल्म ने नजर नहीं आए हैं. हालांकि साउथ में उनकी दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. बॉबी देओल ने अपने काम से एक बार फिर से सभी का दिल जीत लिया है.

572 करोड़ी फिल्म देते ही

रणवीर-दीपिका

ने रचा लिया था ब्याह, शादी में उड़ाए थे इतने करोड़

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड का स्टार कपल कहा जाता है. दोनों ने ही हिंदी सिनेमा में खास पहचान बनाई है. रणवीर और दीपिका दोनों ही बॉलीवुड में करीब डेढ़ दशक से काम कर रहे हैं और सुपरस्टार का दर्जा हासिल कर चुके हैं. रणवीर और दीपिका ने बड़े पर्दे पर साथ में भी स्क्रीन शेयर किया है.साथ काम करने के दौरान रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण एक दूसरे के प्यार में गिरफ्तार हो गए थे. बताया जाता है कि दोनों की नजदीकियां 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' के दौरान बढ़ी थीं. फिल्म के सेट पर दोनों को प्यार हो गया था. एक तरफ ये फिल्म बड़े पर्दे पर छा गई और दूसरी तरफ दोनों एक दूसरे के बेहद करीब आ गए थे. सालों तक दोनों ने एक दूसरे को डेट किया और फिर अपनी एक 572 करोड़ी फिल्म के बाद धूमधाम से शादी कर ली थी. आइए जानते हैं कि वो फिल्म कौन सी थी और रणवीर-दीपिका ने अपनी शादी में कितने करोड़ खर्च किया था ?

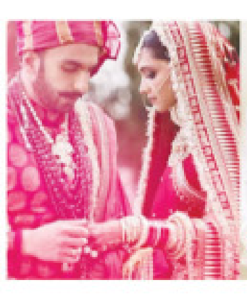

'पद्मावत' ने कमाए थे 572 करोड़

'गोलियों की रासलीला राम-लीला' के बाद रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण फिल्म 'पद्मावत' में नजर आए थे. हालांकि इसमें दोनों एक दूसरे के अपोजिट नहीं थे. जहां रणवीर ने अलाउद्दीन खिलजी का रोल निभाया था तो वहीं दीपिका रानी पद्मावती में किरदार में दिखाई दी थीं. फिल्म का हिस्सा शाहिद कपूर भी थे. 25 जनवरी 2018 को रिलीज हुई इस पिक्चर का बॉक्स ऑफिस पर सैलाब आया था. संजय लीला भंसाली के डायरेक्शन में बनी पद्मावत का बजट 88 करोड़ रुपये था, जबकि इसने दुनियाभर में 572 करोड़ रुपये कमाते हुए ब्लॉकबस्टर का दर्जा पाया.

शादी में आया था 95 करोड़ का खर्च

साल 2018 में ही पद्मावत की अपार सफलता के बाद रणवीर और दीपिका ने अपने रिश्ते को नया नाम दे दिया था. नवंबर 2018 में दोनों ने इटली के लेक कोमो में धूमधाम से शादी रचाई थी.